चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 23 अप्रैल 2024
वर्ष 5, अंक 28, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

लिरिड रोमांचक आसमानी आतिशबाजी शुरू 16

गुलाबी के लिए कड़ी मेहनत कर रही है हुमा कुरैशी 15

ग्राम प्रधान के पिता की सिर में गोली मारकर हत्या, रिश्तेदार पर हत्या का शक

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- जेएस हिंदू कॉलेज में चपरासी के पद से सेवानिवृत हुए थे चंद्रपाल
- खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमृत विचार : नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव गालिबबड़ा में रविवार रात ग्राम प्रधान अरविंद यादव के पिता चंद्रपाल सिंह (62 वर्ष) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। ग्राम प्रधान ने एक रिश्तेदार पर हत्या का संदेह जताया है। एएसपी राजीव कुमार सिंह ने घटनास्थल पर लोगों से पूछताछ की। डॉग स्कवाड व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं।

गांव गालिबबड़ा के ग्राम प्रधान अरविंद कुमार के पिता चंद्रपाल सिंह जेएस हिंदू कॉलेज में दो साल पहले चपरासी के पद से सेवानिवृत हुए थे। चंद्रपाल के परिवार में पत्नी अंगूरी देवी व दो बेटे नीरज व अरविंद और दो बेटियां हैं। बड़ा बेटा नीरज गजरौला में हाइवे स्थित एक होटल में नौकरी करता है। चंद्रपाल गांव में दूध का काम करते थे। रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सोए हुए थे जबकि चंद्रपाल आंगन में चारपाई पर सो रहे थे। रविवार रात करीब तीन बजे अज्ञात लोगों ने चंद्रपाल की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। सोमवार सुबह पांच बजे नींद से जागने के बाद परिजन कमरे से बाहर आए तो चंद्रपाल का शव बिस्तर पर पड़ा देखा। शव देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचीं सीओ अंजलि कटारिया ने भी लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। एएसपी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बने

डी. गुकेश के मोहरों ने चली खिताबी चाल, बने ग्रैंडमास्टर

टोरंटो, एजेंसी

भारत के 17 वर्ष के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैंपियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा। गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला। विश्व चैंपियन के चैलेंजर का निर्धारण करने वाले इस टूर्नामेंट में उनके 14 में से नौ अंक रहे। वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे।

चेन्नई के रहने वाले गुकेश ने कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी तोड़ा। कास्पोरोव 1984 में 22 साल के थे जब उन्होंने रूस के ही अनातोली कारपोव को विश्व चैंपियनशिप खिताब के लिए चुनौती दी थी। गुकेश ने जीत के बाद कहा बहुत राहत महसूस कर रहा हूं। मैं फेबियानो कारूआना और इयान नेपाम्नियाश्चि के बीच मैच देख रहा था। इसके बाद टहलने चला गया जिससे मदद मिली। गुकेश को 88500 यूरो (78.5 लाख रूपये) ईनाम के तौर पर भी मिले। इस टूर्नामेंट की कुल ईनामी राशि पांच लाख यूरो है। वह यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय बन गए। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने 2014 में खिताब जीता था। आनंद ने एक्स पर लिखा, डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई। आपकी उपलब्धि पर गर्व है, मुझे निजी तौर पर तुम पर बहुत गर्व है जिस तरह से तुमने कठिन हालात में खेला। इस पल का मजा लो। गुकेश को जीत के लिए ड्रॉ की ही जरूरत थी और उन्होंने नकामूरा के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरती। दोनों का मुकाबला 71 चालों के बाद ड्रॉ पर छूटा। दूसरी ओर कारूआना और नेपाम्नियाश्चि की बाजी भी ड्रॉ रही।

> डी गुकेश की यह उपलब्धि से लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा होगी। भारत को फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने डी गुकेश पर गर्व है। टूर्नामेंट में गुकेश की शानदार उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण की द्योतक है। – प्रधानमंत्री

अगर दोनों में से कोई जीतता तो टाइब्रेक होता। गुकेश ने कहा वो 15 मिनट पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा तनावपूर्ण थे। मैं कमेंट्री सुन रहा था और फिर मैं अपने ट्रेनर के साथ टहलने निकल गया। उसके बाद मेरे पिता दौड़ते हुए आए। उन्होंने कहा कि मेरे पास बेहतरीन सहयोगी हैं। मैं उनके नाम नहीं लूंगा लेकिन उन्हें पता है कि मैं उनका कितना शुक्रगुजार हूं।

एक नजर

सीयूईटी-स्नातक नेट खत्म होगा अंकों का सामान्यीकरण

नई दिल्ली। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) और राष्ट्रीय अर्हता परीक्षा (नेट) में इस साल से अंकों का सामान्यीकरण समाप्त कर दिया जाएगा। यूजीसी के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुमार ने कहा कि इस साल अंकों के सामान्यीकरण की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि किसी विषय की दोनों परीक्षा एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। सामान्यीकरण एक छात्र के अंक को इस तरह से संशोधित करने की एक प्रक्रिया है कि वह दूसरे के अंक के साथ तुलनीय हो जाए। यह तब आवश्यक हो जाता है जब एक ही विषय की परीक्षा कई सत्रों में आयोजित की जाती है, प्रत्येक सत्र में अलग-अलग प्रश्नपत्र होते हैं।

नईमा खातून एएमयू की पहली महिला कुलपति

नई दिल्ली। नईमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की कुलपति नियुक्त किया गया है और वह 100 साल में इस पद को संभालने वाली पहली महिला होंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दी है। राष्ट्रपति विवि की विजिटर भी हैं। आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर निर्वाचन आयोग से मंजूरी मांगी गई थी। वीमन्स कॉलेज की प्राचार्य नईमा खातून को पांच साल की अवधि के लिए कुलपति बनाया गया है।

कांग्रेस-भाजपा में सियासी घमासान

कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर आपकी कमाई पर : मोदी

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी देश पर माओवादी सोच थोपकर और जनता की कमाई पर कब्जा कर उसे लोगों में बांटना चाहती है। हालांकि मोदी ने इस बार यह वितरण मुसलमानों के बीच किये जाने की बात नहीं कही। प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ और हाथरस से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा में कांग्रेस और सपा पर तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि इन दलों ने पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिये कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है। प्रधानमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी जांच करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र कह रहा है। मोदी ने कहा आप सोचिए हमारी माताओं और बहनों के पास सोना होता है। वह स्त्री धन होता है। उसे पवित्र माना जाता है। कानून भी उसकी रक्षा करता है लेकिन अब इनकी (कांग्रेस) नजर कानून बदलकर हमारी माताओं, बहनों की संपत्ति छीनने पर है। उनके मंगलसूत्र पर इन लोगों की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा कांग्रेस सर्वे करना चाहते हैं कि जो नौकरी पेशा कर्मचारी हैं उनकी कितनी संपत्ति है। यह सर्वे कराकर कांग्रेस सरकार के नाम पर आपकी संपत्ति को छीन कर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि अगर आपके पास दो घर हैं तो एक घर छीन लेगी।

- देश पर माओवादी सोच थोपकर जनता की कमाई पर पंजा मारना चाहती है कांग्रेस

प्रधानमंत्री के झूठ के कारोबार का अंत नजदीक : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी और सूरत में भाजपा के उम्मीदवार के निर्विरोध जीतने को लेकर सोमवार को दावा किया कि देश में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान और आरक्षण रूपी सामाजिक न्याय की व्यवस्था को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अब झूठ के कारोबार का अंत नजदीक है। इस बीच, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी देने के लिए उनसे मिलने का समय मांगा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान की एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि देश में बेरोजगारी और महंगाई का पीक (उच्चतम स्तर) है और नरेन्द्र मोदी कहते हैं सब कुछ ठीक है। उनके पास मुद्दों से भटकाने की नई-नई तकनीक हैं। उन्होंने सूरत के घटनाक्रम को लेकर एक अन्य पोस्ट में कहा तानाशाह की असली सूरत एक बार फिर देश के सामने है। जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। कांग्रेस नेता ने कहा मैं एक बार फिर कह रहा हूं कि यह सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री जहरीली भाषा में दुनिया भर की बातें बोलते हैं। उन्हें एक सीधे से सवाल का जवाब भी देना चाहिए। कहा कि 1951 से हर दस साल के बाद जनगणना होती आ रही है। इससे अजा और अनुसूचित जनजाति की आबादी का वास्तविक आंकड़ा सामने आता है। इसे 2021 में कराया जाना चाहिए था लेकिन आज तक यह किया नहीं गया। इस पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं।

- भाजपा बाबासाहेब के संविधान और आरक्षण को खत्म करने का प्रयास कर रही भाजपा

चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिकायत की। जिसमें उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से मुलाकात की और 17 शिकायतों का एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में गुरदीप सिंह सप्पल और सुप्रिया श्रीनेत शामिल थे। सिंघवी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने पांच-छह शिकायतों पर विशेष रूप से विस्तृत चर्चा की। कांग्रेस नेता ने बताया कि निर्वाचन आयोग के समक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) पुत्री अंजली बिरला का भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव प्रचार करने, सूरत लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद करने और मणिपुर में लोकसभा चुनाव में मतदान के दौरान हिंसा का मामला भी उठाया गया।

अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया है, अब ब्रज की बारी : योगी

फतेहपुर सीकरी, एजेंसी

- बोले- कृष्ण पर प्रश्न खड़े करने वालों, गंगाजल के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसा दीजिए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है और अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है। योगी आदित्यनाथ सोमवार को फतेहपुर सीकरी से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार राजकुमार चाहर के समर्थन में किरावली में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने फतेहपुर सीकरी संसदीय क्षेत्र को ब्रज भूमि का भाग बताते हुए कहा कि गिरिराज महाराज की यहां बड़ी कृपा है। दुनिया यहां के रज-रज में कृष्ण कन्हैया का दर्शन करती है। योगी ने कहा अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी वर्ष 22 जनवरी को हुई। दिसंबर 2021 में काशी विश्वनाथ कारिडोर का लोकार्पण किया था।

विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। ये कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं थे, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा, ही पैदा हो गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की वजह से इन लोगों का झूठ फेल हो गया और रामलला का मंदिर भी बन गया। योगी ने मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा आपका दायित्व बनता है कि राम-कृष्ण पर प्रश्न खड़े करने वालों, गंगाजल के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसा दीजिए। भाजपा सरकारों में विकास कार्यों को गिनाते हुए योगी ने कहा विकास के लिए अब आपको तरसाने की कोई हिम्मत नहीं कर पाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने रद किया बंबई हाईकोर्ट का फैसला

दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग को 30 सप्ताह के गर्भ के समापन की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा, ये असाधारण मामला, डॉक्टरों के दल का तत्काल गठन करने को कहा

उच्चतम न्यायालय ने करीब 30 सप्ताह की गर्भावस्था वाली 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति देते हुए सोमवार को कहा कि किशोरी का कल्याण सर्वोच्च महत्व रखता है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला भी शामिल हैं।

न्यायालय ने कहा, स्थिति की तात्कालिकता और नाबालिग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, उसकी सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है...हमने बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया है।

सुनवाई की शुरूआत में पीठ ने कहा, हम गर्भ के चिकित्सकीय समापन की अनुमति देते हैं क्योंकि पीड़िता 14 साल की है और यह दुष्कर्म का मामला है। कोर्ट ने इसे असाधारण मामला माना।

न्यायालय ने मुंबई के सायन स्थित एलटीएमजीएच के डीन को निर्देश दिया कि वह नाबालिग के गर्भपात के लिए चिकित्सकों के दल का तत्काल गठन करें। न्यायालय ने कहा, मेडिकल बोर्ड ने राय दी है कि नाबालिग की इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने से महज 14 साल की किशोरी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल को नाबालिग की चिकित्सकीय जांच का आदेश दिया था।

उसने मुंबई के सायन स्थित अस्पताल से इस संबंध में रिपोर्ट देने को कहा था कि अगर पीड़िता चिकित्सकीय रूप से गर्भपात कराती है या उसे ऐसा न करने की सलाह दी जाती है तो इसका उसकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर क्या असर पड़ने की संभावना है।

गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम' (एमटीपी) के तहत, विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं के लिए भी गर्भावस्था को समाप्त करने की ऊपरी सीमा 24 सप्ताह है। इन विशेष श्रेणियों में बलात्कार पीड़िताएं और दिव्यांग एवं नाबालिग शामिल हैं।

केजरीवाल की जमानत के लिए पहुंचा था कोर्ट, लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- नाराज कोर्ट ने पूछा क्या याचिकाकर्ता कॉलेज की कक्षा में जाता है

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए असाधारण अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाली एक विधि छात्र की जनहित याचिका सोमवार को खारिज कर दी। याचिकाकर्ता पर 75,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। केजरीवाल आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। विवादों में घिरे आप नेता के वकील ने भी जनहित याचिका का विरोध करते हुए कहा कि केजरीवाल खुद कानूनी उपाय करने में सक्षम हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने टिप्पणी की कि यह याचिका उचित विचार करके दायर नहीं की गई और अदालत उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति को असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दे सकती। पीठ ने कहा क्या याचिकाकर्ता कॉलेज में कक्षा में जाता है? क्या याचिकाकर्ता की उपस्थिती अच्छी है? ऐसा लगता है कि वह कानून के सिद्धांतों का पालन नहीं कर रहा।

सपा ने कन्नौज से तेज प्रताप को मैदान में उतारा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को कन्नौज और बलिया सीट के लिए भी अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी ने कन्नौज सीट से लालू यादव के दामाद तेज प्रताप यादव जबकि बलिया सीट पर सनातन पांडे को चुनाव मैदान में उतारा है। सपा का गढ़ समझी जाने वाली कन्नौज सीट को लेकर अभी तक चर्चा थी कि यहां से सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्वयं चुनाव लड़ेंगे। तेज प्रताप ने 2014 में मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था व सपा को जीत दिलाई थी। इस बार यहां से डिंपल यादव प्रत्याशी हैं। वहीं, बलिया सीट पर सपा ने एक बार फिर सनातन पांडे पर अपना भरोसा जताया है।

सूरत लोस सीट से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजेता

नई दिल्ली। सूरत लोक सभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नमांकन रद्द होने के बाद देर शाम निर्वाचन आयोग ने भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध विजयी घोषित किया है। कांग्रेस हाई कमान ने कहा है कि सूरत में कांग्रेस के मुख्य उम्मीदवार और डमी उम्मीदवार का नामांकन पत्र खारिज होने के मामले की जांच के लिए निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे। लेकिन सूरत के निर्वाचन अधिकारी सौरभ पारधी की रिपोर्ट को आयोग ने हरी झंडी दे दी है और मुकेश दलाल को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया है।

कारों की भिड़ंत में दो की मौत

संवाददाता, हसनपुर/सैदनगली (अमरोहा)

हसनपुर में दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार।

- उझारी-हसनपुर मार्ग पर हुआ हादसा, छह लोग घायल
- गजरौला में बेटी की लग्न चढ़ाने जा रहे थे संभल के लोग

अमृत विचार: उझारी-हसनपुर मार्ग पर सोमवार दोपहर दो बजे कारों की आमने-सामने भिड़ंत में संभल के दो लोगों की मौत हो गई। तीन बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। सभी लोग गजरौला में लड़की की लग्न चढ़ाने जा रहे थे।

जनपद संभल में हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर निवासी दीपचंद जाटव की बहन कृष्णा की शादी गजरौला थाना क्षेत्र के गांव बसेली में तय होनी थी। इस सिलसिले में दीपचंद का दोस्त समयसिंह उर्फ शंभू पुत्र दलवीर चौधरी व इंद्रपाल पुत्र हरद्वारी, कमल पुत्र सोहनलाल निवासी ऐंजरा व अजीत पुत्र नरेश सिंह निवासी मोहम्मदपुर टांडा भी कार से लग्न की रस्म में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही इनकी कार गांव भीकनपुर स्थित खुलैला पुल के पास पहुंची तो हसनपुर की ओर से आ रही कार (स्विफ्ट) से भिड़ंत हो गई। इससे कमल सिंह, इंद्रपाल, निसार व स्विफ्ट कार में सवार छोटू, ओम और गुल्फी घायल हो गए। समय सिंह उर्फ शंभू (40) व अजीत (45) की मौत हो गई। ऑल्टो कार चालक निसार, इंद्रपाल व कमल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्विफ्ट कार सवार छोटू व गुलकी गांव जेबड़ा मुस्तकम थाना रहरा व ओम निवासी गांगटकोला कोतवाली हसनपुर भी घायल हुए हैं। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से इंद्रपाल, कमल व गुलकी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

सड़क पर जीवनसंगिनी का शव... घर आकर पति ने भी जान दी

संवाददाता, हरदोई

स्कूटी से जाते समय गई महिला की जान, स्टाफ नर्स के रूप में थीं सेवारत, तीन महीने पहले हुई थी शादी

मणिकर्णिका

योगेश

अमृत विचार : लखनऊ-पलिया हाईवे पर पचकोहरा चौराहे पर स्कूटी से ड्युटी करने जा रही महिला को तेज़ रफ्तार गाड़ी ने कुचल दिया। महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। महिला की मौत के बाद मौके पर पहुंचा उसका पति पत्नी का शव देखते ही सदमें में आ गया। वह घर पहुंचा व बिजली के तार के फंदे से लटककर जान दे दी।

सुरसा थाने के दाऊदपुर पचकोहरा निवासी योगेश कुमार पिहानी ब्लाक के टीकमपुरवा में शिक्षक थे। तीन महीने पहले ही कोतवाली शहर के धन्नुपुरवा की 25 वर्षीय मणिकर्णिका के साथ उनका विवाह हुआ था। मणि कर्णिका टड़ियावां सीएचसी में स्टाफ नर्स के पद पर सेवारत थीं। मणिकर्णिका रोज़ की तरह सोमवार की सुबह स्कूटी से ड्यूटी पर आ रही थीं। उसी बीच लखनऊ-पलिया हाईवे पर पचकोहरा चौराहे पर एक तेज़ रफ्तार गाड़ी ने पहले ठोकर मारी व कुचलते हुए निकल गई। मणकर्णिका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौत के बाद सड़क पर जाम लगा दिया गया। मणिकर्णिका की मौत की खबर सुनकर पति योगेश पचकोहरा चौराहे पर पहुंचें। सड़क पर जीवनसंगिनी का शव देख वे सदमें में आ गए। किसी से कुछ बोले बिना वह अपने घर पहुंचे। कमरे में बिजली के तार का फंदा बनाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर लिया।

मरने से पहले हाथ पर लिखा था...सॉरी

मणि कर्णिका और योगेश के बीच चाहत की नींव कितनी मज़बूत थी, इसका पता तब हुआ जब दोनों हमेशा-हमेशा के लिए दुनिया से चले गए। पहले पत्नी की हादसे में मौत और उसके कुछ ही देर में पति का दुनिया से अलविदा कहना हर एक को अखर गया। लेकिन जब मणि कर्णिका के बाद उसके पति योगेश कुमार का शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया, तो वहां उसके हाथ की खुली मुट्ठी पर 'सॉरी...जिएंगे, साथ मरेंगे' की लिखी हुई इबारत पढ़ कर हर दिन शवों को चीरने वाले हाथ कांप उठे। सॉरी के बाद उसने जो लिखा, उससे पता चलता है कि अपनी जीवन संगिनी के न रहने से उसकी ज़िंदगी बे-मकसद हो गई थी, बस इसी लिए उसने जीने की तमन्ना को दरकिनार कर खुद से मौत को गले लगा लिया।

बेटे और बेटी की मौत से बेहाल हैं दोनों के माता पिता

हरदोई। सड़क हादसे का शिकार हुई स्टाफ नर्स मणि कर्णिका जहां अपने घर की इकलौती थी, वहीं योगेश भी घरवालों का इकलौता था। बेटी की मौत की खबर से उसके मायके में चीख-पुकार मची हुई थी, उसके कुछ ही देर बाद जब पता चला कि मणि कर्णिका की मौत के बाद योगेश ने भी आत्महत्या कर ली, इतना सुनते ही वहां हर तरफ मातम बरपा हो गया। दाऊदपुर के पुत्तूलाल का इकलौता लाडला योगेश कुमार बचपन से ही पढ़ने-लिखने में अव्वल रहता था। उसने ठान रखा था कि वह पढ़-लिख कर शिक्षक बनेगा और वहीं उसने साबित भी किया।

एक नजर

तकनीकी सहायक बर्खास्त जेई के निलंबन का आदेश

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिलाधिकारी ने गोशालाओं के बेहतर संचालन के लिए सोमवार को सभी नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की । बैठक में गोशाला अक्कापाण्डे में अमानक पूर्ण निर्माण कराने पर तकनीकी सहायक की सेवा समाप्त/ब्लैक लिस्टेड करने एवं जेई आरईडी को निलम्बित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी संबंधित गोशाला में प्रधानों के साथ बैठक कर दो दिन में व्यवस्थाएं सुधारें। अन्यथा कार्रवाई हेतु तैयार रहें। गोशाला के कार्यों में जो प्रधान रुचि न ले रहे हों, उन प्रधानों के नाम दिए जाएं । इनकी समिति बनाकर उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि गोवंश हेतु जनसहभागिता से नि:शुल्क भूसा एकत्र करने में ग्राम प्रधानों की पूरी मदद ली जाए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नोडल अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण की साप्ताहिक रिपोर्ट देंगे। सभी गोशालाओं में गोवंश हेतु हरा चारा, नमक, मिनरल पाउडर, पेयजल, भूसा इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था करें ।

आकर्षक झांकियों के साथ निकाली बालाजी की शोभायात्रा

श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से निकाली गई यात्रा, जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत, 500 महिलाएं योगी-मोदी के फोटो वाली प्रिंटेड साड़ियां पहनकर हुईं शामिल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से सोमवार को जगद्गुरु जगदाचार्य साध्वी राघवेंद्री महाराज के सान्निध्य में बालाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। राजकीय इंटर कालेज से शुरू हुई शोभायात्रा महानगर के प्रमुख बाजार व विभिन्न स्थानों से होती हुई राजाराम धर्मशाला पर संपन्न हुई। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

शोभायात्रा का आरंभ मंडी चौक में स्वामी आनंद महाराज ने नारियल फोड़कर किया। शोभायात्रा में 50 भव्य व सुंदर झांकियां 8 बैंड के साथ निकाली गईं। इसमें सबसे आगे बालाजी दरबार का बैनर के साथ लगभग 500 महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो की प्रिंटेड साड़ियां पहनकर बालाजी महाराज के जयकारें लगाते हुए चल रही थीं। उसके बाद पांच वीर घोड़े नासिक ढोल बैंड श्री गणेश जी महाराज की चूहे पर सवारी महिला मंडल व वाहक आदर्श बैंडकाली का अखाड़ा, अंजनी माता के साथ बाल स्वरूप में हनुमान जी, महाकाल उज्जैन के दर्शन, अघोरी शंकर जी का नृत्य, हनुमान जी की वानर सेना, बाहुबली हनुमान जी नृत्य करते हुए, बाहुबली शंकर जी नृत्य करते हुए व कई अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। लोगों में झांकियों को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। बालाजी दरबार के साथ इस बार शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण श्री बालाजी महाराज को 16 क्विंटल किलो के लड्डू का भोग लगाया गया। यात्रा के पूरे मार्ग में पुलिसकर्मी अपनी पैनी नजर से हर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखे हुए थे। तो वहीं शोभायात्रा में उपस्थित कार्यकर्ता भी जागरूक नजर आए।

शोभायात्रा में उपस्थित श्री बालाजी सेवा समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से निकली शोभायात्रा में प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

महानगर के इन मोहल्लों से गुजरी शोभायात्रा

शोभायात्रा राजकीय इंटर कॉलेज से आरंभ होकर पान दरीबा, मंडी चौक, बर्तन बाजार, अमरोहा गेट, चौमुखा पुल, सदर कोतवाली, बाजार गंज, कोर्ट रोड, ताड़ीखाना, गुलजारीमल धर्मशाल रोड, बुध बाजार चौक, स्टेशन रोड, रामपुर रोड में अपनी सुंदरता का सभी भक्तों को दर्शन कराते हुए गांधीनगर स्थित राजाराम की धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा का मार्ग में अनेकों स्थानों पर आरती करने के साथ-साथ फूलों की वर्षा और मिठाई एवं फल वितरित कर स्वागत किया गया।

यह लोग रहें मौजूद

शोभायात्रा में उप महंत रवि राघव, आशीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राजेश रस्तोगी, संतोष शर्मा, धर्मेंद्र भदोरिया, रुद्र प्रताप सिंह, प्रबल प्रताप सिंह, नीलू चौहान, संदीप परमार, धीरज सिंह, मोहित चौहान, मोनू पंडित, अनुराग अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मयंक माथुर, विपुल अग्रवाल, श्यामलाल, प्रेम सैनी, रामसेवक सैनी आदि मौजूद रहे।

हनुमान मूर्ति से निकली शोभायात्रा में शामिल राम दरबार की झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में हनुमान जी के जयकारों की रही गूंज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : हनुमान मूर्ति माता मंदिर सेवा समिति की ओर सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें हनुमान जी महाराज की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया।

शोभायात्रा में गणेश जी, हनुमानजी, राम दरबार, रावण युद्ध, राधा-कृष्ण, शंकर-पार्वती समेत अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा हनुमान मूर्ति से प्रारंभ हुई। आसपास के गली मोहल्लों में घूमकर वापस मूर्ति पर आकर समाप्त हुई। मंगलवार को समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन कराया जाएगा। इस दौरान अध्यक्ष शिवचर लाल प्रजापति, रामनाथ, गोविंद राम प्रजापति, हरपाल सिंह, राजवीर सिंह, राकेश, नवनीत चौहान, राजाराम, खेम सिंह, सोमपाल, सुरेश सैनी आदि मौजूद रहीं।

एक्सपो मार्ट के अप्रैल शो में मिले ऑर्डर

मुरादाबाद, अमृत विचार : सोमवार को नोएडा में चल रहे तीन दिवसीय एक्सपो मार्ट में आयोजित अप्रैल शो के समापन पर महानगर के निर्यातकों को ड्राई सीजन में खरीदारों के ऑर्डर मिले तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे।

नोएडा में तीन दिवसीय अप्रैल शो में महानगर के 650 निर्यातकों ने अपने शोरूम सजाकर हस्तशिल्प उत्पादों की लंबी रेंज को खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित किया। मेले के शुरुआती दो दिन कारोबार के मामले में काफी सकारात्मक रहे। सोमवार को अंतिम दिन भी विदेशी ग्राहकों और घरेलू रिटेलर्स ने बड़े पैमाने पर बिजनेस इनक्वायरी की। मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवेदउर्रहमान ने बताया कि नए खरीदारों की तरफ से बिजनेस ऑर्डर मिलने के मामले में मौजूदा समय ड्राई सीजन का माना जाता है, जिसमें अच्छी बिजनेस इनक्वायरी होने से महानगर के कई निर्यातकों में खुशी है।

रात में साढ़े तीन घंटे की बिजली कटौती ने उड़ाई लोगों की नींद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● कांठ रोड स्थित इंद्रप्रस्थ और हिमगिरी कालोनी सहित कई मोहल्लों के लोग रहे परेशान

अमृत विचार : जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे बिजली की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। रविवार की रात में कांठ रोड स्थित कई मोहल्लों की बिजली गायब रही। इतना ही नहीं यह समस्या तब आई जब लोगों के सोने का समय हुआ। रात 11 बजे के आसपास से बिजली कटौती शुरू हुई तो रात ढाई बजे तक कटती ही रही। कुछ समय के लिए बिजली आए और फिर गायब हो जाए। बिजली के रुकने का समय तो चंद मिनटों का रहा और गायब रहने का समय घंटे भर से कम का नहीं होता था। इस प्रकार लोग भारी मुसीबत में रहे। यह हाल तो तब है जब रात में मौसम कुछ ठंडा हो जाता है। इंद्रप्रस्थ कालोनी के महेंद्र बिश्नोई का कहना है कि बिजली कटौती से रात में फिर सोना नहीं हो पाता है। वहीं विकास शर्मा का कहना है कि रात में बिना बिजली के सोना हो नहीं पाता है। इनवर्टर न होने के कारण समस्या होती है।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी बिजली की समस्या और भी गंभीर होगी। रविवार की रात जब ढाई बजे बिजली आई तब लोगों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही हिमगिरी कालोनी में भी बिजली कटौती के कारण लोग परेशान रहे। गर्मी में वैसे भी आदमी मुश्किल से सो पाता है। उस पर क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप और भी समस्या पैदा करता है। बिजली रहते हुए मच्छर लोगों का जीना हराम किए रहते हैं। बिजली न होने पर तो और भी संकट बढ़ जाता है। मच्छरों के इस प्रकार हमले से लोगों को भय बना रहता है कि कहीं मलेरिया या फिर डेंगू आदि की समस्या न हो जाए। फिर भी लोगों का कहना है कि बिजली अगर ऐसे ही गायब होती रही तो लोगों को भारी संकटों का सामना करना पड़ेगा। कांठ रोड हाइवे होने के कारण यहां पर जब अंधेरा होता है तो भारी संकट होता है। भारी वाहन फर्राटा भरते हुए निकलते हैं तो छोटे वाहनों के लिए भारी दिक्कत होती है। बिजली न होने के कारण कांठ रोड काफी खतरनाक साबित होती है।

सड़क पार करना भी कठिन होता है। एक तरफ व्यक्ति गड्ढों को देखते हुए सड़क पार करता है, दूसरे वाहनों का रेला देखते ही बनता है। हैवी वाहन भारी गति से निकलते हैं। इन स्थितियों को देखते हुए स्ट्रीट लाइटों का जलते रहना बहुत ही आवश्यक है। साथ ही लोगों का यह भी कहना है कि बिजली विभाग बिजली के उपकरणों का ठीक ढंग से रखरखाव करे तो समस्या काफी कम होगी।

स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यों के चलते 21 मोहल्लों में 2 से 6 घंटे आपूर्ति रहेगी बाधित

मुरादाबाद, अमृत विचार : स्मार्ट सिटी को लेकर कार्यदायी संस्था ने बिजली विभाग को महानगर के 21 मोहल्ले व कॉलोनियों के रहने वाले दस हजार से अधिक उपभोक्ताओं को मंगलवार की सुबह 8:00 बजे से बिजली कटौती की मार झेलनी पड़ेगी। कुछ मोहल्लों सुबह 8 से 10 बजे तक तो कहीं दोपहर 2:00 बजे से शाम छह बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित। अधीक्षण अभियंता मनीष चोपड़ा ने बताया कि महानगर में स्मार्ट सिटी के कार्य के लिए दौलत बाग 11 केवी फीडर से जुड़े तीन मोहल्लों के दो हजार उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति मंगलवार को 4 घंटे के लिए बाधित रहेगी। जिसमें 33/11 उपकेंद्र दौलत बाग के फीडर देवराज कंपाउंड के क्षेत्र झब्बू का नाला, देवराज कंपाउंड एवं बारादरी के उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति सुबह 06 से 10 बजे तक गुल रहेगी। बुध बाजार में भूमिगत केबल चालू किया जाना है। जिसके लिए सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान कटरा नाज, बुध बाजार चौराहा, मानपुर, सागर सराय, मेडिकल मार्केट, कुटिया वाली गली में रहने वाले साढ़े तीन हजार उपभोक्ताओं को ढाई घंटे बिजली कटौती की मार झेलनी पड़ेगी। वहीं रामगंगा विहार में अवंतिका कॉलोनी और तिकोनिया पार्क में सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक, परंपरा कॉलोनी व शुभम विलास में शाम 4:00 से 6:00 बजे तक। पीटीसी उपकेंद्र से जुड़े सेंट पॉल स्कूल, डीएम नर्सिंग होम, जीवन ज्योति अस्पताल, राजेंद्र नगर, चक्कर की मिलक, ट्यूबवेल कॉलोनी, देव विहार, नवीन नगर, मधुवनी कॉलोनी सिविल लाइन क्षेत्र के रहने 8 हजार उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति दो शिफ्टों में सुबह 8:00 से 12:00 दोपहर 2:00 से 4:00 बजे तक बाधित रहेगी।

शहर में आज

- कोर्ट रोड स्थित बालाजी मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन दोपहर 12 :00 बजे
- हनुमान जन्मोत्सव पर लाइनपार स्थित माता मंदिर पर भंडारा दोपहर 1 :00 बजे

एक नजर

पूर्व सांसद के घर शोक संवेदना व्यक्त करने आज आएंगे मुख्यमंत्री

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के अंतिम संस्कार

के दूसरे दिन भी घर पर उनके परिजनों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंगलवार को आने के कार्यक्रम को देखते हुए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूर्व सांसद सर्वेश सिंह का शनिवार की शाम दिल्ली में निधन हो गया था। रविवार को उनके पैतृक गांव रतुपुरा में अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत अनेक मंत्री और विधायक पहुंचे थे। मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम भी जारी हो गया। मुख्यमंत्री मंगलवार को 1:30 बजे हेलीकॉप्टर से रतुपुरा पहुंचेंगे। इसके लिए सुखदेई स्मारक डिग्री कॉलेज परिसर में हेलीपैड बनाया गया है। जहां से मुख्यमंत्री कार से पूर्व सांसद के घर जाएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव पहुंचकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का जायजा लिया।

उधारी के पैसे मांगने पर दुकानदार को पीटा, रिपोर्ट

मुरादाबाद, अमृत विचार : सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हिमगिरी कालोनी में उधारी के पैसे मांगने पर दुकानदार के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के हिमगिरी कालोनी निवासी अरमान ने पुलिस को दी गई तहसील में बताया कि उसने मोहल्ले के ही अबूजर को 2000 रुपये का सामान उधार दिया था। अरमान का आरोप है कि उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी अबूजर ने उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने उस पर धार-धार हथियार से वार भी कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी अबूजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाभी पर लगाया सामूहिक दुष्कर्म कराने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पुलिस द्वारा सुनवाई न करने पर एसएसपी से की शिकायत

अमृत विचार : जिले के छजलैट थाना क्षेत्र की एक युवती ने अपनी भाभी पर घर बुलाकर सामूहिक दुष्कर्म कराने का आरोप लगाया है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि पुलिस ने उसकी सुनवाई नहीं की। जिसके बाद उसने एसएसपी से शिकायत की है।

थाना छजलैट क्षेत्र के एक गांव की रहने वाले युवती ने एसएसपी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव में उसका भाई और भाभी अलग मकान में रहते हैं। भाई मजदूरी करने के लिए शहर से बाहर रहता है। युवती का आरोप है कि बीती 21 अप्रैल की शाम भाभी ने उसे फोन किया और अपने घर बुलाकर कहा कि उनके दो रिश्तेदार आए हैं। इसलिए तुम उन्हें चाय बनाकर दे दो। भाभी के कहने पर युवती चाय बनाकर कमरे में पहुंची तो भाभी ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। युवती का आरोप है कि दरवाजा बंद होते ही कमरे में मौजूद पंकज निवासी नेकपुर की मढैया थाना भोजपुर और नवनीत निवासी खानपुर थाना चांदपुर जिला बिजनौर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच युवती के शरीर पर काफी चोटें भी आई हैं। जिसके बाद पीड़िता ने आरोपी भाभी व दोनों आरोपियों के खिलाफ छजलैट थाने में तहरीर दी। लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद पीड़िता सोमवार को एसएसपी कार्यालय पहुंची और तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़िता की शिकायत पर एसएसपी हेमराज मीना ने छजलैट थाना पुलिस को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

उप जिलाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों को खरीद में सहयोग करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

गेहूं का अवैध भंडारण हर हाल में रोकें, खरीद में लाएं तेजी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गेहूं क्रय केन्द्रों पर अपेक्षाकृत कम खरीद होने एवं जनपद में कुछ व्यापारियों/आढ़तियों व अन्य के द्वारा गेहूं के अवैध संचरण व भण्डारण को लेकर समीक्षा बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने गेहूं का अवैध भंडारण व संचरण हर हाल में रोकने और खरीद में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी व खरीद एजेंसियों के प्रबंधन खरीद बढ़ाने और अवैध खरीद करने और भंडारण कर बाहर भेजने वालों पर कार्रवाई करने के लिए कहा।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी राजेश्वर प्रताप सिंह ने बताया कि जिले को गेहूं खरीद के लिए 101300 मीट्रिक टन का लक्ष्य मिला है। 1 मार्च से गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है। लेकिन, अभी सिर्फ 465 किसानों से 2864.5 मीट्रिक टन खरीद हुई है जो लक्ष्य का मात्र 2.89 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कुछ व्यापारी/आढ़तियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों से कम दर पर गेहूं खरीद कर अवैध भण्डारण व अवैध संचरण भी कर रहें है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/ जिला खरीद अधिकारी ने क्रय केन्द्रों पर लक्ष्य के अनुरूप कम खरीद पर क्रय एजेन्सियों को निर्देश दिया कि केन्द्र प्रभारी सक्रिय रूप से खरीद में रूचि लें। किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने खरीद संस्थाओं, मण्डी समिति, भारतीय खाद्य निगम व अन्य को निर्देश दिया कि गेहूं क्रय केन्द्रों पर प्रतिदिन कम से कम 300 क्विंटल खरीद कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां गेहूं के भाव अपेक्षाकृत कम है वहां पर ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों से संपर्क कर गेहूं बिक्री के लिए इच्छुक किसानों से नियमानुसार मोबाइल क्रय केन्द्र के माध्यम से केन्द्र प्रभारियों द्वारा गेहूं खरीद किया जाएगा। उन्होंने उपजिलाधिकारियों को सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल को क्रय केन्द्र की सक्रियता की स्थिति एवं किसानों से संपर्क कर केन्द्र पर अधिकाधिक गेहूं खरीद कराने के लिए निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने जिले व राज्य की सीमा से बाहर गेहूं का अवैध संचरण करने पर नाराजगी जताई। पुलिस क्षेत्राधिकारी कटघर को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी कीमत पर जिले से बाहर गेहूं का अवैध संचरण न होने पाए। पुलिस विभाग द्वारा सम्बन्धित क्षेत्रीय विपणन अधिकारी/विपणन निरीक्षकों/केन्द्र प्रभारियों को गेहूं के अवैध भण्डारण व अवैध संचरण को रोकने में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया। किसी भी अधिकारी/कर्मचारी, आढ़ती व्यापारी व अन्य की अनियमितता मिलने पर कड़ी कारवाई की चेतावनी जिलाधिकारी ने दी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन/ जिला खरीद अधिकारी गुलाब चंद, सभी उपजिलाधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, क्रय संस्थाओं के जिला प्रबन्धक व जिला प्रभारी और क्षेत्रवार खाद्यान्न के थोक व्यापारी/आढ़ती उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह, साथ में अपर जिलाधिकारी गुलाब चंद व जिला खाद्य विपणन अधिकारी राजेश्वर प्रताप सिंह।

जिला अस्पताल में खाली पड़े चिकित्सकों के पद

वेंटीलेटर होने के बाद भी मरीजों को नहीं मिलता इलाज, ट्रामा सेंटर में नहीं हो पाई न्यूरोसर्जन की तैनाती

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिला अस्पताल में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन चिकित्सकों की कमी दूर नहीं हो रही है। इसके अलावा जिला अस्पताल में विभिन्न योजनाओं के तहत उपकरण भी बढ़ाए जा रहे हैं। अगर बात करे चिकित्सकों की तो जिला अस्पताल में 22 विशेषज्ञों समेत 35 चिकित्सकों पद खाली पड़े हैं। जिसके चलते मरीजों को सही इलाज नहीं मिल पाता है।

जिला अस्पताल में जनपद के साथ-साथ आसपास के जिलों से भी मरीज इलाज करने के लिए आते हैं। बात अगर पिछले तीन सालों की करें तो हर साल मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उसके बाद भी कई ऐसी गंभीर बीमारियां हैं, जिनके इलाज के लिए जिला अस्पताल में चिकित्सक नहीं है। जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, न्यूरोसर्जन समेत 22 विशेषज्ञों समेत 35 पद खाली पड़े हैं। जिला अस्पताल में वेंटीलेटर तो है, लेकिन इलाज नहीं है। वहीं एमआरआई भवन एक साल पहले बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन उसमें अब तक मशीन स्थापित नहीं हो पाई है। ट्रामा सेंटर में अब तक न्यूरोसर्जन की तैनाती नहीं हो पाई है। जबकि जिला अस्पताल की ओपीडी व इमरजेंसी में हर साल एक लाख मरीज बढ़ रहे हैं। निजी विश्वविद्यालयों से एमडी, एमएस कोर्स कर रहे प्रशिक्षु चिकित्सकों के भरोसे ओपीडी चल रही है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में पर्चा बनवाने के लिए लगी लाइन। ● अमृत विचार

इमरजेंसी वार्ड में रखा वेंटीलेटर।

इन विभागों में नहीं हैं विशेषज्ञ चिकित्सक

मुरादाबाद, अमृत विचार : अस्पताल में जनरल फिजिशियन का एक, चेस्ट फिजिशियन का एक, बाल रोग विशेषज्ञ का एक, रेडियोलॉजिस्ट के एक, हृदय रोग विशेषज्ञ के दो, न्यूरो सर्जन का एक, दंत रोग विशेषज्ञ का एक, एनेस्थेटिक का एक, मानसिक रोग विशेषज्ञ का एक, जनरल सर्जन का एक, ऑर्थो सर्जन का एक, ईएनटी सर्जन का एक, न्यूरोलॉजिस्ट का एक, नेफ्रोलॉजिस्ट का एक, न्यूरो फिजिशियन का एक पद खाली है।

जिला अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हम पूरी तैयारी कर रहे हैं। एक साल में कई बेड बढ़ाए गए हैं और बाल रोग व मनोरोग विभाग में एक-एक चिकित्सक की तैनाती की है। डाइटिशियन, ब्लड बैंक प्रभारी को नियुक्त किया गया। एमआरआई मशीन भी जल्द स्थापित की जाएगी। ट्रामा सेंटर में चिकित्सक की तैनाती के लिए पत्र लिखा गया है। **-डॉ. संगीता गुप्ता, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक**

सरकारी अस्पतालों में स्थापित हुए हीट वेव वार्ड

मुरादाबाद, अमृत विचार : बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिले के सरकारी अस्पतालों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिला अस्पताल के साथ ही सभी सीएचसी और पीएचसी पर हीट वेव वार्ड स्थापित किए गए हैं। नोडल अधिकारी डॉ. हरीश चंद्रा ने बताया कि हीट वेव वार्ड के लिए कोल्ड रूम तैयार किए गए हैं, जिसमें एसी व कूलर से वातावरण को ठंडा रखा जाएगा। वार्ड में ऐसी सभी दवाओं का इंतजाम रहेगा जो लू लगने यानि हीट स्ट्रोक से पीड़ित मरीज के इलाज में मददगार होंगी। डिस्ट्रिक्ट एपिडेमियोलॉजिस्ट अजीजुर्रहीम ने बताया कि जलवायु परिवर्तन की परिस्थितियों के मद्देनजर विकट लू चलने का अंदेशा बढ़ गया है। जिससे काफी बड़ी संख्या में लोग हीट स्ट्रोक की चपेट में आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पीड़ित मरीजों को जरूरी चिकित्सा मुहैया कराने की व्यवस्था अत्यंत प्राथमिकता से की जा रही है।

कई इलाकों में आज से हीट वेव की चेतावनी, बरतें सावधानी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पिछले एक सप्ताह से दोपहर के समय चिलचिलाती धूप के साथ तपिश के कारण तेज हवा के हीट वेव में तब्दील होने की आहट हुई है। जिसके बाद मौसम विभाग ने जनपद समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मंगलवार से हीट वेव चलने का आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने जनपद व आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कहीं-कहीं धूल भरी आंधी के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना जाहिर की थी। सोमवार को सुबह के समय आसमान पर बादल छाए रहे, लेकिन जैसे-जैसे दोपहर हुई तो आसमान पूरी तरह साफ होते ही धूप के तेवर तीखे होने लगे। मध्यान्ह के बाद हवा झुलसाती महसूस हुई। दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 24 घंटे बाद मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी के कई क्षेत्रों में हीट वेव चलने की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने हीट वेव का यलो अलर्ट जारी करते हुए संभावना जताई है कि बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक या इसके पास तक पहुंच सकता है। अधिकतम तापमान के 39 डिग्री सेल्सियस के पार होते ही हीट वेव के हालात बन जाते हैं। अगले 24 घंटे बाद रात के न्यूनतम तापमान में भी एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले 24 घंटों में रात का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

धूप से बचने के लिए अपने चेहरे को कपड़े से ढक कर जाती स्कूटी सवार।

रेलवे जीएम ने स्टेशनों की जांची व्यवस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सोमवार को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभुन चौधरी ने मंडल में विभिन्न स्टेशनों का जायजा लिया। इस दौरान महाप्रबंधक ने अमृत भारत में चिह्नित हापुड़ और बुलंदशहर स्टेशनों में चल रहे निर्माण कार्यों को बारीकी से परखा।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभुन चौधरी ने पहली बार मेरठ, खुर्जा का दौरा किया। महाप्रबंधक ने मेरठ से खरखौदा, हापुड़, गुलावठी, बुलन्दशहर-खुर्जा सिटी रेल खंड का निरीक्षण किया। बड़ौदा से आए मुख्यालयों के अधिकारियों के अलावा मुरादाबाद से डीआरएम राज कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता समेत मंडल के तमाम अधिकारी रहे। महाप्रबंधक ने हापुड़ और बुलंदशहर स्टेशनों पर चल रहे अमृत भारत योजना के तहत कार्यों को परखा। स्टेशन के निर्माण को लेकर डिप्टी सीई गति शक्ति सपना मीना ने नए विकसित हापुड़ स्टेशन की ड्राइंग के जरिए जानकारी दी। बुलंदशहर में भी योजना के तहत होने वाले पुनर्निर्माण कार्य, स्टेशन भवन आदि का भी जायजा लिया। इसके अलावा गुलावठी स्टेशन के पास विभाग के ट्रैक्शन सब स्टेशन 132/25 केवी को देखा। खरखौदा और हापुड़ के बीच अंडरपास संख्या-43 का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने मुरादाबाद रेल मंडल के अधिकारियों के साथ समीक्षा भी की।

स्टेशनों का निरीक्षण करते उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभुन चौधरी। ● अमृत विचार

सीए हत्याकांड की सुनवाई 3 मई को

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं के निधन के चलते महानगर के चर्चित सीए हत्याकांड और विहिप नेता पर जानलेवा हमले में सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। जिसके बाद अदालत में सुनवाई के लिए तीन मई की तिथि निर्धारित की है।

सीए श्वेताभ तिवारी की 15 फरवरी 2023 की रात को हत्यारों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। । पत्नी शालिनी तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, पाकबड़ा का केशव सरन शर्मा, भोजपुर खुशवंत सिंह उर्फ भीम और रेती स्ट्रीट निवासी विकास शर्मा को पकड़ा। पुलिस ने दावा किया कि ललित कौशिक ने केशव, खुशवंत को सीए की हत्या के लिए 10 लाख की सुपारी दी। साजिश में विकास शर्मा आरोपी है। दूसरा केस विहित नेता संतोष पंडित पर हमले का है। पीड़ित के बयानों पर ललित कौशिक का नाम केस में शामिल किया था। दोनों मामलों की सुनवाई एडीजे-14 की अदालत में चल रही है। एडीजीसी प्रदीप कुमार ने बताया कि सोमवार को केसों में सुनवाई होनी थी। लेकिन, दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं के निधन पर बार में शोकसभा के चलते न्यायिक कार्य स्थगित कर दिया गया।

सीमेंट कारोबारी की हत्या में चार को उम्रकैद की सजा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पांच साल पहले मैनाठेर थाना क्षेत्र में हुई थी हत्या

अमृत विचार : जनपद के मैनाठेर में सीमेंट कारोबारी की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने चार लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। चारों को पिछली तारीख पर दोषी ठहराया गया था। एडीजे-तीन सरोज कुमार यादव ने सोमवार को दोषियों को सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर दो-दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट में सुनवाई के बाद सभी को हत्या और साजिश में कसूरवार ठहराया। कोर्ट ने जुर्माना राशि में से 50 प्रतिशत रकम पीड़ित पक्ष को देने के आदेश दिए हैं।

थाना मैनाठेर क्षेत्र में सीमेंट कारोबारी और ट्रांसपोर्टर की हत्या का मामला पांच साल पुराना है। अपर डीजीसी मुनीश भटनागर ने बताया कि गांव मेहमूदपुर माफी के जुबैर ने थाने में 30 दिसंबर 2018 को मुकदमा कायम कराया था। तहरीर में कहा गया कि उसके चाचा अतीक अहमद घटना से एक दिन पहले बाइक लेकर गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में अतीक अहमद की लाश गांव में एक खेत में मिली। उसका शव चाकुओं से गोदा गया था। पुलिस को पता चला कि अतीक और मोहम्मद वाहिद अच्छे दोस्त थे।

वाहिद ने अतीक से दस लाख रुपये लिए थे। इस बीच वाहिद को पत्नी और अतीक के बीच अवैध संबंधों को लेकर शक हुआ। बाद में वाहिद ने अमरोहा के कुरैशियान के शाकिब, अनस और सैदनगली के इस्माइल के साथ मिलकर अतीक को मारने की योजना बनाई। पुलिस कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों को पकड़ सकी। अपर डीजीसी के अनुसार पुलिस ने दो जनवरी, 2019 को सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। एडीजे कोर्ट में दोनों पक्षों को सुनने के बाद दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए उन पर दो-दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया। जिसमें 50 प्रतिशत रकम पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

एक नजर

कटघर थाने के बाहर के प्रदर्शन करते करणी सेना के पदाधिकारी व कार्यक्रर्ता।

सपा प्रत्याशी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को प्रदर्शन

मुरादाबाद, अमृत विचार : करणी सेना के पदाधिकारियों ने कटघर थाने के बाहर प्रदर्शन कर पुलिस अधिकारी के साथ अभद्रता करने के आरोप में सपा प्रत्याशी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को शिकायत पत्र दिया है। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योंगेंद्र सिंह राणा एडवोकेट के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कटघर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस को दिए गए शिकायत पत्र में प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा ने बताया कि पिछले काफी दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मुरादाबाद लोकसभा से सपा प्रत्याशी रुचि वीरा एक ट्रैफिक पुलिस अधिकारी से अभद्रता कर रही है। इस मौके पर अमित ठाकुर, विजय चौहान, प्रिंस ठाकुर, रजत शर्मा, शैलेंद्र यादव, हरविंदर सिंह चौहान, रोजी भाई, विशाल प्रजापति, राजवीर सिंह, रोहन, विशाल राजपूत, अभिषेक मौजूद रहे।

पं. बंगाल जा रहा सौ ट्रक आलू, दामों में उछाल

मुरादाबाद के अलावा चंदौसी-संभल, रामपुर, बिजनौर और अमरोहा के खेतों से रोजाना भरे जा रहे ट्रक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद मंडल से पं. बंगाल में आलू की मांग पूरी करने के लिए प्रतिदिन सौ ट्रक आलू रोज भेजा जा रहा है। नतीजा यह है कि मुरादाबाद और आसपास के जिलों में आलू के दामों में भारी उछाल आया है। वैसे सीजन होने की वजह से इन दिनों में आलू हमेशा पचास रुपये का पांच किलो (धड़ी) बिकता था। लेकिन इस बार महंगा होने की वजह से लोग आलू के पापड़, चिप्स बनाने के लिए भी नहीं खरीद रहे पा रहे हैं। कारोबारी संभल-चंदौसी, अमरोहा, बिजनौर और रामपुर से प्रतिदिन सौ ट्रक आलू भरकर पश्चिम बंगाल के साथ मुंबई को भी सप्लाई कर रहे हैं।

व्यापारियों के मुताबिक पं.बंगाल में आलू की फसल की बुआई के बाद भीषण बाढ़ आ गई थी। जिससे वहां आलू की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई थी। अब मंडल से भारी तादाद में पं. बंगाल को आलू सप्लाई किया जा रहा है। थोक विक्रेता अकबर तुर्की के अनुसार प्रतिदिन सौ ट्रक आलू बंगाल भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में भी आलू की खपत कम नहीं हुई है। ऐसे में ठेला पटरी पर आलू बेचने वाले और मोहल्लों में छोटी छोटी मंडियों में आलू विक्रेता 25 से 30 रुपये प्रति किलो तक आलू बेच रहे हैं। जिससे आम आदमी की रसोई से आलू गायब होता जा रहा है। मंडल के 92 कोल्ड स्टोरेज में भंडारण की क्षमता छह लाख 18 हजार 275.99 मीट्रिक टन है। जबकि इस वक्त सभी कोल्ड स्टोर में 87 प्रतिशत आलू का भंडारण हो चुका है। उद्यान विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष 10 प्रतिशत आलू का भंडारण काम हुआ है। मुरादाबाद में संभल, चंदौसी में आलू की अधिक पैदावार है। इसमें सबसे अधिक संभल में आलू पैदा होता है। मंडल में 21.500 हेक्टेयर भूमि में आलू की पैदावार की जाती है। इस वर्ष सात लाख 53 हजार मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ है।

मंडी समिति में आलू की छंटाई करता युवक। ● अमृत विचार

> पिछले वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष मुरादाबाद के संभल, चंदौसी, अमरोहा में आलू की अधिक पैदावार हुई है। सबसे अधिक आलू संभल में होता है। मंडल में 21.500 हेक्टेयर भूमि में आलू की पैदावार होती है। इस वर्ष सात लाख 53 हजार मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ है। फिर भी 10 प्रतिशत भंडारण कम हुआ है। आलू के दूसरे राज्यों में मांग के अनुरूप जाने से ऐसा हुआ है।
>
> –विजय चंद, उपनिदेशक उद्यान विभाग, मुरादाबाद मंडल

मंडल के कोल्ड स्टोरेज में आलू भंडारण क्षमता

- मुरादाबाद दो कोल्ड स्टोरेज, क्षमता आठ लाख 143 . 46 मीट्रिक टन
- अमरोहा 22 कोल्ड स्टोरेज, क्षमता एक लाख नौ हजार 351 मीट्रिक टन
- संभल 59 कोल्ड स्टोरेज, क्षमता चार लाख 42 हजार 894 मीट्रिक टन
- बिजनौर 10 कोल्ड स्टोरेज, क्षमता 42133 .72 मीट्रिक टन
- रामपुर चार कोल्ड स्टोरेज, क्षमता 21 हजार 153 .06 मीट्रिक टन

> आलू की डिमांड अब पश्चिम बंगाल से दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। इसके कारण बड़े-बड़े व्यापारी भी किसान के खेत या कोल्ड स्टोर में रखे आलू को सीधा वहीं खरीद रह हैं। मंडी तक आलू पहले तादाद नहीं आ पा रहा है। जिसकी वजह से आलू के दाम कम नहीं होनी उम्मीद नहीं लगाती।
>
> –मोहित शर्मा, शर्मा एंड कंपनी

> मौसम में नमी होने के कारण आलू की खपत गर्मी में पहले की तरह अभी कम नहीं हुई है। यदि बारिश हो गई तो आलू के दाम में अभी और उछाल आएगा। उधर पंजाब और हल्द्वानी से आने वाला आलू अब यहां नहीं आकर बाहर जा रहा है।
>
> –अकबर तुर्की
> तुर्की थोक आलू विक्रेता एंड कंपनी

बाबूराम को पद्मश्री अवार्ड मिलने से खुशी का माहौल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पीतल नगरी के दस्तकारों की बेहतरीन नक्काशी की बदौलत पूरी दुनिया में मुरादाबाद का अलग रुतबा है। यहां के दस्तकार पीतल और अन्य धातु पर बेहतरीन नक्काशी उकेर कर उसे तराशते और संवारते हैं। जिसके बाद वह तैयार होकर विदेशों में निर्यात किए जाते हैं।

इसी नक्काशी की बदौलत मुरादाबाद के शिल्प गुरु दिलशाद हुसैन को भारत सरकार ने साल 2023 में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया था। जिसके बाद एक बार फिर मुरादाबाद के रहने वाले बाबूराम यादव को पद्मश्री अवार्ड मिला है। महानगर के नागफनी इलाके की तंग गलियों में रहने वाले 74 वर्षीय बाबूराम यादव को ये एहसास भी न था कि उनका चयन पद्मश्री के लिए हो जाएगा। बाबूराम यादव साल 1962 से पीतल के बर्तनों पर बेहतरीन नक्काशी कर उसे तराशते रहे हैं। पद्मश्री अवार्ड के लिए उनका चयन मरोड़ी आर्ट की वजह से हुआ है। बाबूराम यादव के परिवार में तीन बेटे हैं, जिनकी शादियां हो चुकी हैं। परिवार में उनकी 70 वर्षीय पत्नी मुन्नी यादव, बड़ा बेटा अशोक यादव, चंद्र प्रकाश यादव और हरिओम यादव हैं। जबकि दो पौत्र हिमाशु और गौरव यादव, तीन पौत्री प्रिया, हिमानी और सुनाक्षी हैं। बाबूराम यादव के पद्मश्री अवार्ड मिलने पर उनके घर में खुशी का माहौल है, साथ ही लोगों की बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। परिवार में सब लोग बेहद खुश हैं और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर बधाई दे रहे हैं।

शिल्पगुरु को सोमवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किया। अवार्ड मिलने के बाद उनके घर बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। बाबूराम यादव बताते हैं कि साल 1962 से उन्होंने पीतल पर नक्काशी का काम शुरू कर दिया था। पीतल और अन्य धातु पर पीतल पर नक्काशी का काम अपने गुरु अमर सिंह से सीखा था।

शिल्पगुरु बाबूराम यादव को पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित करतीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू।

● पद्मश्री अवार्ड मिलने पर परिजनों ने बांटी मिठाइयां

स्टेट और नेशनल अवार्ड से हो चुके हैं सम्मानित

मुरादाबाद, अमृत विचार : बाबूराम यादव बताते हैं कि सबसे पहले साल 1985 में उन्हें स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। जबकि साल 1992 में नेशनल अवार्ड से सम्मानित होने के 22 साल बाद साल 2014 में शिल्पगुरु अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सर सैयद पब्लिक स्कूल में पोस्टर के माध्यम से जागरूकता संदेश देते बच्चे।

बच्चों ने बताया पृथ्वी दिवस का महत्व

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : महानगर के करूला में सर सैयद एसोसिएशन सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित सर सैयद पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस मनाया गया। जिसमें स्कूल के बच्चों द्वारा पोस्टर बनाकर विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया और लोगों को जागरूक किया गया।

बच्चों ने पोस्टर के माध्यम से बताया कि पृथ्वी नहीं तो हम भी नहीं। हम सभी को पृथ्वी को बचाने के लिए एक पौधा जरूर लगाना है। पशु पक्षियों को बचाना है, जल संरक्षण करना है। इसके अलावा स्कूल की तरफ से सभी बच्चों को एक-एक पौधा दिया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष मोहम्मद आबिद ने कहा कि हमारे स्कूल में समय-समय पर इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम होते रहते है। इस मौके पर प्रबंधक एडवोकेट सलमा बी, शिक्षक मोहम्मद शोएब, महक खान, अलशिफा परवीन, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद अमन मौजूद रहे।

श्रीराम बालाजी धाम नीब करोरी आश्रम में आरती करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्रीरामचरितमानस पाठ से पहले किया देवी-देवताओं का आह्वान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री राम बालाजी धाम बाबा नीब करोरी आश्रम ट्रस्ट की ओर से ग्राम उमरी सब्जीपुर में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन होने जा रहा है।

पाठ के आरंभ से पहले सोमवार को सभी देवी-देवताओं का पूजन कर आह्वान किया गया। प्रभु श्रीराम हनुमान जी बाबा नीब करोली से प्रार्थना की। कार्यक्रम को सफल करने की प्रार्थना की। पंडित राजकुमार गोस्वामी और उनके सहयोगियों के द्वारा पाठ का आरंभ किया गया। इस दौरान अनिल कुमार शर्मा, राकेश कुमार गुप्ता, डॉ. संदीप राज, देवेंद्र सिंह बिष्ट, विनीत गुप्ता, गौरव अग्रवाल, जय देव यादव, विकास गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, अश्विनी गुप्ता, पंडित पुष्पराज आदि मौजूद रहे।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह का निधन

मुरादाबाद, अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट गोपाल सिंह यादव का लंबी बीमारी के चलते दिल्ली के एक अस्पताल में सोमवार की सुबह निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर सुनते ही कटघर स्थित उनके निवास पर उनके परिचितों का तांता लग गया।

गोपाल सिंह एडवोकेट लंबे समय से दिल्ली के एक अस्पताल में अपना इलाज करा रहे थे। जहां उन्होंने सोमवार की सुबह अंतिम सांस ली। गठबंधन प्रत्याशी रुचि वीरा भी शोक संतप्त परिवार को ढांढस देने पहुंची। बाद में गुलाबबाड़ी स्थित मोक्षधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र आशुतोष यादव द्वारा दी गई। सपा जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, इकबाल अंसारी, शुएब अंसारी, सलाउद्दीन मंसूरी, शानू, राजेश यादव, विधायक समरपाल सिंह,सुधीर पाठक ने श्रद्धांजलि दी।

टोटियां बदल कर रोकी पानी की बर्बादी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : विश्व पृथ्वी दिवस पर 'आओ हाथ बढ़ाएं-एक पहल मदद की' चैरिटेबल ट्रस्ट ने अनूठी पहल की। महानगर में पानी की बर्बादी रोकने के लिए टीम ने जल संरक्षण सप्ताह मनाया। बुद्धि विहार समेत अलग-अलग इलाकों में 57 सरकारी नलों की खराब टोटियां बदलीं। इस सप्ताह का समापन भी सोमवार को जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक के साथ हुआ।

बुद्धि विहार में भाटिया तिराहा से जागरूकता रैली निकली और आकांक्षा नर्सिंग होम, आर्यंस इंटरनेशनल स्कूल होते हुए चौधरी चरण सिंह व वापस भाटिया चौराहे तक पहुंची। इस दौरान ट्रस्ट की अध्यक्ष गीतांजली पांडेय, तरुण गुप्ता, प्रबल पंत, रचित गुप्ता, सुमित सैनी, आशीष चौधरी, राघव रस्तोगी, शैलेंद्र गौड़, मनमीत आदि मौजूद रहे।

प्रकृति को बचाने का संदेश देते आओ हाथ बढ़ाएं संस्था के पदाधिकारी व बच्चे।

मानव और पर्यावरण दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रकृति सेवा समिति की ओर से सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर मुंशी मुरलीधर स्कूल, हरथला में जागरूकता अभियान चलाया। संस्थापक नेपाल सिंह पाल ने कहा कि मानव और पर्यावरण दोनों एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जलवायु प्रदूषण या वृक्षों का कम होना मानव शरीर और स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। इस दौरान विद्यालय प्रबंधक राजपाल सिंह विश्नोई, संजना, राय, अनीता विश्नोई, अनिता भटनागर, मयंक शर्मा, रेखा शर्मा, अलका मिश्रा, आकांक्षा मिश्रा, भूरी सैनी आदि मौजूद रहे। वहीं संवेदना द किड्स कॉटेज में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर बच्चों को पृथ्वी के महत्व से जागरूक कराया गया।

अनदेखी बिजनौर से चली गागन का बिलारी में रामगंगा से होता है मिलन, नदी में फैले प्रदूषण के जिम्मेदार कागजी कार्रवाई से कर रहे खानापूर्ति

फैक्ट्रियों के जहरीले केमिकल से प्रदूषित हो रही गागन नदी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गागन नदी की धारा कभी अविरल हुआ करती थी। अब वह नाले की शक्ल में दिखाई पड़ती है। उद्गम स्थल बिजनौर के नहटौर से नगीना और नजीबाबाद के बीच से होकर अलीराजपुर के आगे लगभग 100 किलोमीटर से ज्यादा का सफर कर गागन मुरादाबाद पहुंचती है।

गंगा स्नान के दिन लोग बच्चों के मुंडन संस्कार से लेकर यहीं पर सत्य नारायण की कथा कराने का पुण्य भी कमाते हैं। जिला प्रशासन की ओर से बस एक दिन नदी तट पर साफ सफाई की व्यवस्था की जाती है। उसके बाद नदी से सटी फैक्ट्रियों के जहरीले केमिकल छोड़े जाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। वहीं केमिकल छोड़े जाने की बात पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी नोटिस देने तक ही सीमित नजर आ रहे हैं।

नदी के 74 मीटर दाएं और बाएं किसी प्रकार का निर्माण व व्यवसाय नहीं करने के मानक तय है। इसके विपरीत 20 साल से नदी के किनारे गागन पुल से लेकर बिलारी तहसील के सिकंदरपुर गांव तक, दोनों किनारे पर 60 से अधिक रजिस्टर्ड फैक्ट्रियां संचालित हैं। जिनसे निकलने वाला जिंक केमिकल सीधा नदी में छोड़ा जाता है। आईआईटी कानपुर की टीम ने भी 2022 में गागन नदी पर एक सर्वे किया था। वहीं एनजीटी ने भी जांच की थी। उनकी रिपोर्ट में 1500 फैक्ट्रियों का अवैध कब्जा बताया गया था।

गागन नदी में गिरता शहर का गंदा पानी। ● अमृत विचार

कभी गागन का जल भी नीला हुआ करता था

लाकड़ी के रहने वाले 80 वर्षीय दाताराम ने बताया कि कभी गागन का जल नीला हुआ करता था। पहले गागन में मछलियां व जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां पाई जाती थीं। जब से फैक्ट्रियों का जहरीला पानी छोड़ा जा रहा है तब से मछलियां भी बहुत मुश्किल से दिखाई देती हैं। इस नदी के ऐतिहासिक स्वरूप को वापस लौटाने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से हर बात अनसुनी कर दी गई। नदी में फैक्ट्रियों के अलावा ग्रामीण भी दीपावली पर घरों की सफाई कर कूड़ा कचरा डालने लगे हैं। जिससे गागन अब एक नाला बनकर रह गई है। भले ही अब गागन नाला बनकर रह गई है, लेकिन बरसात में इसका जलस्तर काफी बढ़ जाता है। बरसात के दिनों में पहाड़ों पर अधिक बारिश होने से नदी में भयंकर बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह नदी मुरादाबाद में प्रवेश करने के बाद करीब दस किमी की दूरी तय कर बिलारी तहसील के गांव सिकंदरपुर में रामगंगा नदी में जाकर समा जाती है।

> गागन को रोककर अंग्रेजों ने नहर बनाई थी। अंग्रेजी शासनकाल में गागन नदी पर बैराज बनाकर प्रवाह को थामा गया। नहटौर के बैराज से ही एक नहर निकाली गई। जिससे सिंचाई की जाती थी। अब इस नहर में गागन का पानी नहीं आता है। बता दें कि बरसात के अलावा इस नदी में पानी बेहद कम रहता है। गागन नदी से सटी रजिस्टर्ड फैक्ट्रियों को नोटिस दिया गया था। टीम द्वारा फैक्ट्रियों से निकलने वाले पानी का परीक्षण किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।
>
> –आशुतोष चौहान, क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

> काफी समय से फैक्ट्रियों से निकलने वाले जहरीले केमिकल को बंद कराने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन जिला प्रशासन की ढिलाई से फैक्ट्री स्वामी का कुछ नहीं हो पाता। प्रदूषण बोर्ड भी शिकायत पर केवल जांच कराने की बात कहकर मामला ठंडे बस्ते में डाल देता है। स्थानीय लोग भी गागन नदी के प्रति जागरूक नहीं हैं और न ही कूड़ा-कचरा डालना बंद कर रहे हैं।
>
> –प्रिंस, लाकड़ी फाजलपुर

> गागन नदी की सफाई के लिए कई बार गागन पुल पर कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। लेकिन, लोगों ने इसके बाद भी कूड़-कचरा डालना नहीं छोड़ा। नदियों की स्वच्छता को लोगों को जागरूक होने की जरूरत है।
>
> –कपिल सिंह

ओम शान्ति हॉस्पिटल

डॉ. पुलकित अग्रवाल
M.B.B.S., D.L.O., D.N.B. (ENT)
(नाक, कान, गला, थायराइड व कैंसर रोग विशेषज्ञ)
रिसर्च इंस्टीट्यूट से नवीनतम टेक्नोलॉजी की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त दूरबीन विधि द्वारा नाक, कान, गले के सभी ऑपरेशन में माहिर
● कान का बहना, कम सुनाई देना ● चक्कर आना ● सिर में दर्द ● नाक, कान, गले में चुभन या दर्द होना ● नाक बंद होना, सायनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्याधिक छींक आना ● सोते समय खर्राटे आना ● आवाज का बैठ जाना ● मुंह न खुलना ● चेहरे पे दाग या दाने होना, आंखें व चेहरे का भारीपन होना ● खाना निगलने में दिक्कत, मुँह में छाले ● गले में गाँठें
नाक, कान व गले के ऑपरेशन जैसे:-
● कान के पर्दे में छेद ● नाक में टेढ़ी या बढ़ी हुई हड्डी ● गले में टांसिल ● मुँह में कैंसर ● गले में घेंघा या अन्य किसी तरह की गांठ ● लार ग्रंथि में पथरी से आई सूजन ● नाक अथवा जबड़े की टूटी हड्डी ● गले में मांस के कारण बैठी आवाज ● आँख में नासूर का बिना चीरे के ऑपरेशन
दूरबीन द्वारा आधुनिक विधि से कान के पर्दे का चीरा व टाँका रहित ऑपरेशन
मुंह से आंतों तक की दूरबीन विधि की आधुनिक जाँच (ENDOSCOPY CENTRE)
दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा एलर्जी का जड़ से इलाज (Immunotherapy)

डॉ. प्रियांशी अग्रवाल
BDS, FDIP, MIDA
(दन्त रोग विशेषज्ञ व इम्प्लांटोलॉजिस्ट)
उपलब्ध सुविधायें
● दाँतों का डिजिटल X-Ray ● दाँतों की नस का इलाज (RCT) ● अत्याधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई (Ultrasonic Scaling) ● दाँतों के कलर की फिलिंग व चाँदी भरना ● फिक्स दाँत (Bridges) ● बत्तीसी बनाना (Complete Denture) ● बिना दर्द के दाँत निकालना ● लेजर द्वारा दाँत के कलर का मसाला भरना (Composite Filing) ● हड्डी में फिक्स दाँत लगाना (Dental Implant) ● टेढ़े-मेंढ़े दाँतों का इलाज (Orthodontic Treatment) ● बच्चों के दाँतों की सभी बीमारियों का इलाज
विभाग :- ● नाक, कान, गला रोग ● दन्त रोग ● हड्डी व जोड़ रोग ● चर्म रोग ● जनरल फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
ओम शान्ति हॉस्पिटल
निकट बरेली कॉलेज मेन गेट, काली बाड़ी, बरेली
7500692860

एक नजर

अवैध तरीके से गेहूं ले जाती गाड़ी पकड़ी

कुंदरकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अंतर्गत अवैध तरीके से गेहूं लेकर जाती गाड़ी को जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम बिलारी द्वारा गठित टीम द्वारा हाईवे पर पकड़ा गया, जिसे पुलिस के हवाले किया गया। विपुण अधिकारी ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध तरीके से गेहूं भरा हुआ है जिसको कालाबाजारी के लिए लेकर जाया जा रहा है। इस पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए रविवार की रात्रि मुरादाबाद-चंदौसी नेशनल हाईवे स्थित कुंदरकी बाईपास से गेहूं से लदे ट्रक को पकड़ा। जिसे थाना कुंदरकी पुलिस को सौंप दिया गया।

बोर्ड मेकिंग प्रतियोगिता में मदर टेरेसा हाउस प्रथम

बिलारी, अमृत विचार : रॉयल पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर बोर्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने अलग-अलग पोस्टर के बोर्ड बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मदर टेरेसा हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब्दुल कलाम हाउस ने द्वितीय और महात्मा गांधी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्रधानाचार्य मुकेश शास्त्री की ओर से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले मेधावियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कालेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

छात्रों ने मनाया पृथ्वी दिवस

कांठ, अमृत विचार : द मिल्लत स्कूल में सोमवार को बच्चों द्वारा पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस दौरान पृथ्वी पर हो रहे प्रदूषण कर बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने इस उपलक्ष्य में कविताएं व पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य पीयूष भारद्वाज व सभी शिक्षकों ने पर्यावरण को अपनी ओर से संतुलित रखने का संकल्प लिया।

तीन पर एफआईआर

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल को उसकी 22 साल की बहन घर से गायब थी। बाद में पता लगा कि गांव का ही आकाश, दीपक, संजू आदि उसकी बहन को बहला-फुसलाकर कर ले गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

दो गिरफ्तार

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला बाजार निवासी आसिफ को चाकू सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा बिलारी के गांव सतारन निवासी नरेश को 20 लीटर देसी शराब सहित गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया।

न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे अधिवक्ता

मांगों को लेकर मंडलायुक्त को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के नेतृत्व में तहसील में एसडीएम न्यायिक की अदालत में वकीलों द्वारा न्यायिक कार्यों का बेमियादी न्यायिक कार्य स्थगन किया गया और मांगों लेकर कमिश्नर को संबोधित ज्ञापन भेजा गया।

सोमवार को तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आफाक हुसैन के नेतृत्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बेंच खोले जाने की मांग को लेकर वकीलों द्वारा अदालत में न्यायिक कार्य स्थगित करने के प्रस्ताव के बावजूद एसडीएम न्यायिक बिलारी द्वारा अपनी अदालत में बैठकर मुकदमों की सुनवाई करने की वकीलों की बैठक में नाराजगी जताई गई थी। निर्णय लिया गया था कि उनकी अदालत में न्यायिक कार्यों का बेमियादी न्यायिक कार्य स्थगन रखा जाएगा। इस पारित प्रस्ताव से सभी वकीलों ने एसडीएम न्यायिक को उनकी अदालत में जाकर अवगत भी कराया था।

बैठक में पदाधिकारियों ने बताया कि एसडीएम न्यायिक तहसील बिलारी की अदालत में मुकदमों की सुनवाई नियमानुसार नहीं हो रही है। बैठक में निर्णय लिया गया कि वरिष्ठ उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ता होने तक बिलारी के वकीलों द्वारा एसडीएम न्यायिक बिलारी की अदालत में मुकदमों की सुनवाई के लिए पैरवी भी नहीं की जाएगी और न्यायिक कार्य स्थगित रखा जाएगा। इस संबंध में एसडीएम के माध्यम से मंडलायुक्त और जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा जाए। इस दौरान बार सचिव विनय कुमार सिंह सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

एसडीएम बिलारी को ज्ञापन सौंपते तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारी।

तहसील बार एसोसिएशन चुनाव के लिए जमा किए नामांकन पत्र

कांठ, अमृत विचार : तहसील बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के लिए चल रही चुनावी प्रक्रिया के क्रम में सोमवार को नामांकन के पहले दिन कई अधिवक्ताओं ने नामांकन पत्र दाखिल किए। जिसके बाद बार चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई। बार के सभागार में सोमवार को नामांकन के पहले दिन सुबह 11:00 बजे से नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया एल्डर कमेटी (चुनाव समिति) शमशाद अहमद, चौधरी गजेंद्र सिंह महावीर सिंह, विनीत नैन,प्रदीप कुमार, शहजाद रफी, दीपक कुमार बिश्नोई अधिवक्ताओं द्वारा प्रारंभ की गई।

कांठ में नामांकन पत्र जमा करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

शिव मोहिनी मंदिर में स्थापित हनुमान जी की विशाल प्रतिमा। ● अमृत विचार

आज मनाया जाएगा श्रीहनुमान जन्मोत्सव

कांठ, अमृत विचार: लोगों के लिए आस्था और श्रद्धा का प्रतीक श्री शिव मोहनी मंदिर पर मंगलवार को श्रीहनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मौहल्ला घोसीपुरा स्थित शिव मोहिनी मंदिर प्रांगण में 36 वर्ष पूर्व स्थापित श्री हनुमान जी की 16 फीट ऊंची प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाने श्रद्धालु यहां आते हैं। पूर्व विधायक स्वर्गीय रामकृष्ण माहेश्वरी ने मंदिर प्रांगण में 16 फीट ऊंची श्रीहनुमान जी की प्रतिमा स्थापित कराई थी। सनातन धर्म सभा के संयोजक भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में मंगलवार सुबह 7:30 बजे हनुमान जी का जलाभिषेक होगा। पूजा अर्चना के बाद सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा।

यूपी बोर्ड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने पर विद्यालय में हर्ष

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहने पर नगर के रहबर ए आम मुस्लिम इंटर कॉलेज में हर्ष व्यक्त किया गया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगर के रहबर-ए- आम मुस्लिम इंटर कॉलेज का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत रहा। हाई स्कूल में शबनूर ने 84% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम, आफ़ीफ़ा रहमान एवं सारा अंसारी ने 83% अंक प्राप्त कर द्वितीय एवं मोहम्मद जुनैद ने 80% प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटरमीडिएट में मोहम्मद अमन ने किया 86 % प्राप्त कर प्रथम, मोहम्मद अरहम सिद्दीकी ने 75% प्राप्त कर द्वितीय तथा तूबा ने 74% प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सिराजुद्दीन, प्रबंधक डॉ. मोहम्मद आसिफ अंसारी, उप प्रबंधक फसाहत करीम ने विद्यालय के प्रधानाचार्य मौ. इदरीस व विद्यालय स्टाफ को शुभकामनाएं दीं एवं छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कॉलेज में हर्ष प्रकट करते छात्र-छात्राएं व स्टाफ। ● अमृत विचार

पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह को श्रद्धांजलि देते क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी।

क्षत्रिय महासभा ने पूर्व सांसद सर्वेश सिंह को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: नगर के प्राचीन पौणा खेड़ा मंदिर प्रांगण में क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने एकत्र होकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। जिसमें पूर्व सांसद व मुरादाबाद से भाजपा के प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

सोमवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की कार्य समिति के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मंदिर पर इकट्ठा हुए। पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया गया। साथ दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान कौशल ठाकुर, संजय राणा, धर्मेंद्र गांधी, पवन राघव, हरपाल सिंह चौहान, मनीष राघव, अंकित सिंह, मनोज ठाकुर, राजेंद्र सिंह, डॉ. अरुण राघव, पंकज चौहान, महेश बिष्ट, सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पूतना वध का वर्णन सुन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : सुरजननगर पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव शेरपुर पट्टी में बालाजी दरबार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन वृंदावन धाम से आए कथा वाचक कृष्णकान्त महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा पुतना वध का वर्णन किया। जिसे सुन श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

कथा वाचक ने कहा कि राजा कंस पूतना को आदेश देता है कि वह श्री कृष्ण का वध करें। पुतना सुंदरी का भेष बदलकर नंदगांव पहुंचती है और श्री कृष्ण की तलाश में जग जाती है। इस दौरान वह गांव में अन्य छोटे बच्चों का वध कर देती है। बाद में वह बाबा नंद के यहां पहुंच कर श्रीकृष्ण को उठाकर अपने साथ जंगल में ले जाकर स्तनपान कराती है। इस दौरान श्रीकृष्णा स्तनपान के दौरान पूतना का वध कर देते हैं। इस दौरान गिरराज महाराज को 56 भोग लगाया गया। इस अवसर पर कथा महंत महेंद्र शर्मा, गौरव, सौरभ, कलश, पायल , आयुषी, शिवानी आदि मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक करते छात्र, साथ में एसडीएम मणी अरोड़ा। ● अमृत विचार

नुक्कड़ नाटक से छात्रों ने किया जागरूक

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: न्याय पंचायत रुस्तम नगर सहसपुर के परिषदीय विद्यालय में बूथ नंबर 214 पर सहायक अध्यापिका शाहीन परवीन के निर्देशन में नुक्कड़ नाटक एवं लोकगीत द्वारा ग्रामवासियों को मतदान का महत्व समझाया।

सोमवार को परिषदीय स्कूल के बच्चों ने सहायक अध्यापिका शाहीन परवीन के निर्देशन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के लिए नुक्कड़ नाटक एवं लोकगीत द्वारा ग्रामवासियों को मतदान का महत्व बताया। छात्रा पूर्णिमा, आरुषि, निम्मी, मुस्कान, माहिरा आदि ने बताया कि हमें देश के विकास के लिए सही नेता को चुनना चाहिए। वहीं सोनी, सुनैना, सिमरन, नेहा, कृष्णा, संध्या द्वारा लोकगीत पर सुंदर प्रस्तुति दी गई। इस दौरान एसडीएम मणि अरोड़ा, खंड शिक्षा अधिकारी अजहरे आलम, न्याय पंचायत प्रभारी फरहत अली, संकुल शिक्षक संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला फंदे से लटकी, मौत

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने कमरे की छत में लगे पंखे से दुपट्टे से गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मकान स्वामी ने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र ग्राम नहर वाला खाईखेड़ा निवासी राजकुमार अपनी पत्नी निशा 26 वर्ष के साथ नगर के वार्ड1 सुंदरम कालोनी में रहकर वीडियो ग्राफर का काम करता था। राजकुमार शादी में वीडियोग्राफी करने के लिए गया था। तभी निशा ने कमरे में लगे पंखे में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी तब मिली जब दूध देने आई महिला ने दरवाजा खटखटाया। बाद में मकान स्वामी की पत्नी ने देखा कि निशा ने पंखे में झूल रही थी। सूचना पाकर मौके पर लोग एकत्र हो गए। बाद में मकान स्वामी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ मौका मुआयना किया।

किशोरी को भगा कर ले जाने के मामले में तीन पर एफआईआर

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से एक किशोरी को भगा कर ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो युवक और एक युवती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। वहीं चर्चा है कि नाबालिग किशोरी का युवक के साथ निकाह भी पढ़ा दिया गया है।

युवती के पिता ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि 19 अप्रैल शाम 7:30 बजे उसकी पुत्री घर पर अकेली थी। वह अपनी पत्नी के साथ खेत पर गए थे। बताया कि जब वह खेत से वापस आए तो देखा कि उसकी नाबालिग पुत्री घर से गायब थी। जिसकों काफी तलाश किया गया। जानकारी पर पता चला कि उसकी पुत्री को शोएब, आमिर और सीमा द्वारा फोन कर गांव के बाहर बुलाया गया था। वहीं ये लोग उसकी पुत्री को बहला-फुसला कर भगा ले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग को भगा ले जाने पर रिपोर्ट

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में एक युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। तहसील क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 17 अप्रैल की सुबह गांव का ही विशेष उर्फ अजय पुत्र प्रदीप उसकी 17 साल की नातिन को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया।

मारपीट करने पर तीन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार: घर में दखल बिना वजह दखल देने एवं मारपीट करने के मामले में थाना कांठ पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम पेली विश्नोई निवासी नितिन कुमार विश्नोई ने थाना में दी तहरीर में बताया कि उनका पड़ोसी अंकित विश्नोई आवारा किस्म का है। वह पहले भी अपने घर की छत से पीड़ित के घर में तांक झांक कर चुका है। बताया कि 16 अप्रैल रात्रि 10:30 बजे मेरी पत्नी घर में अकेली थी। तभी अंकित अपने छत से मेरे घर की तांक झांकी करने लगा। पत्नी ने विरोध किया लेकिन वह नहीं माना। बाद में शिकायत करने पर अंकित, उसका भाई हर्षित और पिता सुशील ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

योजनाओं में हो किसानों की सहभागिता

संवाददाता, छजलैट

अमृत विचार: जिला गन्ना अधिकारी राम किशन ने दीवान शुगर्स लि. अगवानपुर के ग्राम दयनाथपुर में गन्ना सर्वेक्षण कार्य का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला गन्ना अधिकारी राम किशन ने चीनी मिल के सर्वेयर एवं राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक कु. शशिकला को निर्देश दिए कि प्रतिदिन गन्ना सर्वक्षण से पूर्व ग्राम में विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाए एवं अधिक से अधिक कृषकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। गन्ना सर्वेक्षण पॉलिसी वर्ष 2024-25 के अनुसार केवल पौधा गन्ना का सर्वेक्षण किया जाए एवं पेड़ी गन्ने का मौके पर सत्यापन किया जाए।

गन्ना सर्वेक्षण का आरंभ करते जिला गन्ना अधिकारी। ● अमृत विचार

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अगवानपुर शीराज मलिक ने सर्वेक्षण टीम को निर्देश दिये कि जो कृषक नये सदस्य बनना चाहते हैं उनका सर्वेक्षण भी उनके नाम से अवश्य कर लें।

उन्होंने बताया कि नये सदस्य 30 सितंबर तक बनाये जाएंगे एवं उपज बढ़ोत्तरी की रसीद भी 30 सितम्बर तक गन्ना समिति से कटवायी जा सकती हैं। कृषक नये सदस्य बनने के लिये ऑनलाईन आवेदन करके गन्ना समिति से रसीद कटवा सकते हैं। इस दौरान जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय से विजयपाल सिंह, दीवान शुगर्स लि. अगवानपुर के महाप्रबन्धक (गन्ना) राजपाल सिंह, एनसी पंत, सुरेन्द्र सिंह चौहान, राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक कु. शशिकला उपस्थित रहे।

छात्रा को विधायक ने किया सम्मानित

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: सपा कैंप कार्यालय एमआई हाउस पर विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने यूपी बोर्ड परीक्षा में इंटरमीडिएट की छात्रा खुशबू चन्द्रा को जिला टॉपर की सूची में स्थान पाने पर पुष्प माला, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा विधायक ने छात्रा और उनके परिजनों को मिठाई खिलाकर स्वागत किया। विधायक ने शेर कहा कि बेटियां होती है पुरनूर चिरागों की तरह, रोशन कर देती है जिस घर में चली जाती है। इस अवसर पर प्यारेलाल, छत्रपाल, प्रिंस, मनोज सक्सेना, विक्की सक्सेना, अंजली चन्द्रा, अरूण चन्द्रा, विशाल, आकाश, मनोज चन्द्रा आदि मौजूद रहे।

छात्रा खुशबू चंद्रा को सम्मानित करते विधायक मोहम्मद फहीम इरफान। ● अमृत विचार

दिनभर बिजली गुल रहने से परेशानी

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: नगर में जर्जर बिजली के पंच केबलों को बदलने का कार्य धीमी गति से चल रहा है। जिसके चलते सोमवार को तहसील फीडर कांठ की बिजली आपूर्ति पूरे दिन गुल रही। जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कांठ को बिजली आपूर्ति करने के लिए बिजली उपकेंद्र पर दो फीडर बने हैं। इसमें एक कांठ टाउन तो दूसरा तहसील फीडर के नाम से है। इन दोनों फीडरों की जर्जर बिजली लाइनों को बदलने का कार्य धीमी गति से किया जा रहा है। सोमवार को कांठ नगर में तहसील फीडर के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला पट्टीवाला में लाइनों पर पंच केविल को बदलने का काम किया गया। इसके कारण तहसील फीडर की बिजली आपूर्ति पूरे दिन ठप रही। जिसके चलते उपभोक्ताओं को अच्छी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जर्जर बिजली के तार बदलते कर्मचारी।

उपभोक्ताओं के बिजली से चलने वाले उद्योग धंधे पूरे दिन ठप रहे। बिजली विभाग द्वारा बिना सूचना के आए दिन नगर की बिजली आपूर्ति पूरा-पूरा दिन बंद कर दी जाती है। लोगों को अपने पानी के टैंक भरने तक का भी मौका नहीं मिलता, जिसके चलते उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। रमेश, विनोद, नरेश व विमलेश आदि उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली विभाग को पहले सूचना देनी चाहिए और शेड्यूल जारी करना चाहिए। जिससे उपभोक्ता बिजली आपूर्ति बंद होने से पहले अपना जरूरी कार्य कर सकें। बिजली उपकेंद्र कांठ के अवर अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि जर्जर लाइनों को बदलवाया जा रहा है। जिसके कारण कार्य के समय आपूर्ति को बंद रखा गया है। दो या तीन दिन में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

मुसीबत

- धीमी गति से चल रहा बिजली के केबल बदलने का कार्य
- बिना सूचना के बिजली कटौती से बढ़ी उपभोक्ताओं की समस्याएं

नाबालिग के अश्लील फोटो खींचने वाले पर रिपोर्ट दर्ज

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : घर के अंदर घुसकर नाबालिग छात्रा के अश्लील फोटो लेने का आरोप लगाते हुए एक ग्राम निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। महिला ने बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री रविवार को पुत्री नहाने के लिए गई थी। तभी गांव के ही राजेंद्र पुत्र भीम सेन ने घर में घुसकर बेटी का अश्लील फोटो खींच लिया। महिला ने आरोपी पर कार्रवाई की मांग की है।

नाम संशोधन

मेरी हाईस्कूल वर्ष 2018-19 परीक्षा उत्तीर्ण के सम्बन्ध में मेरे पिता के नाम की स्पेलिंग त्रुटिवश ALEEM AHMAD दर्ज हो गयी है जबकि मेरे पिता का सही नाम ALIM AHMAD है। MOHD. SHAHVEZ S/O ALIM AHMAD ROLL NO. 5412063 CLASS 10th YEAR 2019 RADHA KRISHNA PUBLIC SCHOOL, KAILSA ROAD AMROHA, DISTT. AMROHA.

प्ररूप सी-।

आपराधिक प्रकरणों के सम्बन्ध में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) नं. 536 (में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन और औंर बनाम भारत संघ एवं ए०एन० आर०)

अभ्यर्थी का नाम और पता:	कंवर सिंह तंवर, 32, झनकपुरी, डाकखाना- महेशरा, तहसील धनौरा, जिला अमरोहा
राजनीतिक दल का नाम:	भारतीय जनता पार्टी
(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें)	
निर्वाचन का नाम:	सामान्य निर्वाचन
*निर्वाचन क्षेत्र का नाम:	09-अमरोहा लोकसभा

मैं कंवर सिंह तंवर (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के सम्बन्ध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता/करती हूं:

(A)	लंबित आपराधिक प्रकरण			
क्रम.सं	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	न्यायालय श्रीमान मुख्य मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट नई दिल्ली, पटियाला हाऊस कोर्ट, नई दिल्ली, जिला थाना EOW	एफआई आर नंबर 126/2021 दिनांक 23/08/2021 सीआर केस 90/2022	अंतिम आख्या न्यायालय में प्रस्तुत की जा चुकी जो विचाराधीन हैं। नियत तिथि 30/04/24	406, 420 IPC विश्वासघात एवं धोखाधडी से सम्बंधित अपराध

(B)	दण्डनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण		
क्रम.सं	न्यायालय का नाम एवं आदेश	कार्यालय (यों) और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
1	लागू नही	लागू नही	लागू नही

एक नजर

ताले तोड़कर चोरों ने 60 हजार का सामान चुराया

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीती रात चोरों ने मकान के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण एवं बर्तन चोरी कर लिए। पीड़ित ने बताया कि लगभग 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दे दी है। क्षेत्र के गांव फाजलपुर बाडूपुरा निवासी राजेंद्र अपने परिवार के साथ रहकर हरियाणा में नौकरी करता है। गांव स्थित मकान में ताले लगे हुए थे। चोरों ने रात किसी समय घर के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। जब सुबह को मकान के ताले टूटे देखे तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। उन्होंने राजेंद्र को सूचना दी। सूचना के बाद राजेंद्र गांव पहुंचा। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को चोरी की सूचना दी। उसने बताया कि सोने-चांदी के आभूषणव बर्तन चोरी हुए हैं।

पुलिस ने 1556 वाहनों के किए चालान, जुर्माना

अमरोहा, अमृत विचार : जिले भर में पुलिस ने चेकिंग अभियान में 1556 वाहनों के चालान किए हैं। डेढ़ करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है। 40 वाहनों को सीज किया गया है। यातायात पुलिस क्षेत्रीय अधिकारी अभिषेक यादव ने बताया कि लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद जिले में वाहन चेकिंग अभियान को शुरू कर दिया था। इस अभियान में ट्रैफिक पुलिस ने जिले में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में वाहनों की चेकिंग की और जुर्माना वसूला। 16 मार्च से 20 अप्रैल तक चलाए गए चेकिंग अभियान में पुलिस ने 1556 वाहनों के चालान किए हैं और डेढ़ करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस में 40 वाहनों को सीज किया है। अभी 4 दिन और वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

शांतिपूर्ण मतदान करने की अपील की

गजरौला, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट है। पैदल मार्च निकालकर लोगों से शांति व्यवस्था बनाने की अपील की। इस दौरान ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गई। जिले में 26 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में पुलिस-प्रशासन चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारी में जुटा है। मतदान केंद्रों के निरीक्षण के साथ ही जिले की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सोमवार को एसपी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन ने सीआईएसएफ के जवानों के साथ पैदल मार्च किया।

मुख्यमंत्री योगी आज रहरा में करेंगे जनसभा

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में होगी जनसभा, मतदाताओं को साधने की करेंगे कोशिश

संवाददाता, रहरा/बुरावली

अमृत विचार : रहरा में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां वह भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में चुनाव में मतदान के लिए जोश भरेंगे। भाजपा प्रत्याशी के लिए मतदाताओं को साधने की कोशिश करेंगे। उनके कार्यक्रम को लेकर सोमवार को भाजपा पदाधिकारियों व प्रशासन ने तैयारियां पूरी कीं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। देर शाम जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी व एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने तैयारियां देखीं।

रहरा के प्रकाश वीर शास्त्री इंटर कॉलेज के मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचेंगे। वह यहां चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अमरोहा लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। इसके लिए प्रचार प्रसार चल रहा है। 23 दिनों में मुख्यमंत्री तीसरी बार अमरोहा आ रहे हैं। उनके कार्यक्रम को लेकर पंडाल, मंच, हेलीपैड व मैदान स्थल सब तैयार है। अमरोहा सीट से भाजपा प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में जनसभा होगी। डीएम व एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने जनसभा स्थल पर पहुंचकर सुरक्षा का जायजा लिया। डीएम व एसपी ने हेलीपैड, मंच पंडाल व मैदान का निरीक्षण किया। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने मार्ग पर वाहनों का डायवर्ट भी किया है। जनसभा स्थल के आसपास पुलिस की ड्यूटी लगा दी गई है। सुरक्षा में 750 पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। एसपी कुवंर अनुपम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री की जनसभा के लिए मुरादाबाद, बिजनौर ,रामपुर, संभल, अमरोहा पांच जिलों की सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स मुस्तैद रहेगी। अर्ध सैनिक बल और पीएसी कर्मी भी मौजूद रहेंगे

मुख्यमंत्री की जनसभा की तैयारियों की जानकारी लेते जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी व एसपी कुंवर अनुपम सिंह।

12 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

बुरावली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रहरा में 12 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया है। करीब 45 मिनट तक मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, ब्लाक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी, भाजपा प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर, नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, सेक्टर संयोजक सरोज गुर्जर, पिंटू भाटी, गंगा शरण एडवोकेट, सेक्टर संयोजक रूप किशोर प्रजापति, ईश्वर चंद आदि लोग उपस्थित रहेंगे।

रहरा रोड पर वाहनों का संचालन रहेगा बंद

- संभल गवां की ओर से आने वाले भारी वाहनों को बुलंदशहर की ओर भेजा जाएगा।
- गंवा से रहरा होकर हसनपुर गजरौला जाने वाले वाहनों को आदमपुर मोड़ से डाइवर्ट कर ढ़वारसी की ओर भेजा जाएगा जो उझारी होकर वाहन गुजरेंगे।
- हसनपुर से बुलंदशहर या गंवा को जाने वाले वाहन बुरावली चौराहे से उझारी की ओर भेजे जाएंगे।

जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

अमरोहा, अमृत विचार : डीएम राजेश कुमार त्यागी ने मंडी समिति में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। पोलिंग पार्टियों को रवाना करने की तैयारी देखी। अधिकारियां व कर्मचारियों को निर्देश दिए। सोमवार को जिलाधिकारी राजेश त्यागी ने मंडी समिति पहुंचकर स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने वाहन पार्किंग, लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था, मीडियाकर्मियों के बैठने की व्यवस्था, स्ट्रांग रूम, पोलिंग पार्टी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पार्किंग की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। ताकि जाम न लग सके। विधानसभा क्षेत्र वार गाड़ियों के खड़े होने की व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम में मशीन रखने की व्यवस्था व कोडिंग का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां बसें खड़ी होंगी, वहां पर बेहतर सफाई और जेसीबी से जमीन समतल हो। इस दौरान एडीएम सुरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, एसडीएम सुधीर कुमार आदि रहे।

मतदान के प्रति किया जागरूक

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: गांव शेखूपुर झकड़ी के कंपोजिट विद्यालय में सोमवार को मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मतदान के लिए लोगों के घर-घर जाकर जागरूक किया। प्रधानाध्यापक सुमन रानी ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है। लोकतंत्र के इस महापर्व पर सभी लोग अपने घरों से बाहर निकले और अपने मताधिकार का जरूर प्रयोग करें। बिइस दौरान अशोक कुमार, रविंद्र कुमार, सुभाष चंद्र सिराजुद्दीन, दानिश, रेशू गुप्ता, ग्राम प्रधान विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेते मतदाता। ● अमृत विचार

25 को रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां, तैयारी तेज : अमरोहा लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल मतदान को होगा। मतदान सुबह 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक किया जाएगा। 25 अप्रैल को पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। 1856 मतदेय स्थलों पर मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 39-धनौरा, 40-नौगांवा सादात, 41-अमरोहा, 42 हसनपुर व 60-गढ़मुक्तेश्वर के कुल 1856 मतदेय स्थलों पर मतदान होगा।

पुलिस ने पैदल मार्च कर लोगों को दिया सुरक्षा का भरोसा

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सोमवार को पैदल मार्च किया। पुलिसकर्मियों ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा देते हुए शांति बनाए रखने की अपील की।

अमरोहा नगर और देहात पुलिस ने अर्ध सैनिक बल व पीएसी के जवानों के साथ क्षेत्र में पैदल मार्च किया। पुलिस ने लोगों को यह संदेश भी दिया कि वह चुनाव में निष्पक्ष होकर मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान करें। पैदल मार्च नगर में टीपी नगर चौराहा, गांधी मूर्ति, आजाद नगर, रोड कोर्ट बाजार से होता हुआ कोतवाली में आकर समाप्त हुआ।

निर्भीक होकर मतदान करने का दिया संदेश

हसनपुर, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के साथ नगर के मुख्य मार्ग पर पैदल मार्च किया। मतदाताओं को निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इंस्पेक्टर क्राइम के नेतृत्व में नगर के मुख्य मार्ग पर पैदल मार्च निकाला गया।

घर की खिड़की से गिरकर दो साल की बच्ची की मौत

संवाददाता, सैदनगली

अरीबा दीपक सैनी

अमृत विचार : नगर में सोमवार को घर की खिड़की से गिरकर दो साल की बच्ची की मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना कार्रवाई उसे सुपुर्दे खाक कर दिया।

कस्बे के मोहल्ला दर्जियान निवासी दो वर्षीय एमन उर्फ अरीबा पुत्री चौधरी नासिर रविवार घर में खेल रही थी। इस दौरान कमरे की खिड़की खुलने से वह नीचे जमीन पर आ गिरी। बच्ची की चीख सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। आनन फानन घायल बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तीसरे दिन मिला गंगा में डूबे युवक का शव: रहरा, अमृत विचार : रहरा क्षेत्र के गांव पोरारा निवासी प्यारेलाल (70) का बीमारी के चलते शनिवार को देहांत हो गया था। उनकी अंत्येष्टि गांव के ही निकट पोरारा घाट पर करने के लिए ग्रामीण ले गए थे। इस दौरान दीपक सैनी (19) गंगा में स्नान करने के लिए चला गया था

मंगलवार को तीसरे दिन भी उसे ढूंढने का प्रयास किया तो उसकका शव घटना स्थल से लगभग 5 किलोमीटर दूरी पर अवंतिका देवी मंदिर के पास गंगा में उतराता मिला। उसने अपने पीछे अपनी पत्नी नीरज को रोते बिलखते छोड़ गया है। तीन भाइयों में वह मझला था।

ई-रिक्शा पलटने से दबकर हलवाई की जान गई

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला अतरपुरा के पास रेलवे ओवरब्रिज पर ई-रिक्शा पलटने से उसके नीचे दबकर बुजुर्ग हलवाई की मौत हो गई। ई-रिक्शा चालक समेत दो लोग घायल भी हुए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शहर के मोहल्ला धुनपुरी निवासी सतपाल (65) पेशे से हलवाई थे। सोमवार दोपहर तीन बजे वह चौपला से ई-रिक्शा में सवार होकर अपने घर जा रहे थे। बताया जाता है कि ई-रिक्शा में कुछ सामान भी लदा था जबकि चालक समेत दो अन्य सवारी भी सवार थीं। इस बीच रेलवे ओवरब्रिज से उतरते समय ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा के नीचे दबने से सतपाल की मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो लोग घायल हो गए। लोगों ने ई-रिक्शा सीधा करके दबे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

भिड़ंत के बाद कारों के पास मौजूद लोग। ● अमृत विचार

दो कारों की भिड़ंत में युवक घायल

गजरौला, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह आठ बजे दो कारों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। इसमें कार सवार के युवक घायल हो गए। घायल को पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ देर में हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।सोमवार सुबह नेशनल हाईवे पर एक होटल के निकट दो कारों की आमने सामने टक्कर हो गई। जिसमें कार सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। कुछ देर बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से ढाबा संचालक की मौत

गजरौला, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बसंत विहार के सामने रविवार देर रात ट्रेन की चपेट में आने से ढाबा संचालक की मौत हो गई। शहर के मोहल्ला बसंत विहार निवासी पवन (45) का चौपला पर ढाबा है। वह रविवार रात ढाबे से घर पहुंचा। इसके बाद वह घर से बिना बताए कहीं चला गया। इस बीच बसंत विहार के सामने देर रात रेलवे लाइन पार करते समय पवन ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सोमवार सुबह जीआरपी ने पवन के परिजनों को घर पहुंचकर घटना की जानकारी दी। जीआरपी चौकी प्रभारी श्याम बाबू ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सांड़ से टकराकर बाइक सवार दो लोग घायल

रहरा, अमृत विचार : बुलंदशहर के कस्बा अनूपशहर निवासी रोहित कुमार अपने साथी दीपचंद के साथ रविवार को किसी कार्य से बाइक पर सवार होकर अमरोहा आए थे। रविवार देर शाम दोनों अमरोहा से वापस अनूपशहर लौट रहे थे। जैसे ही दोनों अलीगढ़ मार्ग पर रहरा एवं रहरई के बीच पहुंचे तो सांड़ से उनकी बाइक टकरा गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने उन्हें निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया, जहां दोनों घायलों का उपचार चल रहा है। मामले की सूचना घायलों के परिजनों को दे दी गई है। उधर, क्षेत्र में सांडों से लोग परेशान हैं। सांड़ आए दिन कोई न कोई घटना रोड पर करते रहते हैं। क्षेत्र में कई गोशालाएं हैं। लेकिन प्रशासन इन सांड़ों को पकड़वाकर गोशालाओं में नहीं भेज रहा है। ये सांड़ लोगों पर हमला वर हो रहे हैं। इससे क्षेत्र के लोगों में रोष पनप रहा है। उन्होंने सांड़ों को पकड़ने की मांग की है।

आयोजन राधा-कृष्ण, राम दरबार, हनुमान जी, दुर्गा माता, बाहुबली शंकर की झांकियां रहीं शामिल

शोभायात्रा में लठमार होली व राजस्थानी नृत्य ने मन मोहा

संवाददाता हसनपुर

अमृत विचार : श्री राम बालाजी भक्त मंडल की ओर से सोमवार को नगर में धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें शामिल झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। लोगों ने जगह-जगह शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और बालाजी महाराज के जमकर जयकारे लगाए, जिससे आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया।

शोभायात्रा का विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी एवं पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने संयुक्त रूप से बालाजी महाराज की आरती करके आरंभ किया।

शोभायात्रा शिवाला मंदिर से शुरू हो कर श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज, पुराना डाकघर, जामा मस्जिद, घास मंडी, रहरा बस स्टैंड से वापसी दरबार, जनकपुरी, पंसारा बाजार, इंदिरा चौक, बर्मा मार्केट, मोहल्ला होली चौक होते हुए सेवालाल मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में गजरौला का बाबू बैंड हनुमान जी का गुणगान करती धुन बजाते हुए चल रहा था।

शोभा यात्रा में बालाजी महाराज का ठेला, राधा कृष्ण, राम दरबार, बाहुबली हनुमान जी, दुर्गा माता, बाहुबली शंकर जी आदि झांकियां जनता का मन मोह रही थीं। शोभा यात्रा में लठमार होली एवं राजस्थानी नृत्य में प्रस्तुति दे रहे कलाकारों में सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। शोभा यात्रा में संतोष अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, पंकज भटनागर, मयंक अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अरुण गर्ग, शंकर, संजीव गोयल, विजेंद्र अग्रवाल, रवि रस्तोगी, संजीव भोला आदि मौजूद रहे।

उद्घाटन करते विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी।

मंडी धनौरा में शोभायात्रा में झूमतीं महिलाएं व अन्य। ● अमृत विचार

बालाजी की शोभायात्रा में गूंजे भजन-कीर्तन

मंडी धनौरा, अमृत विचार : बालाजी जयंती के मौके पर बालाजी भक्त मंडल की ओर से सोमवार को शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें शामिल झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। बालाजी के भक्त भजन कीर्तन करते हुए चल रहे थे। सोमवार को बालाजी धाम से शोभायात्रा निकाली गई। फूलों से सजे भव्य रथ पर बालाजी महाराज विराजमान थे। नगर के मुख्य मार्गों कंचन बाजार, हरदेव बाजार, अग्रसेन बाजार, पुराना स्टेट बैंक तिराहा, तिकोना स्कूल होती हुई शोभायात्रा देर शाम बालाजी मंदिर पर समाप्त हुई। इसका आरंभ पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने नारियल फोड़ कर किया। कमेटी के सदस्यों ने पालिकाध्यक्ष का तिलक किया।

सार-संक्षेप

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में पौधारोपण करते शिक्षक। ● अमृत विचार

विश्व पृथ्वी दिवस पर श्री वेंकटेश्वर विवि में पौधरोपण

गजरौला, अमृत विचार : विश्व पृथ्वी दिवस पर श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में सोमवार को पौधरोपण हुआ। पर्यावरण संरक्षण संवर्धन पर जागरूकता रैली भी निकाली गई। विवि के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाई। विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण व रैली का आरंभ डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डॉ. वीपीएस अरोड़ा, कुलपति डॉ. एके शुक्ला ने किया। डॉ. सुधीर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन व प्रकृति के अंधाधुंध दोहन से दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में है। हमें समय रहते पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण के लिए काम करना होगा। डॉ. राजीव ने कहा कि प्रकृति संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया, तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस मौके पर अजय श्रीवास्तव, डॉ. पीयूष पाण्डे, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. एना ऐरिक ब्राउन, डॉ. योगेश्वर प्रसाद शर्मा, डॉ. आशुतोष सिंह आदि मौजूद रहे।

बिजली के तारों की चिंगारी से 13 बीघा गेहूं की फसल जली

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बिजली के तारों की चिंगारी से किसान की 13 बीघा गेहूं की फसल जल गई। पीड़ित किसान ने बताया कि लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। गांव रझौहा निवासी कुलदीप खेती करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। कुलदीप ने 23 बीघा भूमि में गेहूं की फसल उगाई गई थी। रविवार शाम खेत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन के तारों में फाल्ट होने के कारण चिंगारी खेत में गिर गई, जिससे गेहूं की फसल में आग लग गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड विभाग को दी गई, लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। इससे पहले लोगों ने आग पर काबू पा लिया। पीड़ित के अनुसार, आग लगने से 13 बीघा गेहूं की फसल जल का नष्ट हो गई है, जबकि 10 बीघा गेहूं की फसल को बचा लिया गया।

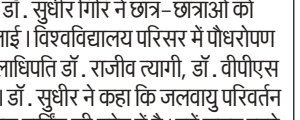

आग लगने से जली गेहूं की फसल।

जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

अस्पताल में डायरिया के मरीजों की बढ़ी संख्या

अमरोहा, अमृत विचार : गर्मी के मौसम में डायरिया के मरीजों की संख्या अस्पताल में बढ़ने लगी है। सोमवार को जिला अस्पताल में मरीजों की लाइन लगी रही। ओपीडी में हर रोज करीब 400-500 मरीज आ रहे हैं। बुखार, डायरिया समेत अन्य बीमारी के मरीज पहुंच रहे हैं।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर प्रेमा पंत शर्मा ने बताया कि गर्मी के तेज होते ही डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल में डायरिया के मरीज के इलाज के लिए पूरी व्यवस्था की गई है और दवा भरपूर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि गंभीर हालत में मरीज को अस्पताल में ही भर्ती किया जा रहा है जबकि बाकी मरीजों को दवा देकर घर भेज दिया जा रहा है। उनको उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी जा रही है। सीएमएस ने बताया कि अस्पताल के इमरजेंसी में भी डॉक्टर को डायरिया पीड़ित मरीजों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी मरीज को बाजार की दवा न लिखने के निर्देश भी डॉक्टर को दिए हैं।

अनुपस्थित रहे कर्मचारियों को आज दिया जाएगा प्रशिक्षण

अमरोहा, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के लिए पीठासीन एवं मतदान अधिकारी को प्रशिक्षण 16 अप्रैल 21 अप्रैल तक दिया गया था। इसमें अनुपस्थित रहे 145 कर्मचारियों को मंगलवार को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया था।किसी कारणवश 145 कर्मचारी अनुपस्थित हो गए थे। इन सभी को मंगलवार को प्रशिक्षण में शामिल होने का समय दिया गया है।

भाकिसं के उपाध्यक्ष की कार के अधिग्रहण का विरोध

हसनपुर, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के चलते प्रशासन ने भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष की निजी कार का चुनाव कार्य के लिए अधिग्रहण कर लिया। इसे लेकर भाकिसं के पदाधिकारियों में रोष है। पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशासन की मनमानी के चलते भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह की निजी कार का चुनाव कार्य के लिए जबरन अधिग्रहण किया जा रहा है। उनकी कार का अधिग्रहण निरस्त नहीं किया गया तो भारतीय किसान आंदोलन करने को विवश होगा।

बिजली के खंभे पर फाल्ट से लगी आग

अमरोहा, अमृत विचार : नगर स्थित आंबेडकर पार्क के सामने बिजली के खंभे पर फाल्ट होने से से आग लग गई। इससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। रविवार रात नगर के आंबेडकर पार्क के सामने अधिक लोड बढ़ने से बिजली खंभे के केबिन में फाल्ट हो गया और आग लग गई। विद्युत विभाग में बिजली आपूर्ति को बंद कराकर फाल्ट को ठीक किया और बिजली आपूर्ति को सुचारू कराया।

मिठाई खिलाकर मेधावी छात्रों का स्वागत किया

आदमपुर, अमृत विचार : कस्बे के नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज में सोमवार को इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं का प्रधानाचार्य रामवीर त्यागी तथा स्टाफ ने मिठाई खिलकर स्वागत किया गया। इंटरमीडिएट परीक्षा में विज्ञान वर्ग के छात्र कौशिंद्र कुमार 94 प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान पर रहे तो वहीं कुमारी निकिता भारती ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रही। जबकि तृतीय स्थान पर रजत कुमार ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। कॉलेज का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा।

थ्रेसर मशीन में फंसने से महिला की मौत

रहरा, अमृत विचार : गेहूं निकलते समय थ्रेसर मशीन में आने से एक महिला की मौत हो गई। रहरा क्षेत्र के गांव पथरा निवासी सावित्री (20) पत्नी सुशील मंगलावर को अपने परिवारजनों के साथ खेत में गेहूं की निकासी करवा रही थी। निकासी कराते समय अचानक उसका दुपट्टा थ्रेसर की कपलिंग में फंस गया। जिससे सावित्री गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने घायल को आनन फानन रहरा के निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। मेरठ अस्पताल में भर्ती होने के बाद उसकी मौत हो गई। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव को घर लाकर बिना कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया है।

सपा पिछड़ों की सच्ची हितैषी : पुरुषोत्तम

हापुड़, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुरुषोत्तम वर्मा एडवोकेट को समाजवादी मजदूर सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाया है। इस पर पुरुषोत्तम ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाजवाद की विचार धारा को स्थापित करने के लिए पिछड़े, दलित, शोषित, वंचित लोगों की आवाज बुलंद करने का कार्य करती है। सपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझे सम्मान से नवाजा है। इस जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाया जाएगा।

एक नजर

आपत्तिजनक टिप्पणी पर पिता-पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज

बबराला अमृत विचार : भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के विरुद्ध सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। निरीक्षक अपराध विनीत कुमार ने बताया कि कोतवाली के उपनिरीक्षक रवि कुमार ने गांव बाघऊ निवासी धर्म पाल कुशवाहा और उसके पिता देवी सिंह के खिलाफ आईटी एक्ट 1860 के तहत मामला दर्ज करवाया है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बाइकों की भिड़ंत में दो लोग घायल

संभल अमृत विचार : हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर सराय निवासी अजीम रविवार की रात नौ बजे बाइक पर सवार होकर चंदौसी मार्ग पर संभल की ओर आ रहा था। सदर कोतवाली क्षेत्र में संभल चंदौसी मार्ग पर मुहल्ला नूरियो सराय के पास सामने से बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे अजीम व चंदौसी की ओर जा रहे असमोली थाना क्षेत्र के गांव अहरौला माफी निवासी रविंद्र घायल हो गए।

एकमात्र महिला प्रत्याशी ने नाम वापस लिया

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव मैदान में डटे 12 प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह किए आवंटित

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार :लोकसभा चुनाव को लेकर कड़ी सुरक्षा के बीच नामांकन पत्र वापसी प्रक्रिया प्रारंभ हुई। जिसमें एक मात्र महिला प्रत्याशी ने नामांकन पत्र वापस ले लिया। वह चुनाव से पहले ही चुनावी मैदान से बाहर हो गईं। अब लोकसभा चुनाव के लिए 12 प्रत्याशी मैदान में बचे। प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह भी आवंटित किए गए।

कलेक्ट्रेट स्थित जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय नामांकन स्थल पर सुबह 11 से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ गहमागहमी के बीच नामांकन पत्र वापस होने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। जहां पर जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल प्रक्रिया को लेकर बैठे रहे। चुनावी मैदान में कूदी महिला प्रत्याशी सुश्री तुबा ने अपना नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पहुंचकर वापस ले लिया। उन्होंने चुनाव न लड़ने पर अपनी राय व्यक्त की। उनके नाम वापसी के फैसले को जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वीकार कर लिया। अब सपा, बसपा व भाजपा सहित 12 प्रत्याशी चुनावी दंगल में रहेंगे। पीस पार्टी के प्रत्याशी राशिद अली अपने प्रतिनिधियों के साथ पहुंचे तो वहीं सपा, बसपा व भाजपा के प्रतिनिधि अपने-अपने प्रत्याशियों के लिए प्रतीक चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया में शामिल रहे। पार्टी प्रत्याशियों से लेकर निर्दलीय प्रत्याशियों को जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रतीक चिन्ह आवंटित किए।

कलेक्ट्रेट में नामांकन स्थल पर चुनाव चिन्ह आवंटित करते जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल।

प्रत्याशियों को यह प्रतीक चिन्ह हुए आवंटित

प्रत्याशी	दल	चुनाव चिन्ह
जियाउर्रहमान बर्क	सपा	साइकिल
परमेश्वर लाल सैनी	भाजपा	कमल
चौधरी सौलत अली	बसपा	हाथी
जयगमुल इस्लाम	जनता शासन पार्टी	सेब
पवन कुमार	लोग पार्टी	बक्सा
डॉ. रशीद अली	पीस पार्टी	कांच का गिलास
संतोष	किसान क्रांति दल	खाने से भरी थाली
अनुज वार्ष्णेय	निर्दलीय	ऑटो रिक्शा
तौसीफ अहमद	निर्दलीय	एयर कंडीशनर
महेंद्र सिंह	निर्दलीय	बाल्टी
मोहम्मद वसीम	निर्दलीय	केक
वसीम	निर्दलीय	फूल गोभी

चुनाव चिन्ह मिलते ही प्रचार में उतरे प्रत्याशी

बहजोई अमृत विचार : प्रत्याशियों को नामांकन पत्र सही होने के बाद प्रतीक चिन्ह आवंटन का इंतजार था। जैसे ही जिला निर्वाचन अधिकारी के यहां से प्रत्याशियों को प्रतीक चिह्न मिले तो वह चुनावी समर में पूरी ताकत से निकल गए। अपने चुनाव चिन्ह का प्रचार करते हुए अपने पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत से उतर आए। प्रत्याशी 7 मई को अपने चुनाव चिन्ह के सामने का बटन दबाकर आम जनता से जीत का आशीर्वाद देने की अपील करते नजर आए।

शॉर्ट सर्किट से जनरल स्टोर में लगी आग, नकदी भी जली

कार्यालय संवाददाता, संभल/सौंधन

अमृत विचार :कैला देवी थाना क्षेत्र में शार्ट सर्किट से जनरल स्टोर में आग लग गई। ग्रामीणों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग में पांच हजार की नकदी समेत करीब ढाई लाख रुपये का सामान जल गया।

थाना क्षेत्र के गांव सौंधन मोहम्मदपुर निवासी अमरीश उर्फ छोटू का मेन बाजार में जनरल स्टोर व फोटो स्टूडियो है। रविवार रात दुकान बंद कर अमरीश पहली मंजिल पर बने कमरे सोने चला गया। देर रात शार्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। आग की लपटों के साथ धुआं उठने से ऊपर कमरे में घुटन होने लगी तो अमरीश की आंख खुल गई। अमरीश ने देखा तो दुकान से धुंआ निकल रहा था। आनन-फानन में अमरीश नीचे आया और दुकान का शटर खोला। आसपास के ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कम्प्यूटर, इनवर्टर, बैटरा, प्रिंटर, पांच हजार की नकदी समेत तमाम सामान जल गया। अमरीश ने करीब ढाई लाख रुपये का नुकसान होने की बात कही।

जले सामान को देखता दुकानदार और अन्य लोग। ● अमृत विचार

वृद्धा ने गंगा में लगाई छलांग, सुरक्षित बचाया

बबराला, अमृत विचार: राजघाट गंगा में सोमवार को सुबह वृद्धा ने छलांग लगा दी। आसपास के लोगों के शोर मचाने पर गोताखोर तुरंत गंगा में कूदे और वृद्धा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

राजघाट गंगा घाट पुल के दाहिने तरफ गंगा के जल में उतराती एक महिला दिखाई दी। दूर से देखने पर लग रहा था कि वह मर चुकी है लेकिन उसकी सांसे चल रही थीं और वह पानी की ऊपरी सतह पर उतरा रही थी। गंगा स्नान करने आए कुछ श्रद्धालुओं ने जब यह नजारा देखा तो शोर मचा दिया। आनन फानन घाट पर मौजूद गोताखोर गंगा में कूद पड़े और बेहोश महिला को बाहर निकाल लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा को उपचार के लिए सीएचसी गुन्नौर भेजा। सीएचसी में उपचार के बाद होश में आई वृद्धा की पहचान बदायूं जनपद के थाना इस्लामनगर के गांव कुंवरपुर निवासी गंगादेई (70 वर्ष) के रूप में हुई है।

कार पलटने से आठ लोग घायल

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : ऐंचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र से शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे लोगों की कार संभल-गवां मार्ग पर कुत्ते से बचने के प्रयास में सड़क पर पलट गई। हादसे में कैला देवी थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों के आठ लोग घायल हो गए। इनमें छह महिलाएं शामिल रहीं। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया।

कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव सौंधन की मिलक निवासी राजबहादुर की पत्नी अनीता, सृष्टि पत्नी सोनू, पूनम पुत्री सोनू, राहुल पुत्र सोनू, सरायतरीन निवासी नीतू बजाज पत्नी अनुराग बजाज और हयातनगर निवासी उजाला पुत्री जयपाल, राधा पत्नी जयपाल, तरुण पुत्र जयपाल सोमवार की सुबह छह बजे ऐंचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के गांव हरिपुर मिलक रिश्तेदारी में शामिल समारोह में शामिल होने के बाद कार से घर लौट रहे थे।

जिला अस्पताल में भर्ती हादसे में घायल महिलाएं। ● अमृत विचार

- शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे, कुत्ते से बचने के प्रयास में हादसा

थाना क्षेत्र में संभल-गवां मार्ग पर गांव अमावती के पास अचानक सड़क पर कार के आगे कुत्ता आ गया।

चालक ने जैसे ही कुत्ते से बचने का प्रयास किया तो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। जिससे कार में सवार अनीता, सृष्टि, पूनम, राहुल, नीतू बजाज, उजाला, राधा और तरुण घायल हो गए।

आसपास के लोगों ने किसी तरह खिड़की खोलकर घायलों को कार से बाहर निकाला। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

धूमधाम से निकाला बजरंगी का फूलडोल

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: बजरंगी सनातन समूह की ओर से हनुमान जन्मोत्सव पर सीता रोड स्थित श्री रघुनाथ आश्रम से बजरंगी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसका आरंभ बनियाखेड़ा ब्लाक प्रमुख डॉ. सुगंधा सिंह ने फीता काटकर किया।

इससे पूर्व रघुनाथ आश्रम में बाबा बजरंगी फूलडोल का पूजन हनुमान मंदिर के महंत योगेश कुमार शर्मा ने विधि विधान से संपन्न कराया। नगर पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने बजरंगी के मुख्य रथ की महाआरती की। बजरंगी यात्रा में हनुमान जी का फूलडोल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। फूलडोल को फूलों व अन्य सामग्री से सुंदर तरीके से सजाया गया। महिलाएं फूलडोल के आगे-आगे चल रही थीं। इसके अलावा फूलडोल में समूह का बैनर, ढोल-ताशे, माता काली का स्वरूप, भक्तिमय संगीत युक्त डीजे, बाहुबली हनुमान स्वरूप, वानर सेना शामिल थी। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर युवा नृत्य करते चल रहे थे। विभिन्न स्थानों पर मुख्य रथ की महाआरती की गई। रघुनाथ आश्रम से आरंभ होकर फूलडोल ब्रह्म बाजार, फड़याई बाजार, नमक मंडी, पुरानी पैठ, बिसौली गेट से होते हुए पुनः रघुनाथ आश्रम जाकर संपन्न हुआ। इस दौरान समूह के अध्यक्ष विमल वार्ष्णेय, चिराग वार्ष्णेय, कार्तिक वार्ष्णेय, रितिक मिश्रा, हर्षित वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय, शुभम वार्ष्णेय, विशाल अग्रवाल, अमन अग्रवाल, अनुज वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बजरंगी फूलडोल यात्रा में शामिल ब्लॉक प्रमुख व पालिकाध्यक्ष। ● अमृत विचार

- ब्लाक प्रमुख ने फीता काटकर किया शुभारंभ
- नगर पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने की मुख्य रथ की महाआरती

पत्नी को जलाकर मारने की कोशिश में पति गिरफ्तार

संभल/ओबरी अमृत विचार : दहेज लाने से मना करने पर मारपीट कर पत्नी को जलाकर मारने की कोशिश करने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मुरादाबाद जिले के गांव नगला गुर्जर निवासी सोनित ने रविवार को असमोली थाना क्षेत्र के गांव गुमसानी निवासी अपने बहनोई पवन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कहा था कि शुक्रवार की रात पवन दहेज की मांग करते हुए बहन आशा के साथ मारपीट करने लगा। मायके से दहेज लाने से मना किया तो पवन ने आशा पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। जिससे आशा आग में झुलस गई। जिसके बाद पवन ने आशा को कमरे में बंद कर दिया था। सूचना पर मायके वाले पहुंचे और कमरे से निकालकर आशा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असमोली में भर्ती कराया। थाना प्रभारी हरीश कुमार ने बताया कि पवन को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया है।

वीडियो बनाने से मना करने पर दूल्हा व दुल्हन पक्ष में मारपीट

कार्यालय संवाददाता, संभल/असमोली

- दोनों पक्षों ने कानूनी कार्रवाई करने से इंकार कर दिया

अमृत विचार :ऐंचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र में दुल्हन के घर के दरवाजे पर दूल्हे की सलामी की रस्म अदा करते हुए महिलाओं का वीडियो बनाने से मना करने पर घरातियों व बारातियों के बीच जमकर लात घूसे चले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों पक्षों ने कानूनी कार्रवाई करने से इंकार कर दिया।

असमोली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की बरात रविवार को ऐंचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के एक गांव में गई थी। दावत के बाद दूल्हा बरातियों के साथ सलामी की रस्म के लिए दुल्हन के दरवाजे पर पहुंचा। यहां दूल्हे के दोस्त व रिश्तेदार अपने मोबाइल से सलामी की रस्म अदा करते हुए महिलाओं की वीडियो बनाने लगे। जिसका दुल्हन पक्ष के लोगों ने विरोध किया लेकिन दूल्हे के दोस्त व रिश्तेदार नहीं माने। इसी बात को लेकर दूल्हे के दोस्तों, रिश्तेदारों और दुल्हन पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के लोगों में जमकर लात घूसे चले। बराती मारपीट से बचते बचाते आसपास के घरों में घुस गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। थाना प्रभारी रेनू देवी ने बताया कि बारातियों व घरातियों के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस मामले में तहरीर नहीं मिली है। दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया है।

बेटी की शादी के चार दिन बाद पी लिया जहरीला पदार्थ, मौत

कार्यालय संवाददाता, संभल/असमोली

अमृत विचार :ऐंचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र में बेटी की शादी के चार दिन बाद घरेलू विवाद के चलते ग्रामीण ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे ग्रामीण की मौत हो गई। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ग्रामीण के शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 50 वर्षीय ग्रामीण ने 18 अप्रैल को शादी की सभी रस्में निभाकर बेटी को घर से डोली में बिठाकर ससुराल के लिए विदा किया था। बेटी की शादी के बाद ग्रामीण का परिजनों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ता ही चला गया। जिससे क्षुब्ध होकर ग्रामीण ने सोमवार को किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे ग्रामीण की हालत बिगड़ गई और परिजन ग्रामीण को उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान ग्रामीण की मौत हो गई।

कार की टक्कर से बाइक सवार ग्रामीण की मौत

बहजोई, अमृत विचार : घर लौट रहे ग्रामीण की बाइक में कार ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव कान्हू धामपुर निवासी चंद्रसेन पुत्र रामजीलाल बहजोई आया हुआ था। वह काम निपटाकर बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहा था। जैसे यह बहजोई बबराला मार्ग स्थित एक होटल के निकट पहुंचा तो उसकी बाइक में बबराला की ओर से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ग्रामीण को उपचार के लिए बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन से गिरकर संभल का युवक घायल

बरेली, अमृत विचार : आंवला स्टेशन पर दिल्ली-बरेली पैसेंजर में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से युवक घायल हो गया। युवक स्टेशन पर पानी पीने के लिए उतरा था। आरपीएफ ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में रेफर किया गया।

आरपीएफ के मुताबिक संभल के मानिकपुर नरौली बनियाठेर निवासी 30 वर्षीय मेहंदी हसन को चंदौसी से निसोई जाना था। वह आंवला और निसोई रेलवे स्टेशन के बीच ढकौरा गांव के पास पड़ने वाले रेलवे पुल पर मजदूरी कर रहा है। सोमवार सुबह 04304 दिल्ली-बरेली पैसेंजर आंवला स्टेशन पहुंची तो मेहंदी हसन नीचे उतरकर पानी पीने लगा, इतने में ट्रेन चल दी। उसने ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया लेकिन रफ्तार अधिक होने के कारण पैर फिसल गया और वह प्लेटफार्म के नीचे चला गया। जिसमें उसके दाएं पैर का एक अंगूठा और बाएं पैर का अंगूठा और तीन उंगली कट गई।

श्री कल्कि के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार :नगर के मुहल्ला कोट पूर्वी में स्थित प्राचीन श्री कल्कि विष्णु मंदिर में श्री कल्कि सेना (निष्कलंक दल) का 31वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

श्री कल्कि विष्णु मंदिर में आचार्य पंडित शोभित शास्त्री ने मंगलाचरण करके कार्यक्रम का आरंभ किया। अतिथियों के अलावा संरक्षक पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा व संगठन संस्थापक कुलदीप कुमार गुप्ता ने श्री कल्कि के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। पुरुष और महिला श्रद्धालुओं ने श्री कल्कि के भजन प्रस्तुत किए।

मुरादाबाद से आईं इस्कॉन मंडली ने श्रीकृष्ण राधा के भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। शुक्ला ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बदायूं से आए सुमित सुगम ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम प्रभारी शशांक शर्मा ने हे कल्कि भगवान तुम्हें भारत में आ जाना चाहिए समेत कई भजनों की प्रस्तुति दी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कल्कि सैनिकों, अतिथियों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रियांशु अग्रवाल, उज्ज्वल सक्सेना, आकाश चौहान, संजू, स्वास्तिक गोला, श्याम सक्सेना, ऋषभ श्रीवास्तव, नवीन सक्सेना, सुभाष खन्ना, गगन वार्ष्णेय, राहुल शर्मा, रानू गुप्ता, हिमांशु कश्यप, महंत दीनानाथ महाराज, ओम गोला, अमित पवार आदि रहे। अध्यक्षता संरक्षक पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा ने व संचालन विकास कुमार वर्मा व आचार्य पंडित शोभित शास्त्री ने संयुक्त रूप से किया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करती मंडली। ● अमृत विचार

- 31वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, शुक्ला ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए
- इस्कॉन मंडली ने श्रीकृष्ण-राधा के भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया

सार-संक्षेप

संभल में कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व निकली कलश यात्रा

संभल, अमृत विचार : श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिससे माहौल भक्तिमय बन गया। कथा वाचक आचार्य गोपाल भैया ने श्रीमद् भागवत कथा का महत्व बताया। नगर में यशोदा चौराहा के पास स्थित आरके पैलेस से सोमवार को सुबह कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। जिसमें पीले वस्त्र पहनकर महिलाएं सिर पर कलश रखकर चलीं। कलशयात्रा शंकर इंटर कॉलेज चौराहा, जनता पेट्रोल पंप, दुर्गा कालोनी, विक्रम पैलेस, बरेली सराय, प्रेमशंकर वाटिका, हल्लू सराय, हल्लू सराय तिराहा, सरथल चौकी, साईं मंदिर से शंकर कॉलेज चौराहा होकर कथा स्थल पर संपन्न हुई। शाम को कथा वाचकआचार्य गोपाल भैया श्रीमद भागवत कथा सुनाई। कथा का महत्व बताते हुए श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। इस दौरान मुख्य अतिथि कमलकांत तिवारी, गौरव, अजय गुप्ता, हरिओम गुप्ता, दीपक गुप्ता, कपिल सिंघल, वीरेंद्र रस्तोगी एडवोकेट, डॉ.विकास गुप्ता आदि रहे।

रैली निकालकर जगाई मतदान की अलख

बबराला, अमृत विचार : स्वीप कार्यक्रम के तहत बाबूराम सिंह भाय सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने रैली निकालकर मतदाताओं से निष्पक्षता के साथ मतदान करने का आह्वान किया। कहा कि सभी मतदाताओं की जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र के महापर्व में अपने वोट की आहुति अवश्य डालें।

डिग्री कॉलेज की ओर से सोमवार को मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वृहद रैली का आयोजन हुआ। रैली में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया। रैली को झंडी दिखा रवाना करने से पहले एसडीएम रमेश बाबू ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का विशेष महत्व है। सभी मतदाताओं को सात मई को मतदान में भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। मतदाता जागरूकता रैली ने नगर भ्रमण किया और महाविद्यालय परिसर पहुंच कर समाप्त हुई। रैली में सीओ आलोक सिद्धू, नगर पंचायत चेयरमैन हर्ष वर्धन वार्ष्णेय, महाविद्यालय प्रबंधक सुमित यादव, प्राचार्य डॉ. मीरा शर्मा, डॉ. हरवीर सिंह, डॉ. रश्मि गुप्ता, आकाश मेडिकल आदि रहे।

स्कूलों द्वारा मनमानी फीस बढ़ोतरी पर जताई चिंता

संभल, अमृत विचार : इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के मुहल्ला नाला पर स्थित कार्यालय पर हुई बैठक में सीबीएसई बोर्ड व उत्तर प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम स्कूलों द्वारा मनमानी फीस बढ़ोतरी, कोर्स बिक्री व डेवलपमेंट आदि के नाम पर अभिभावकों को हो रही परेशानी पर चिंता व्यक्त की गई। कहा गया कि 24 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल एसडीएम से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा। इस दौरान डॉ.कलीम अशरफ, इफ्तेखार अली, जिया अशरफ, हिफ्जुर्रहमान उर्फ छोटे भाई, मौलाना मुकीम कुरैशी, जुल्फेकार अली, मोहम्मद कासिम तुर्की, तसलीम खान आदि रहे।

सुरक्षित सफर के लिए नियमों का करें पालन

संभल, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा काआरंभ हुआ। जिसमें छात्रों और लोगों को सुरक्षित सफर के लिए नियमों की जानकारी देते हुए शपथ भी दिलाई गई। नई तहसील सभागार में मुख्य अतिथि एसडीएम विनय कुमार मिश्रा ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा शुभारंभ करते हुए छात्रों और लोगों की नियमों की जानकारी दी। कहा कि नियमों का पालन करने से ही सुरक्षित सफर संभव है। एआरटीओ प्रवर्तन जयप्रकाश गुप्ता ने यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि वाहनों का समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराया लिया जाए। ओवरलोड वाहन न चलाएं। पीटीओ एम आबदीन अहमद और टीएसआई अनुज मलिक ने भी विचार रखे। छात्रों और लोगों को नियमों की शपथ भी दिलाई गई। एसडीएम ने यातायात नियमों के प्रचार के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रणधीर सिंह, सचिन शर्मा, उमेश प्रकाश शर्मा, सुनील कुमार, यूसुफ अली आदि रहे। संचालन एआरटीओ प्रशासन डॉ.पीके सरोज ने किया।

बैठक में बोलते प्रदेश प्रमुख महासचिव विजेंद्र सिंह यादव। ● अमृत विचार

किसानों से एकजुट होने का किया आह्वान

संभल/सौंधन, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। किसानों से एकजुट होने का आह्वान किया गया।गांव सौंधन मोहम्मदपुर में हुई बैठक में भाकियू टिकैत के प्रदेश प्रमुख महासचिव विजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान भाकियू टिकैत देश का एकमात्र ऐसा संगठन है जो किसानों की बात करता है। किसान इस पर विचार करके एकजुट हो जाएं। संगठन को मजबूत करने से किसानों का भला हो सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव का समय है। सभाओं में किसानों के हित की बात न करके उन्हें अन्य मुद्दों पर घुमाया जा रहा है। किसी भी राजनीतिक पार्टी की सभाओं में किसानों को एमएसपी व किसानों की फसल के मूल्य की बात नहीं हो रही है। किसान वोट देते समय 2021-22 के आंदोलन को याद कर लेना। बैठक में ग्राम प्रधान पति अरविंद यादव, शंकर सिंह यादव, मनपाल सिंह यादव, देशराज, मुकेश यादव, जबर सिंह यादव आदि रहे। अध्यक्षता नत्थू सिंह ने तथा संचालन महेश यादव ने किया।

स्कूलों में नहीं पढ़ाई जा रहीं एनसीईआरटी की किताबें

संभल, अमृत विचार : समाज हित संरक्षण समिति की ओर से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। जिसमें कहा कि जिले में अधिकतर स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें नहीं पढ़ाई जा रहीं। प्रकाशक और विद्यालय तंत्र अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं। मांग की कि जिले में संचालित सभी स्कूलों में जांच कराकर एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए। जिन स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें नहीं पढ़ाई जा रहीं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस दौरान अध्यक्ष महंत भगवानदास शर्मा, चौधरी जयपाल सिंह, चौधरी महीपाल सिंह, दिनेश कुमार, चंद्रप्रकाश एडवोकेट, नितिन शर्मा आदि रहे।

सामान्य प्रेक्षक ने किया मतदान बूथों का निरीक्षण

संभल, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष कराने को लेकर सामान्य प्रेक्षक अमित कुमार ने सोमवार को संभल के कई मतदान बूथों का निरीक्षण कर तैयारियों को देखा। उन्होंने शंकर इंटर कॉलेज मतदान केंद्र के बूथों का जायजा लिया। यहां पानी, बिजली और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था देखी। एसडीएम विनय कुमार मिश्रा से जानकारी हासिल करते हुए जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान प्रधानाचार्य नरेंद्र वर्तवाल भी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, ढाई सौ घरों में छाया अंधेरा

संभल/सिरसी, अमृत विचार : नगर पंचायत सिरसी के मुहल्ला शर्की से कर्बला मार्ग पर स्थित भट्टू वाले कब्रिस्तान के पास रखे ट्रांसफार्मर में सोमवार की रात आठ बजे तारों में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने आसपास के लोगों की मदद से ट्रांसफार्मर की आग को बुझाया। गनीमत रही कि ट्रांसफार्मर के बराबर में कोई मकान नहीं था और बड़ा हादसा बच गया। ट्रांसफार्मर में आग लगने से करीब ढाई सौ घरों की बिजली गुल हो गई।

माता को चढ़ाई चाव, किया भजन कीर्तन

चन्दौसी, अमृत विचार : नगर के कैथल गेट स्थित श्रीदेवी गंगा मंदिर में महिलाओं ने देवी माता को चाप चढ़ाई और ढोलक मजीरे की थाप पर भजन कीर्तन किया। माता के भजनों पर महिलाएं झूम उठीं। इस दौरान माता के जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर स्वाति, रीता, प्रियंका, रेखा, ममता, शिवानी, आरती, नेहा, सुनीता, उर्मिला, शारदा देवी, सर्वेश,, कशिश, रामवती, सुषमा, प्रेमवती आदि रहीं।

एक नजर

विद्युत लाइन में फाल्ट से रात भर गुल रही बिजली

चन्दौसी, अमृत विचार : सीता रोड स्थित आरआरके स्कूल के निकट केला देवी मंदिर के पास विद्युत पोल पर लाइन में रविवार की रात करीब दस मिनट तक फाल्ट होते रहे। जिसके धमाकों की आवाज से लोगों में दहशत व्याप्त हो गई। कुछ देर बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। लोगों ने घटना की विद्युत विभाग को सूचना दी। बिजली गुल होने से रात को लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार की दोपहर विद्युत आपूर्ति सुचारू हो सकी।

पुलिस ने युवक को तमंचा के साथ किया गिरफ्तार

संभल/सिरसी अमृत विचार : हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव कासमपुर निवासी रोहित सोमवार को किसी वारदात को अंजाम देने के लिए तमंचा लेकर थाना क्षेत्र के गांव फिरोजपुर पुल पर खड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तमंचा बरामद कर रोहित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रोहित का चालान कर दिया।

हत्या के मुकदमें में दोषी को आजीवन कारावास की सजा

अदालत ने 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया, 2018 में हुई थी घटना

कार्यालय संवाददाता चंदौसी

अमृत विचार: अदालत ने हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। घटना थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव बनियाखेड़ा मढैया में 10 नवंबर 2018 को हुई थी।

थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव बनियाखेड़ा की मढैया निवासी पीड़ित पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 10 नवंबर 2018 को उसके गांव के ग्राम प्रधान की बेटी का उसके बेटे प्रवीन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। जिन्हें गांव में सभी ने देख लिया था। युवती का पिता उसके बेटे प्रवीण से रंजिश मानने लगा था। जिसके चलते प्रवीण की हत्या कर दी गई।

● ग्राम प्रधान की बेटी से प्रेम प्रसंग के चलते हुई थी प्रवीण की हत्या

इस मामले में थाना पुलिस ने धारा 302 आईपीसी व 3/4 आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी बंटी उर्फ रोहदास पुत्र दिनेश निवासी बनियाखेड़ा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। जांच के बाद पुलिस ने साक्ष्यों को जुटा कर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया था। तब से मुकदमा न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में विचाराधीन था। इस मामले में जिला शासकीय अधिवक्ता राहुल दीक्षित ने अभियोजन पक्ष की ओर से दलीलें पेश कीं।

सोमवार को मुकदमे की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश कमलेश कुच्छल ने आरोपी बंटी उर्फ रोहदास को धारा 302 में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार के अर्थ दंड से दंडित किया है। अर्थ दंड का भुगतान न होने पर 6 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के लिए तीन वर्ष का कारावास तथा पांच हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

दो युवकों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला की महिला ने दो युवकों के विरुद्ध न्यायालय की मदद से सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि वह दो फरवरी की दोपहर एक बजे अपने कमरे में लेटी थी। तभी मोहल्ले के युवक घुस आए और महिला के मुंह में कपड़ा ठूंस कर युवकों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद महिला ने मुंह से कपड़ा निकालकर शोर मचाया तो उसका पति व सास कमरे में पहुंचे। दोनों ने जब आरोपियों को पकड़ना चाहा तो वह जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी। महिला की ओर से दोनों युवकों के विरुद्ध तहरीर कोतवाली में दी गई। मगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद महिला ने न्यायालय की शरण ली। सोमवार को न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने राहुल व सोनवा के विरुद्ध दुष्कर्म की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता की हुई मौत, पुत्र घायल

रजपुरा, अमृत विचार : धनारी थाना क्षेत्र के धनारी भिरावटी लिंक मार्ग राधा स्वामी सत्संग के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवार पिता पुत्र को टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौत हो गई, जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना धनारी क्षेत्र के गांव श्यामपुर निवासी राजू पुत्र भूप सिंह अपने 10 वर्षीय बेटे अर्जुन के साथ बाइक से रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव दीपपुर डांडा शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वह धनारी थाना क्षेत्र के धनारी भिरावटी लिंक मार्ग पर राधा स्वामी सत्संग के समीप पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में राजू पुत्र भूप सिंह उम्र करीब 40 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया।

छात्र सुदर्शन को सम्मानित करतीं ब्लॉक प्रमुख डॉ .सुगंधा सिंह। ● अमृत विचार

ब्लॉक प्रमुख ने होनहार छात्रों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: चन्दौसी इंटर कॉलेज में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के 2024 के परीक्षाफल के घोषित परिणाम में विद्यालय के इंटरमीडिएट छात्र सुदर्शन कुमार ने उत्तर प्रदेश की टॉप 10 सूची में आठवां स्थान व ज़िला की टॉप टेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

उक्त कक्षा के ही दूसरे छात्र सुधांशु ने जिला के टॉप टेन सूची में छठा स्थान पाया है। सोमवार को बनियाखेड़ा ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुगंधा सिंह विद्यालय पहुंचीं और दोनों छात्रों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, ट्रैक सूट एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उनके साथ इंस्पेक्टर दयाराम, अनुज उपाध्याय, चंद्रसेन दिवाकर भी विशिष्ठ अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक प्रेम किशोर गुप्ता, प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार समेत विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

लड्डू वाले बालाजी महाराज की शोभायात्रा निकाली

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: श्री लड्डू वाले बालाजी दरबार ट्रस्ट का 27 वां बालाजी जन्मोत्सव के तीसरे दिवस पर श्री बालाजी महाराज की शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें बालाजी महाराज को रथ पर विराजमान किया गया। श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन किया।

दरबार के महंत राकेश अग्रवाल ने श्री बालाजी महाराज की विशेष आरती कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। बालाजी महाराज के सिंहासन के आगे लोग नतमस्तक होकर निकल रहे थे। शोभायात्रा दरबार श्री बालाजी महाराज धाम सीता रोड से शुरु होकर बिसौली गेट, पुरानी पैठ, बड़ा बाजार होती हुई श्री बालाजी महाराज के मंदिर पर पहुंच कर संपन्न हुई। तत्पश्चात रामायण पाठ का समापन हुआ एवं प्रसाद वितरण किया गया। इसके उपरांत मंदिर प्रांगण में काली मां का विशेष अखाड़े का आयोजन किया गया। सेवादार संतोष कुमार ने बताया कि मंगलवार को श्री बालाजी महाराज शाही अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद संकट मोचन हवन के उपरांत श्री बालाजी महाराज का तिलक व ब्राह्मण एवं कन्या भोज के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शाम को एक शाम बालाजी के नाम भजन संध्या होगी। इस अवसर पर अभिषेक, हेमंत बालाजी, संतोष वार्ष्णेय, वीरेंद्र, अर्पित,अनीता, विनीता, ऋतु, पिंकी, सृष्टि, शिवानी, प्रियांशी, पाखी, सविता राठौर, महक, कुमकुम, राधा आदि भक्तों की भागीदारी रही।

लड्डू वाले बालाजी महाराज की शोभायात्रा में जयकारे लगातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

● बालाजी दरबार में मनाया जा रहा श्री हनुमान जन्मोत्सव

● रामायण पाठ का समापन हुआ एवं प्रसाद वितरण किया गया

दिव्यांग महिला ने लगाया घर में आग लगाने का आरो प

संभल/रजपुरा अमृत विचार : रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव उधरनपुर खागी निवासी रामकिशोर की दिव्यांग पत्नी जयवती ने सोमवार को थाने में पुलिस को तहरीर दी। कहा कि रविवार की देर रात पड़ोस का ही युवक बिना किसी बात के गाली गलौज करते हुए पथराव करने लगा। आरोप है कि युवक ने जयवती के घर में आग लगा दी। जिससे जयवती के घर में रखा खाने पीने का सामान जलकर बर्बाद हो गया। जयवती ने पुलिस से युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गवां चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि युवक मानसिक रूप से कमजोर है। युवक ने अपने घर में आग लगाई थी। जिससे महिला के घर में भी आग लग गई थी।

पत्नी से हुए विवाद के बाद कीटनाशक का सेवन किया

चन्दौसी, अमृत विचार : बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव मझावली में बाहर से ड्यूटी करके घर वापस लौटे युवक ने पत्नी से विवाद के बाद कीटनाशक का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर युवक को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। गांव मझावली निवासी पिंटू 30 वर्ष पुत्र आनंद गिरि गुजरात के अहमदाबाद में बूरा की फैक्ट्री में कार्य करता है। वह फैक्ट्री से छुट्टी लेकर सोमवार की सुबह ही घर आया। घर में युवक के पहुंचने पर खुशी का माहौल था। तभी दोपहर 12 बजे पिंटू का किसी बात पर अपनी पत्नी रेखा देवी के साथ विवाद हो गया। जिससे क्षुब्ध होकर युवक ने घर में रखा कीटनाशक का सेवन कर लिया। जब युवक की हालत बिगड़ी तो परिजनों को घटना की जानकारी हुई। युवक को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सार-संक्षेप

स्कूली बच्चों के नाक, कान, गले का किया परीक्षण

चन्दौसी, अमृत विचार : जायंट्स ग्रुप महिला शक्ति की ओर से सोमवार को जगमोहन सरस्वती विद्या मंदिर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कान, नाक, गले का परीक्षण करवाया। चिकित्सक डॉ. हिमांशु ने बच्चों के कान, नाक, गले का परीक्षण किया और दवाई दी। इस अवसर पर यूनिट डायरेक्टर क्षमा अग्रवाल ने एक महिला को कान की मशीन भेंट स्वरूप दी। इस अवसर पर अध्यक्ष इंदु अग्रवाल, मृदुल अग्रवाल, उषा, कृष्ण अवतार, रेखा रस्तोगी, कविता बच्चन, अंजू अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, आशा बिसारिया, मीरा गोयल आदि उपस्थित रहीं।

सिल्वर स्टोन स्कूल में मॉक ड्रिल करता छात्र व अग्निशमन विभाग की टीम।

बच्चों को सिखाए आग बुझाने के तरीके

चन्दौसी, अमृत विचार : सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंड्री स्कूल में अग्निशमन तकनीकियों व तरीकों के बारे में जागरुकता पैदा करने के उद्देश्य से फायर मॉक व निकासी ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं व अध्यापकों सहित स्टाफ को आग लगने पर बचाव कार्य व उसे बुझाने के तरीके सिखाए गए। जिसमें मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अपनी टीम के साथ स्कूली बच्चों व अध्यापक व स्टाफ को अग्निशमन यंत्र का उपयोग करना, आग पर काबू पाने के लिए उपकरणों के प्रयोग करने की जानकारी दी। विद्यालय में छात्र-छात्राओं के मध्य अग्नि सुरक्षा पर निबंध, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान अग्निशमन कार्यालय के प्रभारी ओम सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य कपिल दीप सहित स्टाफ मौजूद रहा।

रैली निकालते जायंट्स सखी सहेली के पदाधिकारी व विद्यालय का स्टाफ।

रैली निकाल ग्रामीणों को मतदान के प्रति किया जागरूक

बनियाठेर/चन्दौसी, अमृत विचार : जायंट्स ग्रुप ऑफ सखी सहेली की ओर से सोमवार को कंपोजिट विद्यालय भुलाबई में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में छात्र-छात्राएं हाथों में जागरुकता के नारे लिखी तख्तियां व बैनर लेकर चल रहे थे और ग्रामीणों को सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। रैली गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए विद्यालय पहुंच कर संपन्न हुई। रैली के बाद ग्रुप के पदाधिकारियों ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को जूस और बिस्किट का वितरण किया। साथ ही गर्मी के मौसम के चलते विद्यालय को वाटर कूलर भेंट स्वरूप दिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका नीरजा समेत आलोक गुप्ता, अंशु, विकास यादव, प्रतीक, अलका सिंह, सोनिया आदि मौजूद रहे।

गांधी पार्क में सफाई अभियान चलाते एबीसी मांटेसरी के बच्चे। ● अमृत विचार

गांधी पार्क में चलाया सफाई अभियान

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: एबीसी किड्स मांटेसरी स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित हुए धरती बचाओ जीवन बचाओ कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। सोमवार की सुबह दस बजे स्कूली बच्चे शिक्षिकाओं के साथ गांधी पार्क में पहुंचे और यहां सफाई अभियान चलाया। बच्चों ने काफी संख्या में सूखा कूड़ा एकत्र कर कूड़ेदान में डाला। जिसे बाद में नगर पालिका के कूड़ेदान में फिकवा दिया गया। पृथ्वी दिवस पर बच्चों को साफ-सफाई के प्रति जागरुक किया गया। साथ ही उनसे अन्य बच्चों को भी जागरूक करने की बात कही गई। विद्यालय संचालिका संगीता भार्गव ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस मनाने का मकसद लोगों को पृथ्वी के महत्व को समझाना व पर्यावरण को बेहतर बनाए रखना है। इस दौरान दिव्या, प्रिया, काजल, इशिता, रुपाली, शालू, दीक्षा, दीपाली, सोनल, मनप्रीत, सरिता आदि शिक्षिकों मौजूद रही।

प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते चुनाव प्रेक्षक। ● अमृत विचार

चुनाव प्रेक्षकों ने प्रत्याशियों को पढ़ाया आचार संहिता का पाठ

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व पारदर्शिता से संपन्न कराने के लिए सामान्य प्रेक्षक अमित कुमार व व्यय प्रेक्षक के. मिस्त्री ने चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों के साथ बैठक कर सीधा संवाद किया। उन्होंने प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों को आचार संहिता का पाठ पढ़ाया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सामान्य प्रेक्षक अमित कुमार व व्यय प्रेक्षक के. मिस्त्री ने प्रत्याशियों से सीधा संवाद कर निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन, वाहनों,जनसभा, रैली, विज्ञापन, आदर्श आचार संहिता सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की और आचार संहिता का पाठ पढ़ाया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मनीष बंसल ने कहा कि सोशल मीडिया पर अगर कोई भ्रांतियां फैलाता है तो उसके विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के तहत कार्रवाई की जाएगी। यदि प्रत्याशियों को चुनाव से संबंधित कोई समस्या होती है तो वह संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी प्रत्याशी द्वारा समाचार पत्र या टीवी पर विज्ञापन दिया जाता है तो उसका खर्च प्रत्याशियों के व्यय में जुड़ेगा।

प्रेक्षक अमित कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा व्यय की निगरानी की व्यापक व्यवस्था की गयी है। व्यय निगरानी इसलिए है कि ताकि सभी प्रत्याशियों को समान रूप से प्रचार प्रसार का अवसर मिल सके। सभी प्रकार की प्रचार सामग्रियों की दर निर्धारित की गई हैं। सूची और दर प्रत्याशियों को उपलब्ध करा दी गई है। अधिकतम व्यय की सीमा भी निर्धारित है। उन्होंने कहा कि उम्मीद यह की जाती है कि प्रारूप के आधार पर प्रत्याशी प्रचार सामग्री, प्रचार वाहन, रैली या अन्य कार्यक्रम के लिए अपना आवेदन करेंगे। जिसमें अनुमानित लागत दिखानी होगी।

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, मुरादाबाद

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय / व्यवसायिक / रेन्ट / नूजल/इम्प्रूवमेंट-ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तांतरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	मूल आवंटी/पट्टाधारक/ स्वामी का नाम	भूखण्ड/भवन /फ्लैट संख्या	योजना का नाम	मृत्यु/विक्रय विलेख दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी /क्रेता का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं का नाम	मूल आवंटी से आवेदक का सम्बन्ध
1	श्री वसीम मसरूर खान पुत्र श्री मसरूर अली खान निवासी-दीवान का बाजार, कटरा बंशीधर, मुरादाबाद।	एम.एम.आई.जी. भूखण्ड सं0-एम. एम.ए-246	एकता विहार उत्तरी योजना	(विक्रय विलेख) 20.08.2022	कु० अज़मीना जाकिर पुत्री श्री जाकिर खाँ मरहूम निवासी- मौ० मुगलपुरा प्रथम इस्माईल बेग की मस्जिद शहर, मुरादाबाद। मो० नं0-8979745208	—	विक्रेता/क्रेता
2	श्री रफी उर्रहमान पुत्र श्री बली उर्रहमान निवासी- 54 लाजपत नगर, मुरादाबाद उ०प्र०।	भूखण्ड सं0-11 डी/26	नया मुरादाबाद योजना	(उपहार विलेख) 01.12.2023	श्री सूरज पाल पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी-ग्राम बराही, तहसील व जिला-सम्भल, उ०प्र०। मो०नं०-9455419188	—	विक्रेता/क्रेता
3	श्रीमती रेशमा बेगम पत्नी मौ. नईम व पुत्री मौ० लईक, निवासी डेहरिया, रफीक मंजिल, मुरादाबाद।	एम.एम.आई.जी. -1 भूखण्ड सं0-194	आजाद नगर योजना	(विक्रय विलेख) 06.07.2013	श्रीमती अम्बर महमूद पत्नी श्री सईयद अरशद अली, निवासी- म०नं० 43, निकट नाज फोटो स्टेट, सम्भली गेट, मुरादाबाद। मो०नं० 7457073704	—	विक्रेता/क्रेता
4	श्री राजीव गुप्ता व श्री संजय गुप्ता पुत्रगण स्व० रमेश कुमार गुप्ता निवासीगण जेड-58, मानसरोवर कालोनी, साई अस्पताल के पीछे, मुरादाबाद।	भूखण्ड सं0-जेड-54	मानसरोवर योजना	(विक्रय विलेख) 04.03.2024	श्रीमती रेनू गुप्ता पत्नी श्री राजीव गुप्ता निवासी-गुप्ता इन्डस्ट्रीज, ऋषिकुल रोड, सिंहमन हजारी, कटघर, मुरादाबाद उ०प्र०। मो0नं0-9456690460	—	विक्रेता/क्रेता
5	श्रीमती यासमीन शान पत्नी श्री फरीद अहमद निवासी- एकता गली, नवाबपुरा, शहर मुरादाबाद हाल निवासी ई/166, गैलेक्सी अपार्टमेन्ट निकट पुलिस अस्पताल, सिविल लाइन्स, शहर व जिला-मुरादाबाद	दुर्बल आय वर्ग भवन सं0-क-05	कबीर नगर योजना	(विक्रय विलेख) 23.01.2023	श्री दाउद अली पुत्र श्री असगर अली निवासी-ग्राम मुस्तफाबाद, मोमीन नगर, तहसील व जिला- मुरादाबाद। मो० नं0-7351638010	—	क्रेता/विक्रेता
6	श्री पुनीत कुमार पुत्र श्री तिलक राज कपूर निवासी- 348, हरगोविन्द नगर, फगवाड़ा।	भूखण्ड सं0-8बी/173	नया मुरादाबाद योजना	(विक्रय विलेख) 20.07.2022	श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री किशन लाल, निवासी-चाऊ की बस्ती, लाईनपार, शिव मंदिर के पास शहर व जिला मुरादाबाद। मो0नं0-6396478537	—	विक्रेता/क्रेता
7	मैसर्स स्पलेण्डर लैण्ड बैस लिमिटेड द्वारा अधिकृत श्री वीरेन्द्र मेहता पुत्र श्री केवल कृष्ण, यूनिट नं0-501 -511, पांचवी मंजिल, स्पलेण्डर फोरम, प्लाट नं० 03, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर जसौला, नई दिल्ली।	भूखण्ड सं0-12ए/सी-96/02 (अंश भाग) क्षेत्रफल 245.80 वर्ग मी0	नया मुरादाबाद योजना	(विक्रय विलेख) 01.11.2022	शाने जुनैद, शाने रब व मौहम्मद शाहनवाज पुत्रगण श्री राशिद हुसैन, निवासीगण-सी-04, जिगर कालोनी, जनपद मुरादाबाद । मो0नं0-8755580555	—	विक्रेता/क्रेता
8	मैसर्स स्पलेण्डर लैण्ड बैस लिमिटेड द्वारा अधिकृत श्री वीरेन्द्र मेहता पुत्र श्री केवल कृष्ण, यूनिट नं0-501 -511, पांचवी मंजिल, स्पलेण्डर फोरम, प्लाट नं० 03, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर जसौला, नई दिल्ली।	भूखण्ड सं0-12ए/सी-96/01 (अंश भाग) क्षेत्रफल 641.75 वर्ग मी0	नया मुरादाबाद योजना	(विक्रय विलेख) 01.11.2022	मौहम्मद शाहनवाज, शाने रब व शाने जुनैद, पुत्रगण श्री राशिद हुसैन, निवासीगण-सी-04, जिगर कालोनी, जनपद मुरादाबाद। मो0नं0-7017711462	—	विक्रेता/क्रेता
9	श्री राजीव गुप्ता पुत्र श्री विनय कुमार निवासी-5/12, जयदेव पार्क, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26	भूखण्ड सं0-15 बी/58	नया मुरादाबाद योजना	(विक्रय विलेख) 21.09.2017	श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री किशन लाल, निवासी-म०नं० 42, मौहल्ला चाऊ की बस्ती, गली नं. 02, निकट शिव मंदिर, लाईनपार, जनपद-मुरादाबाद। मो0नं0-9457635760	—	विक्रेता/क्रेता

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन को सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो, तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम-06 में अंकित व्यक्ति के नाम दर्ज करा लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी सम्पत्ति

धर्म दर्शन

चारों वेदों के ज्ञाता थे हनुमान

भगवान श्रीराम का वन गमन धरती पर ज्ञान, शील, आदर्श, संस्कार, नैतिकता आदि गुणों की स्थापना के लिए माता सरस्वती की इच्छा से हुआ। देवताओं के कहने पर मां सरस्वती मंथरा के मस्तिष्क में प्रवेश कर गयी थीं। वन में पत्नी सीता के हरण के बाद भगवान श्रीराम की भेंट ऋष्यमूक पर्वत पर रहने वाले सुग्रीव के मंत्री श्रीहनुमान से होती है। श्रीराम हनुमानजी से पहली मुलाकात में ही जान जाते हैं कि हनुमान चारों वेदों के ज्ञाता हैं।

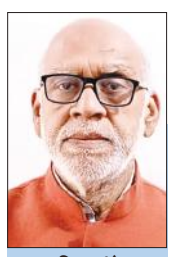

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वाल्मीकि रामायण के किष्किन्धाकाण्ड के तृतीय सर्ग के 29 से 36 तक के श्लोक में खुद श्रीराम कहते हैं कि 'लक्ष्मण! हनुमान की बातों से प्रकट होता है कि इन्हें चारों वेदों, भाषा, व्याकरण का उत्कृष्ट ज्ञान है।' श्रीराम को उस पात्र की तलाश थी जिसके माध्यम से वे ज्ञान के प्रकाश को धरती के कोने कोने तक अधिष्ठापित कर सकें। रावण द्वारा ज्ञान के नकारात्मक प्रयोग को सकारात्मक बनाने के लिए ही भगवान ने हनुमान जी को लंका भेजा जिन्होंने मन-बुद्धि-चित्त और अहंकार से उत्पन्न विकृतियों को जलाने का काम किया।

दरलसल सत्ययुग में देवताओं का स्मरण करने से वे पृथ्वी पर आ जाते थे। इसका आशय है कि पृथ्वी पर ज्ञान का महत्व था। ज्ञान के बल पर दस मूर्त इंद्रियों एवं 4 मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार जैसे अमूर्त रूप में तालमेल बना रहता है। लेकिन युग में आए बदलाव के चलते त्रेतायुग में देवताओं का मंत्रों से जब आवाहन किया जाता था, तब देवता आते थे। इन मंत्रों का प्रयोग उच्च जीवनशैली जीने का विधिक तरीका है। लेकिन समय हमेशा बदलाव लाता है। द्वापर में यज्ञ-अनुष्ठान से देवता आते रहे। यज्ञ-अनुष्ठान व्यक्ति को कर्म से जोड़ता है। त्रेता का ज्ञान और द्वापर का कर्म ही विकास की प्रक्रिया है। युग बदला। भौतिक पदार्थों की महत्ता वाले कलियुग में सदाचरण से भगवान को वश में करने के लिए शास्त्रों ने ज्ञान, कर्म के साथ निर्मल मन तथा भाव बनाने पर जोर दिया। परपीड़ा से बचने के लिए भगवान के सद्गुणों का निरन्तर चिंतन करने पर बल दिया।

इस प्रकार श्रीराम का वनगमन का उद्देश्य प्रकृति से जुड़े रहने का भी सन्देश है। विज्ञान के वर्तमान युग में भगवान श्रीराम का श्री हनुमान को गले लगाने का आशय भी महर्षि पतंजलि के योग शास्त्र की महत्ता को प्रतिपादित करता है। श्री हनुमान पवन के पुत्र हैं। गोस्वामी तुलसीदास के 'हरि प्रेरित तेहि अवसर चले मरुत्त उनचास' (सुंदरकांड, 25) से स्पष्ट है कि पवन में उनचास प्रकार के गैसतत्व हैं। हनुमान जी प्राणतत्व (आक्सीजन) के रूप में हैं जिसके शरीर में प्रवेश करने पर विकार रूपी व्याधियां नष्ट होती है। हनुमानचालीसा में 'अस कहि श्रीपति कंठ लगावे' से भी स्पष्ट होता है कि मनुष्य के कंठ में स्थित थायराइड ग्लैंड मॉनव शरीर की बेहतरी में महत्त्वपूर्ण कार्य करता है। यह ऐसा ग्लैंड है जहां से T3, T4 नामक हार्मोन्स बनता है जो पूरे तन-मन को स्वस्थ करता है। यही हार्मोन्स ऋषियों की दृष्टि में 'श्रीहरि' जैसा है। दस इंद्रियों वाले इस शरीर में पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति का योग ही सबसे सशक्त माध्यम है तो भगवान श्रीराम के वनगमन का आशय प्रकृति से जुड़ना परिलक्षित होता है तथा वायुमंडल में व्याप्त 15 प्रतिशत प्राणवायु (आक्सीजन) की महत्ता की ओर इंगित करता है। चारों वेदों का पूरा ज्ञान न भी हो सके तो शस्त्रों में सदाचार के जो तौर-तरीके बताए गए हैं, उनपर अमल करने का किंचित प्रयास भी हनुमान जी की उपासना है। क्योंकि इसी से 'बल-बुधि-विद्या देहि मोहिं' को साकार किया जा सकता है। हनुमानचालीसा में 'भूत-पिशाच निकट नही आवें' चौपाई में जिस भूत और पिशाच का जिक्र है वह मानसिक विकारों से मुक्ति की ओर इंगित करता है। भूत जहां भ्रांति का सूचक है वहीं पिशाच यज्ञ-अनुष्ठान में व्यवधान डालने वाले राक्षस को नहीं कहते बल्कि जो मस्तिष्क का खून पीता है, उसे बताया गया है। काम-क्रोध-मद-लोभ ऐसे मानसिक पिशाच जीवन को नारकीय बनाते हैं। रावण से युद्ध में लक्ष्मण को शक्तिबाण लगने पर आई मूर्छा को हनुमान जी प्राकृतिक ढंग से संजीवनी बूटी लाकर करते हैं। लक्ष्मण के शरीर में विषैले गैसों से आई मूर्छा के इस उपचार को वर्तमान मेडिकल साइंस के मरणासन्न व्यक्ति को तत्काल आक्सीजन गैस के उपचार की पद्धति से लिया जाना चाहिए। प्रकृति के देवता शंकर के 11वें अवतार से भी स्पष्ट है कि हनुमान की कृपा से दसों इंद्रियों के साथ ग्यारहवें मन को शुद्ध एवं पवित्र रखा जा सकता है।

विश्व का भरण-पोषण एवं कल्याण करने वाले अग्निदेव

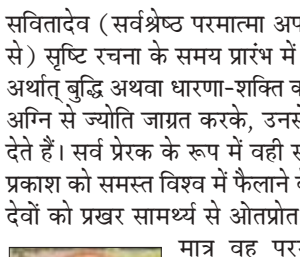

ओमप्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक

सवितादेव (सर्वश्रेष्ठ परमात्मा अपने संकल्प शक्ति से) सृष्टि रचना के समय प्रारंभ में मनस्तत्व एवं धी अर्थात् बुद्धि अथवा धारणा-शक्ति का विकास करके, अग्नि से ज्योति जाग्रत करके, उनसे भूमंडल को भर देते हैं। सर्व प्रेरक के रूप में वही सवितादेव व्यापक प्रकाश को समस्त विश्व में फैलाने के लिए सूर्य आदि देवों को प्रखर सामर्थ्य से ओतप्रोत कर देते हैं। एक मात्र वह परमात्म चेतना ही समस्त कर्मों का ज्ञाता है और संपूर्ण विश्व का सृजेता एवं धारणकर्ता है। सब के प्रकाशक उन सविता देवता की स्तुति माहिमामयी है। जिन सवितादेव के कर्म, महिमा और सामर्थ्य शक्ति का अन्य सभी देवता अनुभव करते हैं, जो अपनी उत्पादक-क्षमता से संपूर्ण लोकों के रचयिता है, वे स्रष्टा रूप सवितादेव अपनी सृजनशीलता से इस विश्व ब्रह्माण्ड में सर्वत्र संव्याप्त हैं।

हे सवितादेव! यज्ञीय कर्मों की प्रेरणा आप सभी को दें। यज्ञ कर्म संपादित करने वालों को ऐश्वर्य-संपदा से युक्त करके सत्कर्म की ओर प्रेरित करें। दिव्य ज्ञान के संरक्षक, वाणी के अधिपति आप हमारे ज्ञान में पवित्रता का संचार करें और हमारी वाणी में मधुरता का समावेश करें। आप देवों के पोषक, मैत्री भाव के विस्तारक, यज्ञीय ऊर्जा के संयोजक और सुख समृद्धि प्रदान करने वाले हैं। आप हमारे इस यज्ञ को सफल बनाएं। श्रेष्ठ भावना से युक्त हमारी इस आहुति को

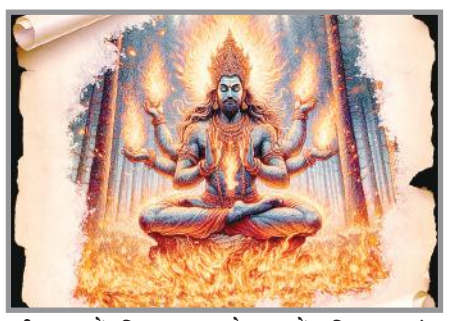

स्वीकार करें। दिव्य प्रकाश के रूप में अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त, तिरछी ज्योति से फैलने वाले, दीर्घकाल तक व्यापक विस्तार करने वाले हे अग्ने! अन्नादि आहुतियों से शक्तिशाली और प्रत्यक्षतः दृश्यमान आपको, योगस्थ मन से घृत द्वारा यज्ञ हेतु प्रज्वलित करते हैं। आप नष्ट न होने वाली ज्वालाओं से, इस प्रदत्त आहुति को ग्रहण करें।

अखिल विश्व का भरण-पोषण एवं कल्याण करने वाले हे अग्निदेव! सर्वप्रथम अथवा ऋषि ने आपको भली प्रकार मंथन द्वारा उत्पन्न किया और सम्मानपूर्वक उच्च स्थान पर स्थापित किया। हे होता रूप अग्निदेव! सब कर्मों के ज्ञाता आप अपने प्रतिष्ठित स्थान को सुशोभित करें और श्रेष्ठ कर्मरूपी यज्ञ को संपन्न करें। देवों की तरह तृप्त करने वाले हे अग्ने! आप याजकों द्वारा प्रदत्त आहुति से देवताओं को आनंदित करते हुए याजकों को धन-धान्य एवं दीर्घायुष्य प्रदान करें। आप मधुर, स्निग्ध, रसरूप जल को उत्पन्न करें जो वृष्टि द्वारा पृथ्वी को सिंचित करे। उससे उत्पन्न हुई फलवती औषधियां याजक के रोगों को रोकने में समर्थ हों।

ऊर्ध्वमुख (यज्ञकुंड) से युक्त हे पृथिवि! आपका जो विशाल हृदय है, आप उसको मातृवत् प्राणशक्ति की संचारक वायु, जल एवं वनस्पतियों से पूर्ण करें। हे वायुदेव! आप दिव्य प्राण-ऊर्जा के साथ संचालित होते हैं, अतः यह पृथ्वी आपके निमित्त कल्याणप्रद हो। हे अग्निदेव!

सर्वोत्पादक सविता देवता जिस प्रकार अंतरिक्ष से हम सब की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार आप भी ऊंचे उठकर अन्न आदि पोषक पदार्थ देकर हमारे जीवन की रक्षा करें। मंत्रोच्चारण पूर्वक हवि प्रदान करने वाले याजक आपके प्रज्वलित स्वरूप का आवाहन करते हैं।

शाश्वत, सत्यस्वरूप, अविनाशी अग्निदेव को अंगिरा के समान ही हम परिपुष्ट करते हैं। हे समस्त ओषधिरूप हवियों! आप मंगलमय यज्ञकुंड में स्थित अग्निदेव को समर्पित होकर आनंद प्रदान करें। हे ओषधियों! आप पुष्पयुक्त और उत्तम फलों से युक्त होकर यज्ञाग्नि रूपी ऊर्जा को ग्रहण करें। यह अग्नि गर्भरूप में ऋतु के अनुरूप उत्पन्न होती है। यह यहां प्राचीन समय से ही स्थित है। हे जलसमूह! आप सुख के मूल स्रोत हैं, अतः आप पराक्रम से युक्त, उत्तम, दर्शनीय कार्य करने के लिए हमे परिपुष्ट करें। आपका जो सबसे कल्याणप्रद रस यहां विद्यमान है, उस रस के पान में हमें वैसे ही सम्मिलित करें, जैसे वात्सल्य स्नेह से युक्त माताएं अपने शिशुओं को कल्याणकारी दुग्धरस से पुष्ट करती हैं। जिस प्रकार परमेश्वर, सूर्यदेव के द्वारा अंतरिक्ष और भूमि को प्रकाशित करते हैं, उसी प्रकार हम भी श्रेष्ठ गुणों से युक्त जातवेदस् अग्नि को प्रजाओं के आरोग्य लाभ हेतु प्रज्वलित करते हैं।

पौराणिक ग्रंथों में असुर

डॉ. अजित कुमार सिंह
सेवानिवृत, पुलिस महानिरीक्षक

वाल्मीकि रामायण (उ.61/ 24) में उल्लिखित, मधुपुरी नरेश, कुख्यात असुर राज, लवण का उल्लेख है इसके पिता, भगवान शिव के भक्त मधु ने, अपने आराध्य की कृपा से यमुना के तटवर्ती भूभाग को विजितकर मधुवन के निकट मधुपुरी के नाम से नगर बसा एक स्वतंत्र राज्य की नींव डाली थी। लंकाधिपति राक्षसराज रावण की बहन कुंभीनसी मधु की पत्नी से लवण का जन्म हुआ था। स्पष्ट है कि रावण, लवणासुर का सगा मामा था। भगवान शिव से प्राप्त वरदान के कारण लवण के हाथों में शिव के वरद त्रिशूल के रहते वह अवध्य और अविजित था (वा.रा.उ.61/24)। इसी शूल के बल के अहंकार ने उसको आततायी बना दिया था। उसके विरूद्ध शस्त्रास्त्र धारी शत्रु की मृत्यु निश्चित थी।

श्रीराम द्वारा वनवास की समाप्ति और लंका विजय के बाद अयोध्या का राज्य भार ग्रहण करने के कुछ दिनों बाद अयोध्या पहुंच ऋषिगण च्यवनभार्गवादि ने आततायी बन चुके लवणासुर के अत्याचारों शिकायत कर उससे अभय दान का अनुरोध किया था। श्रीराम के आदेश पर अयोध्या से ससैन्य शत्रुघ्न ने उस पर आक्रमण किया था। मार्ग में शत्रुगघ्न ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में रात्रि विश्राम किया था। वहीं बनी रणनीति के अनुपालन में शत्रुघ्न ने लवणासुर की अनुपस्थिति में उसके राज भवन पर आक्रमण कर पहले वरदान प्राप्त भगवान शिव के कालजयी त्रिशूल को लवण की पहुंच से दूर कर, उसको युद्ध के लिए आमंत्रित कर मार डाला और मधुपरी को जलाकर वहीं पर "मथुरा" नगर का निर्माण कर वहीं अपनी राजधानी स्थापित किया (ब्रह्माण्ड3/186,वायु88/184-186,भाग.9/11/14)। राज्य का मधुवन नाम बदल शूरसेन कर दिया। कालांतर में इसी नाम से 'शूरसेन' प्रदेश सुविख्यात हुआ। लवणासुर के विरूद्घ अभियान कर अतीत में चक्रवर्ती सम्राट मान्धाता त्रिशूलधारी लवण के समक्ष, सैन्य आत्मघात कर चुका था (महाभा.अनु.14/267_68)। पुराणों में, दैत्य, दानव एवं राक्षस, 'असुर'शब्द के पर्याय या समानार्थी हैं। ऋग्वेद में 'असुर' शब्द दिव्य शक्ति संपन्न, ऊर्जावान मानव समूह के लिए प्रयुक्त होता था और उन गुणों संपन्न मानवों-अदितपुत्र देवों, दितिपुत्र दैत्यों, दनु पुत्र दानवों की मानद उपाधिया संबोधन असुर हुआ करता था। बाद में स्वार्थ जनित परिस्थितियों ने, सुविधा भोगी, सुराप्रेमी सर्व सुविधा संपन्न स्वर्ग के सत्ताभोगी, विलास प्रिय देवताओं के विरूद्घ दैत्यों और दानवो को एक कर सशस्त्र संघर्ष को आमंत्रित कर दिया। यक्ष,गंधर्व, वानर, नाग आदि समूह के बहुत से लोगों ने बिना किसी श्रम, यज्ञों, कर्मकाण्डों आदि के नाम पर सुविधा भोगी देवताओं के विपरीत, यज्ञों, कर्म काण्डों का विरोध कर बिना पूर्व निर्धारित कर या उपहार लिए सर्वसमूह की रक्षा का व्रत लिया। उन्होंने "वयं रक्षामः" की घोषणा कर 'राक्षस' का सम्मानित विरूद् प्राप्त किया। कालान्तर में जब असुर समाज या समूह ने भी पर पीडन, लूटखसोट, अन्याय, अत्याचार एवं कामांधता का के कुमार्ग पर चलना शुरू कर दिया तब उनके गुणात्मक संबोधनों के सम्यक् अर्थ ही अनर्थ में बदल गए। यही नहीं दैत्य- दानवों के सशक्त और ऊर्जावान मान व समूह (परवर्ती जातिसंघ) असुर का अनर्थ प्रचलित हो गया।

बिजनौर-आसपास

एक नजर

शोकसभा में ग्राम प्रधान को अर्पित की श्रद्धांजलि

नहटौर, अमृत विचार : विकास खंड कार्यालय में एक शोक सभा आयोजित कर पूर्व ब्लॉक प्रमुख व ग्राम प्रधान मुमताज अहमद को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गांव मुस्सेपुर पाली के ग्राम प्रधान मुमताज अहमद की तबीयत खराब होने पर परिजन धामपुर के एक निजी अस्पताल ले गए थे। मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में ही ग्राम प्रधान मुमताज की मौत हो गई थी। लोगों ने उन्हें गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक कर दिया था। इस क्रम में सोमवार को ब्लॉक कार्यालय पर एक शोक सभा आयोजित की गई। इसमें ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार ने कहा कि ग्राम प्रधान एक मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे और गरीबों की सेवा करते रहते थे। इस मौके पर दो मिनट का मौन रखकर मृतक प्रधान मुमताज अहमद की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह व ब्लॉक कर्मचारी मौजूद रहे।

एचएम गर्ल्स इंटर कॉलेज में इकरा ने किया टॉप

सहसपुर, अमृत विचार : एचएम गर्ल्स इंटर कॉलेज का इंटरमीडिएट व हाई स्कूल परीक्षा परिणाम उत्तम रहा। इंटरमीडिएट की छात्रा इकरा परवीन ने विज्ञान वर्ग में 85 .60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इल्मा परवीन ने 84 .40 अंक पाकर दूसरे स्थान पर रहीं। हाईस्कूल में इंशा नाज 77 प्रतिशत अंक पाकर प्रथम रहीं। स्कूल प्रबंधक आफताब आलम ने बताया कि उनके विद्यालय में इंटरमीडिएट का परीक्षा फल 93 प्रतिशत और हाईस्कूल का 95 प्रतिशत रहा। उन्होंने विद्यार्थियों के सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए अध्यापक व अध्यापिकाओं एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए सुखद भविष्य की कामना की।

नगीना मार्ग पर नीलगाय से टकराई कार क्षतिग्रस्त

नगीना, अमृत विचार : शेरकोट निवासी मोहम्मद शलीक अपने परिवार के साथ कार से बढ़ापुर जा रहा था। उसकी कार बढ़ापुर-नगीना मार्ग पर गांव काजीवाला नंदपुर के बीच पहुंची तो रोड पार कर रही नीलगाय से कार टकरा गई। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार में सावर शरीक के परिवार के सभी लोग सकुशल बच गए। राहगीरों ने वन विभाग को घटना की सूचना दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

हत्याकांड में शामिल युवक का गोली लगा शव कार में मिला

पिता ने हत्या का आरोप लगाया, पिस्टल व मोबाइल भी बरामद

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार : मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे पर गांव झलरा के पास स्थित एक चकरोड पर सोमवार सुबह कार में युवक का गोली लगा शव मिला। उसके पास पिस्टल और मोबाइल भी मिला। मृतक के परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस आत्महत्या मान रही है। हत्याकांड में शामिल युवक पांच माह पहले ही जमानत पर जेल से छूट कर आया था।

रोहन

शहर कोतवाली क्षेत्र के नजीबाबाद रोड स्थित झलरा के पास त्रिलोकपुरी के रहने वाले रोहन का शव खुद की कार में खून से लथपथ पड़ा मिला। रोहन देर शाम घर से निकला था और सुबह तक घर नहीं पहुंचा। परिवार वालों ने उसकी काफी तलाश की। बताया जा रहा है कि युवक का शव कार की ड्राइविंग सीट पर था। जबकि उसके बराबर की सीट पर मोबाइल रखा हुआ था। पास ही एक पिस्टल भी पड़ा हुआ था। मृतक के पिता संजीव का कहना है कि उनका बेटा देर शाम घर से गया था। सुबह तक उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। फिर सुबह उसका शव कार में मिला। पिता का कहना है कि उसके बेटे की किसी ने हत्या कर दी है। कॉल डिटेल से ही पूरे घटना का पता चलेगा। बताया गया कि रोहन एक कॉलेज का पूर्व छात्र है। जो उसी कॉलेज के सामने 23 नवंबर 2022 को हुए शामिक हत्याकांड में अपने साथी यश कुमार के साथ जेल गया था। यश अभी जेल में ही बंद है, जबकि रोहन की करीब पांच माह पहले जमानत हो गई थी। जेल जाने की वजह से उसकी पढ़ाई भी बीच में छूट गई थी। पिता का कहना है कि उसकी किसी से कोई रंजिश नहीं है। एक मामले में उसे फंसा कर जेल भेजा गया था। फिलहाल वह घर पर ही था। इस मामले में सीओ सिटी संग्राम सिंह का कहना है कि सोमवार को बंद कार में एक युवक का शव मिला है। उसके गन शॉट इंजरी है। पास में ही पिस्टल भी पड़ी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

खेत में काम कर रहे किसान पर गुलदार ने किया हमला, घायल

संवाददाता, हल्दौर

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव फरीदपुर सदिरान के जंगल में गुलदार ने खेत में काम कर रहे किसान पर हमला कर घायल कर दिया। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने मौके पर पहुंचकर बमुश्किल जान बचाई। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। ग्रामीणों ने गन्ने के खेत में घुसे गुलदार की घेराबंदी कर घेर लिया। वन विभाग की टीम ने गुलदार को पकड़ने के लिए जाल लगाया।

गांव फरीदपुर सदिरान निवासी किसान वीर सिंह का पुत्र विपिन कुमार (30) सोमवार सुबह आठ बजे अपने खेत में कार्य करने में व्यस्त था। इस दौरान गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। इससे विपिन गंभीर रूप से घायल हो गया। चीख पुकार सुनकर खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे तो गुलदार

● फरीदपुर सदिरान की घटना
गुलदार को पकड़ने की मांग

वन विभाग की टीम ने लगाया पिंजरा।

भाग गया। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अम्हेड़ा निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। किसानों ने घटना की सूचना फोन पर वन विभाग की टीम को दी। वन विभाग के दरोगा सौरभ चौधरी, दरोगा मदनपाल सिंह, वनरक्षक संजय मठबाल, अमित कुमार, नरपल सिंह, आदि टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन दरोगा सौरभ चौधरी का कहना है कि गन्ने के खेत के चारों तरफ जाल लगाकर पिंजरा लगा दिया गया है। गुलदार को शीघ्र ही पकड़ लिया जाएगा।

सार-संक्षेप

महिला की मौत के मामले में पति के खिलाफ तहरीर

नहटौर, अमृत विचार : नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान महिला की हालत बिगड़ने के बाद उपचार के दौरान मौत होने के मामले में तीन लाख रुपये में समझौता हो गया। मायके वालों ने महिला के पति के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव सीकरी बुजुर्ग निवासी एक महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान शिवम नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि महिला ने बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के दौरान महिला की हालत बिगड़ गई। उसे बिजनौर रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। नगीना निवासी मायके वालों को पता चलने पर उन्होंने दामाद पर तीन लाख रुपये लेने का आरोप लगाया। कहा कि उसकी पुत्री को दामाद दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। उसकी पति के साथ मारपीट भी की गई। जिससे समय से पूर्व उसे पीड़ा होने लगी और उसकी पुत्री की मौत हो गई। नर्सिंग होम संचालक का कहना है कि नर्सिंग होम में मृत्यु नहीं हुई है। सही समय पर रेफर कर दिया गया था।

महिला के घर से आभूषण व नकदी चोरी

बढ़ापुर,अमृत विचार : शादी में गई महिला के घर में घुसकर चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी कर ली। थाना प्रभारी मामला संज्ञान में होने से इनकार रहे हैं। गांव शाह अलीपुर कोटरा उर्फ गांवड़ी में फात्मा मकान में रविवार रात्रि चोर घुस गए। यहां वे आभूषण व नकदी चोरी कर ले गए। महिला अपने पुत्र की शादी के लिए तैयारी कर रही थी। रविवार को वह अपने एक रिश्तेदार के यहां गांव चिलकिया में शादी में गई थीं। तभी चोर झाले, सोने का सिक्का, गले का हार, सोने के कुंडल व चांदी की जड़ी, पाजेब सहित करीब 21000 की नकदी, कपड़े ले गए। सोमवार को महिला घर लौटी तो चोरी का पता चला। फात्मा ने बताया कि सूचना के बाद हलका दरोगा पुलिस बल के साथ जांच करने मौके पर पहुंचे थे। जल्द ही चोरी का खुलासा करने का आश्वासन के बाद लौट गए थे। लेकिन तहरीर के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। थाना प्रभारी निरीक्षक कोमल ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया जनसंपर्क

हापुड़, अमृत विचार : भाजपा कार्यकर्ता ने अतारपुरा चौराहा रेलवे रोड पर व्यापारियों व राहगीरों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए आग्रह किया। इस दौरान प्रफुल्ल सारस्वत, चक्रवर्ती, गर्ग मान सिंह, पुनीत गोयल, कपिल, श्यामेंद्र त्यागी, कविता, डॉ. पायल गुप्ता, मनोरमा रघुवंशी, अलका, मुनेश त्यागी आदि शामिल रहे।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

किरतपुर, अमृत विचार : शहर क मोहल्ला भुड्डी निवासी अजय (26) पुत्र तुलाराम सोमवार शाम घर अकेला था। उसने अपने कमरे की छत के पंखे के सहारे फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। अजय की पत्नी व माता मोहल्ले में ही एक शादी कार्यक्रम में गई थीं। जब उन्होंने आकर देखा तो अजय फंदे से लटका हुआ था। लोगों ने उसे फंदे से नीचे उतरा और नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पड़ोसियों ने बताया कि अजय की शादी तीन वर्ष पहले हुई थी। इसका एक वर्ष का पुत्र भी है।

चुनाव में ड्यूटी पर आया गोंडा का होमगार्ड गायब

बिजनौर, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मतदान ड्यूटी पर गोंडा से आया होमगार्ड श्याम चौबे लापता हो गया है। होमगार्ड पोलिंग पार्टी रवाना होने के दौरान बिजनौर के वर्धमान डिग्री कॉलेज में पहुंचा, लेकिन वहां से गायब हो गया। होमगार्ड कंपनी के इंचार्ज ने शहर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।

आचार संहिता उल्लंघन में जयाप्रदा ने दर्ज कराए बयान

रामपुर, अमृत विचार : आचार संहिता उल्लंघन मामले में सोमवार को पूर्व सांसद जयाप्रदा एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में पेश हुईं। उन्होंने 313 सीआरपीसी के बयान दर्ज कराए। इस मामले में अब दो मई को सुनवाई होगी। जयाप्रदा ने 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ा था। इस दौरान केमरी थाने में उनके खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। कोर्ट ने उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू से लेकर 82 तक की कार्रवाई की थी। बाद में वह कोर्ट में पेश हुई थीं। इसके बाद कोर्ट ने वारंट रिकॉल कर लिए थे। केमरी से जुड़े मामले में सोमवार को जयाप्रदा ने कोर्ट में 313 के बयान दर्ज कराए।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

किरतपुर, अमृत विचार : ट्रेन की चपेट में आने किसान की मौत हो गई। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है।

गांव छितावर निवासी जयप्रकाश (37) रविवार शाम परिजनों के साथ खेत पर बुढ़पुर बत्ते के पीछे काम करने गया था। काम करके वापस आते समय शाम पांच बजे बिजनौर की ओर से आ रही ट्रेन की आवाज न सुनाई देने पर वह उसकी की चपेट मे आया गया। जिससे उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने घटना की सूचना थाना को दी। पुलिस ने उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जय प्रकाश के दो बच्चे बताए जा रहे हैं। वह किसान मजदूर था।

मृतक की पत्नी पुष्पा ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर मदद की मांग की है। पति की मौत के बाद परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है।

प्रधान के पिता की हत्या में बहनोई पर रिपोर्ट

संवाददाता, नौगांवा सादात

अमृत विचार : गांव गालिबबड़ा के ग्राम प्रधान ने अपने बहनोई पर पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच कर रही है।

चंद्रपाल सिंह।

गांव गालिबबड़ा में देर रात ग्राम प्रधान अरविंद यादव के पिता चंद्रपाल सिंह यादव के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। ग्राम प्रधान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बड़ी बहन राखी की शादी 2012 में संभल-चंदौसी के गांव कनेटा निवासी खचेड़ू सिंह के छोटे बेटे हरीश यादव के साथ की थी। हरीश पुलिस में कांस्टेबल हैं। शादी के बाद से ही राखी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। चंद्रपाल सिंह ने 2013 में राखी की सास कली, ससुर खचेड़ू सिंह, पति हरीश कुमार, जेठ सतीश कुमार के खिलाफ कोर्ट में मामला दर्ज कराया था।

घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाती फोरेंसिक टीम। ● अमृत विचार

इस मामले में कांस्टेबल हरीश को निलंबित कर दिया गया था। रिश्तेदारों ने दोनों पक्षों में समझौता करा दिया था और राखी को हरीश के साथ ससुराल भिजवा दिया था। तभी से हरीश यादव अपनी ससुराल वालों से रंजिश रख रहा था। राखी के अरविंद यादव ने पुलिस को बताया कि इस रंजिश में हरीश ने उनके पिता चंद्रपाल सिंह की हत्या की है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर हरीश यादव, उसके भाई सतीश यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

डोडा चूर्ण के साथ तीन तस्कर किए गिरफ्तार

बिजनौर, अमृत विचार : ट्रक में भर सब्जी में रखकर डोडा चूर्ण ले जा रहे तीन तस्करों को चांदपुर पुलिस और स्वाट, सर्विलांस टीम ने चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। तीनों तस्कर 380 किलो डोडा चूर्ण बिहार से हिमाचल लेकर जा रहे थे। डोडा चूर्ण की कीमत 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सोमवार को चांदपुर पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने चेकिंग के दौरान ट्रक को पकड़ा। पुलिस टीम ने ट्रक की जांच की तो उसके अंदर 19 बोरे प्याज, 13 बोरे पत्तागोभी में छिपाकर रखे 8 बोरों में 380 किलोग्राम डोडा पकड़ा। आरोपी बिहार से डोडा लाते थे। पुलिस ने आरोपी इरफान, अब्दुल बारी उर्फ रहमान, महबूब निवासी थाना निरहुआ जनपद शिमला हिमाचल प्रदेश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने तीन मोबाइल और 38000 की नकदी भी बरामद की है।

नाप्राप्यमभिवाञ्छन्ति नष्टं नेच्छन्ति शोचितुम् ।
आपत्सु च न मुह्यन्ति नरा: पण्डितबुद्धय: ॥

जो व्यक्ति दुर्लभ वस्तु को पाने की इच्छा नहीं रखते, नाशवान वस्तु के विषय में शोक नहीं करते तथा विपत्ति आ पड़ने पर घबराते नहीं हैं, डटकर उसका सामना करते हैं, वही ज्ञानी हैं।

संपादकीय

मालदीव में मुइज्जू

हिंद महासागर में स्थित रणनीतिक रूप से अहम देश मालदीव के संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी की जीत को चीन समर्थक नेता के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण करार दिया जा सकता है। चीन और भारत के साथ मालदीव का नाजुक संतुलन लंबे समय से इसकी राजनीति में एक केंद्रीय विषय रहा है। हिंद महासागर में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चीन और भारत दोनों ने ही मालदीव में निवेश किया है। बीते साल राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू ने चीन समर्थक रुख अपनाया और देश के एक द्वीप पर तैनात भारतीय सैनिकों को हटाने का काम किया। वह मालदीव के कई बड़े प्रोजेक्ट चीन की कंपनियों को दे चुके हैं। संसद में उनकी पार्टी गठबंधन में थी परंतु उनके पास बहुमत नहीं था। मालदीव की संसद मजलिस में एमडीपी का बहुमत होने की वजह से राष्ट्रपति मुइज्जू की कई नीतियां लागू नहीं हो सकी थीं। अब संसदीय चुनाव में बंपर जीत के बाद उनकी ये भी परेशानी दूर हो गई है। नतीजों से साफ है कि मुइज्जू की ताकत बढ़ेगी। सरकार में चीन का दबदबा बढ़ सकता है। चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि चीन मालदीव के साथ अपनी परंपरागत दोस्ती को बनाए रखने के लिए काम करने का इच्छुक है। वह मालदीव के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार का इच्छुक है तथा रणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करना चाहता है। समझा जा सकता है कि मालदीव में चीन की सक्रियता बढ़ना भारत के हित में नहीं है। यानी मोहम्मद मुइज्जू की जीत भारत के लिए चेतावनी है। 1965 में मालदीव एक स्वतंत्र देश बना।

भारत इस द्वीपीय राष्ट्र को मान्यता देने वाला पहला देश था। 1972 में भारत ने मालदीव में अपना पहला उच्चायोग स्थापित किया, जबकि 2004 में मालदीव ने नई दिल्ली में अपना पहला पूर्ण राजनयिक मिशन खोला था। ठीक से देखा जाए तो भारत ने दो दशकों में मालदीव से उतार-चढ़ाव वाले कूटनीतिक संबंध बनाए रखे। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन पर दोष मढ़ने की बजाय, भारत को अपने पड़ोसी देशों में चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखकर दूरगामी रणनीति बनाने की जरूरत थी। विशेषज्ञ भारत को मालदीव के साथ रिश्तों में बदलाव की नसीहत दे रहे हैं। बता दें कि भारत के साथ मालदीव के रिश्ते तब और तनावपूर्ण हो गए जब भारतीय सोशल मीडिया पर लोगों ने मालदीव पर्यटन का बहिष्कार अभियान शुरू किया था। यह मालदीव के तीन उपमंत्रियों द्वारा लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के विचार को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपमानजनक बयान देने के खिलाफ था। कुल मिलाकर मोहम्मद मुइज्जू की जीत का असर भारत के साथ मालदीव के रिश्तों पर भी पड़ सकता है। आशंका है कि भारत और मालदीव के रिश्ते अभी और खराब हो सकते हैं।

धधकती आग से जंगल हो रहे खाक

प्रयाग पाण्डे
वरिष्ठ पत्रकार

वनों में आग की इन घटनाओं में करोड़ों रुपये मूल्य की वन संपदा जलकर नष्ट हो गई है। पौधे, दुर्लभ जड़ी- बूटियां और वनस्पति आग के भेंट चढ़ गई है। वनाग्नि ने पहाड़ के तापमान को बढ़ा दिया है। इस वर्ष जाड़ों में बारिश नहीं हुई। मौसम बेहद शुष्क है।

उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। इन दिनों पहाड़ के अनेक स्थानों में जंगल आग की चपेट में हैं। अप्रैल महीने के तीसरे सप्ताह तक उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की सैकड़ों घटनाएं घट चुकी हैं। बहुमूल्य वन संपदा इस आग की भेंट चढ़ गई है। गर्मी बढ़ने के साथ दावाग्नि का दायरा भी बढ़ता जा रहा है।

कुमाऊं मंडल के नैनीताल, अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों के अनेक जंगल आग में धधक रहे हैं। नैनीताल जिले के ओखलकांडा, बेतालघाट, भवाली और भीमताल आदि क्षेत्रों के जंगल दावाग्नि की चपेट में आ चुके हैं। इस वर्ष अल्मोड़ा जिले के जंगलों में आग लगने की करीब दो दर्जन वारदातें हो चुकी हैं। पिथौरागढ़ जिले के अस्कोट क्षेत्र के जंगलों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं। डीडीहाट के कई क्षेत्रों में हफ्ते भर से जंगल जल रहे हैं। चंपावत जिले के लोहाघाट क्षेत्र में भी जंगलों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं। टनकपुर क्षेत्र के जंगल भी आग की तपिश से महफूज नहीं हैं। मीडिया में छपी खबरों के अनुसार पिछले साल नवंबर से इस वर्ष अप्रैल महीने के तीसरे हफ्ते तक उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की करीब पौने चार सौ घटनाएं घट चुकी हैं। जिसमें करीब सवा चार सौ हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र की वन संपदा को क्षति पहुंची है। इस अवधि में कुमाऊं मंडल के जंगलों में करीब पौने दो सौ आग लगने की वारदातें हो गई हैं। जिसमें करीब डेढ़ सौ हेक्टेयर वन क्षेत्र के प्रभावित होने का अनुमान है।

वनों में आग की इन घटनाओं में करोड़ों रुपये मूल्य की वन संपदा जलकर नष्ट हो गई है। पौधे, दुर्लभ जड़ी-बूटियां और वनस्पति आग के भेंट चढ़ गई है। वनाग्नि ने पहाड़ के तापमान को बढ़ा दिया है। इस वर्ष जाड़ों में बारिश नहीं हुई। मौसम बेहद शुष्क है। जंगल का बिछावन एकदम सूखा हुआ है। कभी-कभार तेज हवाएं चल रहीं हैं। इस वजह से आग का दायरा और मारक क्षमता बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। जंगल बारूद की ढेर की तरह आग में धधक रहे हैं।

मौजूदा वक्त में पहाड़ के जंगलों का बुरा हाल है। जंगलों के क्षेत्रफल और वनावरण कागजों में भले ही बढ़ा हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। बेशक पहाड़ में वन क्षेत्र में इज़ाफ़ा हुआ है लेकिन जंगल सिमट रहे हैं। पहाड़ के राजस्व गांवों और वन सीमा पर लगे ब्रिटिशकालीन वन सीमा पिलर गायब हो चुके हैं। अव्यावहारिक वन कानूनों ने वनोपज पर स्थानीय निवासियों के नैसर्गिक अधिकारों को ख़त्म कर दिया है। इससे ग्रामीणों और वनों के बीच दूरी बढ़ी है। जंगलों से आम लोगों के सदियों पुराने रिश्ते को कायम किए बिना जंगलों को अवैध दोहन और दावानल से बचा पाना सरकार या वन विभाग के बूते से बाहर है।

पहाड़ के जंगलों में आग लगना एक स्थायी समस्या है। जंगलों में हर साल आग लगती है। वनाग्नि में बेशकीमती वन संपदा स्वाहा हो जाती है। पेड़-पौधों, अनेक प्रजाति के जीव-जंतुओं और विभिन्न प्रजातियों की वनस्पति को अपूर्णीय क्षति पहुंचती है। वनों में शाखाओं, लताओं और झाड़ियों के जल जाने से पानी के प्राकृतिक जल स्रोतों के सूखने, भू-कटाव में बृद्धि और वृक्षों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैव विविधता प्रभावित होती है। जंगल की अदृश्य दुनिया का वजूद ख़त्म हो जाता है, जिसे नुकसान में शामिल नहीं किया जाता है।

जंगल के सतह पर पत्तियों, टहनियों, गिरी हुई शाखाओं का बिछौना होता है। पहली नज़र में यह अकारण सड़ रहा मृतप्रायः ढ़ेर-सा लगता है। असल में यह जंगल की मिट्टी के भीतर अदृश्य दुनिया की छत के समान होता है। सबसे अधिक जीवन इन ढेरों के नीचे ही छिपा होता है। वनाग्नि में इन सूक्ष्म जीवों का विनाश हो जाता है।

उत्तराखंड के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का करीब सत्तर प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र है। प्रदेश के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा उत्तराखंड की वनोपज से आता है लेकिन दुर्भाग्य यह है कि वनों की आमदनी का एक छोटा-सा हिस्सा ही वनों की सुरक्षा में खर्चा जाता है। वन महकमे के हिस्से में आने वाली रक़म का बड़ा हिस्सा विभाग के अफसरों और दूसरे कारिंदों की तनख्वाह वग़ैरह में खर्च हो जाता है। वनों की हिफाज़त और पौध रोपण के काम में नाममात्र की धनराशि खर्ची जाती है। हर साल पहाड़ के जंगलों में आग लगती है। पर जंगल की आग को आर्थिक और पारिस्थतिकी की दृष्टि से नहीं देखा जाता है।

वनों को आग से बचाने की बुनियादी जिम्मेदारी वन विभाग की है लेकिन जंगलात के पास वनाग्नि के प्रबंध की तकनीकी प्रशिक्षण की पुख़्ता व्यवस्था नहीं है। वन महकमा वनों को आग से महफूज रखने के लिए पूर्व से बनी विभागीय कार्ययोजना की बात करने से कतराता रहा है। जंगलात महकमे की कार्ययोजना में वनाग्नि से निपटने के लिए सभी कारगर उपाय तय किए होते हैं। इस वास्ते प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व तय हैं। इसके लिए बाकायदा बजट का प्रावधान होता है लेकिन वन विभाग यथासमय कार्ययोजना पर अमल नहीं करता है।

उत्तराखंड के वन महकमे में आला अफसरों की भरमार है। अविभाजित उत्तर प्रदेश में जहां एक प्रमुख वन संरक्षक पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी संभालते थे। अलग राज्य बनने के बाद इस छोटे से प्रदेश में प्रमुख एवं मुख्य वन संरक्षक स्तर के करीब ढाई दर्जन आला अफसर तैनात हैं। इसके उलट जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की कमी है। आला अफसरों के अनुपात में फील्ड स्टाफ में बढ़ोतरी नहीं हुई है। परिणामस्वरूप साल भर वन संपदा का अवैध दोहन होते रहता है। गर्मियों के मौसम में दावाग्नि अवैध दोहन के सबूत नष्ट कर देती है।

1985 में कुमाऊं मंडल में विदेशी आर्थिक सहायता से 'मॉर्डन फायर प्रोजेक्ट' शुरू हुआ था। करोड़ों रुपये की इस 'वन अग्नि शमन परियोजना' में रामनगर, नैनीताल, हल्द्वानी आदि सात डिविजन शामिल किए गए थे। परियोजना के अंतर्गत एक हेलीकॉप्टर, दर्जनों अग्नि शमन गाड़ियां, टैंकर आदि तमाम आधुनिक उपकरण खरीदे गए। वॉच टॉवर बने। वन विभाग के वन संरक्षक स्तर के एक अधिकारी को परियोजना निदेशक बनाया गया। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर को अग्नि शमन अधिकारी का दायित्व सौंपा गया था। कई वनाधिकारी जंगल की आग में काबू पाने के गुर सीखने अमेरिका भेजे गए। 56 लोगों का 'अग्नि संगठित दल' बनाया गया। इन्हें वनाग्नि से निपटने के लिए बाकायदा छह महीने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दरम्यान वनाधिकारियों ने जमकर हवाई उड़ानें भरी। खूब सेमिनार हुए। यह योजना दस साल में ही दम तोड़ गई। वन विभाग के अधिकारी वापस मूल विभाग में लौट गए। परियोजना से जुड़े दूसरे कर्मचारियों को भी वन विभाग में समायोजित कर लिया गया।

मौजूदा वक्त में पहाड़ के जंगलों का बुरा हाल है। जंगलों के क्षेत्रफल और वनावरण कागजों में भले ही बढ़ा हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। बेशक पहाड़ में वन क्षेत्र में इज़ाफ़ा हुआ है लेकिन जंगल सिमट रहे हैं। पहाड़ के जंगलों में ब्रिटिश राज में बने ज्यादातर वन मार्ग और वन सीमा स्तंभों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। पहाड़ के राजस्व गांवों और वन सीमा पर लगे ब्रिटिशकालीन वन सीमा पिलर गायब हो चुके हैं। अव्यावहारिक वन कानूनों ने वनोपज पर स्थानीय निवासियों के नैसर्गिक अधिकारों को ख़त्म कर दिया है। इससे ग्रामीणों और वनों के बीच दूरी बढ़ी है। जंगलों से आम लोगों के सदियों पुराने रिश्ते को कायम किए बिना जंगलों को अवैध दोहन और दावानल से बचा पाना सरकार या वन विभाग के बूते से बाहर है। इस रिश्ते को बहाल करने के लिए सरकार और खुद वन महकमे को जंगलों के प्रति संवेदनशील दिखने और होने की आवश्यकता है। फिलवक्त इसके आसार नज़र नहीं आते हैं।

व्यंग्य

बच्चों के हक में हो शिक्षा

हमें याद रखना चाहिए कि घर अगर बच्चों की पहली पाठशाला है तो विद्यालय दूसरी। विद्यालय में शिक्षक ही बच्चों का अभिभावक है।

दिखावे और चकाचौंध के मौजूदा दौर में पारिवारिक और सामाजिक सिद्धांतों के बोझ तले बच्चों के जीवन की स्वाभाविकता लुप्त हो रही है। उनके कोमल मस्तिष्क में गलत सिद्धांतों का जहर भरकर और उन्हें अंधविश्वास की राह दिखा कर हम उनकी सामाजिक प्रकृति को प्रदूषित कर रहे हैं। घर में ही नहीं बल्कि विद्यालयों में भी अक्सर बच्चों को धर्म, जाति और संप्रदाय की दूरियों का एहसास कराया जाता है। इस तरह हम उनकी समझ को तोड़ मरोड़ देते हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि घर अगर बच्चों की पहली पाठशाला है तो विद्यालय दूसरी। विद्यालय में शिक्षक ही बच्चों का अभिभावक है। शिक्षक को एक आदर्श स्थापित करना चाहिए क्योंकि छात्र और शिक्षक का संबंध पतंग और डोर की तरह होता है। यदि डोर कमजोर हो गई तो पतंग किन राहों में भटक जाएगी, कहना मुश्किल है।

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

हम आज भी यह मानते हैं कि प्रत्येक बच्चा एक प्रयोग है, पर बच्चा किसके लिए है? माता-पिता के लिए शिक्षक के लिए या अपने आप के लिए। इसी प्रश्न के उत्तर में शिक्षण की समस्या समाई हुई है। पहले यह माना जाता था कि बच्चा माता-पिता के लिए है लेकिन अब ऐसा नहीं है। समाजशास्त्री यह मानते हैं कि बच्चा अपने आप में एक पूर्ण व्यक्तित्व है। हालांकि संस्कार और परंपराओं में अटका एक तबका आज भी ऊहापोह की स्थिति में है। इस कारण सदैव खींचतान की स्थिति बनी रहती है और इसका शिकार होते हैं बच्चे। शिक्षण प्रक्रिया भी इससे प्रभावित होती है जिसके कारण ना उसकी सही दिशा बन पा रही है और ना ही पद्धति।

व्यापक रूप से बच्चा आज अपने अभिभावकों, शिक्षकों व समाज की शुभकामनाओं का पात्र बनकर रह गया है। चाहे परिवार हो या विद्यालय सभी जगह बड़ों का बच्चों के प्रति अधिकारवादी रुख रहता है। बच्चा हमारी मर्जी से चले, हम जो कहें या करें उसी का पालन करें, हमारी बात मानें। ऐसी सोच आज भी जिंदा है। शिक्षकों में भी बच्चों के प्रति मैं ही ठीक हूं तथा आदेश का व्यवहार अधिक हावी रहता है। यह अधिकार वाद का रुख बच्चों में दबाव की स्थिति पैदा कर उनमें कुंठा की भावना और उनके व्यक्तित्व को कमजोर कर देता है।

दरअसल आज भी हमारी शिक्षण व्यवस्था चंद नियमों के तहत चलती है जिसमें आदेश और उपदेश की प्रधानता है। कौशल और विवेक की शक्ति पर भरोसा कम है। भले ही नई तकनीक और बदलाव की बात बार-बार कही जाती है, पर असल में धरातल पुरानी परंपराओं का ही पोषक है। स्कूलों में पुस्तकों का बोझ है, परीक्षाएं हैं और देखा जाए तो शिक्षण मात्र नौकरी पाने की चाह है। हमारा शिक्षण चिंतन इसी में उलझ कर रह जाता है की कितनी कक्षाएं हो,कितने पीरियड हो, कौन सा विषय पढ़ाया जाए, कौन सी पुस्तक पढ़ी जाए और कब कब परीक्षाएं ली जाएं। परीक्षा में पास फेल का दबाव बच्चों पर बना हुआ है तात्पर्य है। ऐसी शिक्षण व्यवस्था किस काम की जो केवल पुस्तकीय ज्ञान तक ही सीमित हो।

पहले ज्ञान की परिधि का दायरा बहुत सीमित था, अनुभव भी सीमित था। लेकिन समय के साथ-साथ विज्ञान और टेक्नोलॉजी की प्रगति के कारण ज्ञान का जो विस्फोट हुआ है उसमें पहले का ज्ञान नई पीढ़ी के लिए काम का नहीं रह गया है। आज शिक्षक को भी ऑलराउंडर बनने की जरूरत है। विषय से इतर ज्ञान ही आपको एक सफल शिक्षक बन सकता है क्योंकि ज्ञान के पथ पर बैसाखी के सहारे नहीं चला जा सकता। जाहिर है रटने रटाने की प्रवृत्ति से हटकर परिवर्तन लाना होगा पर यह परिवर्तन बच्चों की इच्छानुसार ही होना चाहिए। साथ ही हमें उस पढाई का ढांचा भी बदलना होगा जहां भारी बस्ती का बोझ ढोते-ढोते बच्चों की कमर झुक गई है।

हमें यह समझ लेना होगा की हर बच्चे में एक विशिष्टता है, इसलिए प्रत्येक बच्चा महत्वपूर्ण है। शिक्षा बच्चों को दिशाहीन और दिगभ्रमित करने वाली नहीं होनी चाहिए, क्योंकि व्यक्तिगत और सामाजिक संबंध जोड़ने की जो क्षमता बच्चों में होती है वह दूसरों में नहीं। इसमें शिक्षा और शिक्षक अच्छी भूमिका निभा सकते हैं। शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों की क्षमता को सही दिशा में बढ़ाएं और उनके जीवन में समृद्धि तथा इस स्थिरता लाए। हमें हमें यह भी समझना होगा की बच्चों की देखभाल करना विज्ञान ही नहीं कला भी है।

मतदान - महायज्ञ

आदिम काल में कोई देवी, देवता की परिकल्पना नहीं थी। मनुष्य प्रकृति के कौतुक से डर कर उन्हें देवता मान कर उनका आदर व पूजन किया करता था। जैसे प्रतिदिन सूर्य का ताप व प्रकाश देखकर उन्हें देव मान लिया गया। उसी तरह चंद्रमा, वायु, जल, अग्नि आदि से डर कर या उनकी आवश्यकता देख उन्हें देव माना गया। ज्यों-ज्यों मनुष्य विकास करता गया, अपनी आवश्यकताओं तथा कल्पनाओं से नए-नए देव को गढ़ता गया। वैदिक काल में देवों की बढ़ी संख्या को देखकर वैदिक ऋषियों को यज्ञ में हविष्यान्न देने में कठिनाई होने लगी और वे पूछने लगे कि किस देवता को हम हविष्यान्न प्रदान करें (कस्मै देवाय हविषा विधेयम)। समय के साथ देवताओं की संख्या कम होने लगी और बहुदेव वाद से चल कर हम एक देव वाद होते हुए अद्वैतवाद तक पहुंचे।

आज हम प्रजातंत्र के युग में जी रहे हैं और इसमें मतदान सबसे बड़ा यज्ञ है। लोक के मत से हम आधुनिक देवों का निर्माण करते हैं। लोकसभा महायज्ञ का चुनाव सन्निकट होने के कारण देव पद पर चयनित किए जाने हेतु बहुत लोग मैदान में ताल ठोंक रहे हैं तथा मतदाता दिग्भ्रमित है। धर्म, जाति, परिवार, बाहुबल, धनबल के तीर से सभी इस युद्ध में विजय का वरण करना चाहते हैं। राजनैतिक दल उक्त पैमाने पर टिकट बांट चुके हैं और उम्मीदवार जनता के दरवाजे पर सर झुकाए घड़ियाली आंसू बहा कर मत मांग रहा है और जनता को लुभाने के लिए बढ़ चढ़ कर वायदे कर आकाश कुसुम खिला रहा है।

बद्री प्रसाद सिंह
सेवानिवृत्त आईजी पुलिस, उप्र.

राजनैतिक शुचिता पर हो रही अनंत बहसों के बाद आज भी मुख्य दलों के उम्मीदवारों की सूची देख मतदाता चकित है। सर्वगुणसंपन्न इन उम्मीदवारों से अब क्या आशा रखी जाए?

राजनैतिक शुचिता पर हो रही अनंत बहसों के बाद आज भी मुख्य दलों के उम्मीदवारों की सूची देख मतदाता चकित है। सर्वगुणसंपन्न इन उम्मीदवारों से अब क्या आशा रखी जाए? एक संसदीय क्षेत्र में भाजपा ने जिसे टिकट दिया वह कांग्रेस के पूर्व मंत्री रहे हैं और उन पर कुछ माह पूर्व भाजपा ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर ईडी, सीबीआई की जांच की मांग कर रही थी। अब वह भाजपा में सम्मिलित होकर निष्कलंक होकर पुराने भाजपाइयों को पीछे ढकेल कर टिकट लेने में सफल हो गए हैं। सपा ने बसपा सरकार में रहे एक ऐसे पूर्व मंत्री को मैदान में उतारा है जो दूसरे जिले के हैं तथा एनआरएचएम में हुए अरबों के महा घोटाले में अन्य कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लंबे समय तक जेल में निरुद्ध भी रहे हैं। बसपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष को मैदान में उतारा है जो स्वयं तो बेदाग हैं लेकिन उनके पति की गणना पूर्वांचल के बाहुबलियों में है और वर्तमान में एक मुकदमें में दोषसिद्धि के पश्चात जेल में है। अभी यहां नामांकन प्रारंभ नहीं हुआ है, देखते हैं अन्य छोटे दलों या निर्दल प्रत्यासियों में कौन महाबली,धनबली इस सीट पर ताल ठोकता है। प्रदेश की अन्य बहुत सी सीटों पर घोषित उम्मीदवारों की छवि कमोवेश ऐसी ही है। मतदाताओं को स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार को ढूढना कठिन हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में अभी पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है। इस चरण में शांति व्यवस्था की कोई गंभीर समस्या तो नहीं आई लेकिन पहले चरण में देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीट पर हुए मतदान का प्रतिशत 62.37 रहा जो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में हुए 67.40 प्रतिशत तथा वर्ष 2014 के 66,44 प्रतिशत मतदान से कम है। चुनाव आयोग के अथक प्रयास,देश में बढ़ी साक्षरता एवं जागरूकता के बाद भी 37 प्रतिशत मतदाताओं का मतकेंद्र पर न आना गंभीर बात है। राजनैतिक दलों के खोखले आश्वासनों पर मतदाता का विश्वास घट रहा है। उम्मीदवारों का चाल, चरित्र, चेहरा मतदाता से छिपा नहीं है। चुनाव जीतने के बाद सांसद का मतदाताओं से किनारा कर लेने के कारण ' को नृप होइ हमहिं का हानी, वाले नजरिए से मतदाता मायूस और उदासीन होता जा रहा है। अच्छे उम्मीदवारों के अभाव में मतदाता के सामने पुनः वही प्रश्न उपस्थित है 'कस्मै उम्मीदवाराय मत विधेयम्'।

देश के अधिकांश हिस्सों में अप्रैल-मई माह में होने वाली प्रचंड गर्मी और लू भी मतदाता को मतदान केंद्र से दूर रखती है। अभी हमारे आसपास के जनपदों में 43-44 डिग्री सेल्सियस की गर्मी पड़ रही है जो क्रमशः बढ़ती ही जाएगी। ऐसी प्रचंड गर्मी में मतदाता दोपहर को घर से बाहर निकलना नहीं चाहते। चुनाव यदि फरवरी से 15 मार्च तक समाप्त हो जाएं तो मतदाताओं को गर्मी से राहत रहेगी और मत प्रतिशत भी बढ़ेगा। 15 मार्च से हाई स्कूल, इंटर की परीक्षा भी हो सकती है।

सोशल फोरम

मर्यादावादी बनाम स्वच्छंदतावादी

राम की मर्यादा उनके भीतर से पैदा हुई है। मर्यादा में रहना उनका स्वभाव है। इसलिए वे कभी स्वच्छंदतावादी की निंदा नहीं कर सकते। लेकिन जो स्वभाव से नहीं, परिस्थिति वश मर्यादावादी हुए हैं।

पूरी पृथ्वी पर और विशेषतः भारतीय परंपरा में प्रेम की दो धाराएं रही हैं- मर्यादावादी और स्वच्छंदतावादी। मर्यादावादी धारा का प्रतिनिधित्व राम करते हैं और स्वच्छंदतावादी का कृष्ण। भारत ने कृष्ण को राम से अधिक महत्व दिया है। कृष्ण को पूर्णावतार और राम को अंशावतार बताया है। कृष्ण बहुआयामी हैं। वे गीता का ज्ञान भी दे सकते हैं। युद्ध के मैदान में सुदर्शन चक्र भी धारण कर सकते हैं। बांसुरी बजा सकते हैं और गोपियों के साथ रास भी रचा सकते हैं। राम युद्ध तो कर सकते हैं, लेकिन न बांसुरी बजा सकते हैं और न रास रचा सकते हैं। इसलिए अधूरे हैं। राम और कृष्ण आपस में कभी लड़ नहीं सकते, क्योंकि वे दोनों किसी तरह के अभाव में नहीं हैं। अपने-अपने स्वभाव के अनुसार चल रहे हैं।

मटुक नाथ चौधरी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

राम की मर्यादा उनके भीतर से पैदा हुई है। मर्यादा में रहना उनका स्वभाव है। इसलिए वे कभी स्वच्छंदतावादी की निंदा नहीं कर सकते। लेकिन जो स्वभाव से नहीं, परिस्थिति वश मर्यादावादी हुए हैं, वे स्वच्छंदतावादी की निंदा अवश्य करेंगे, क्योंकि उसे भीतर ही भीतर यह सालता रहता है कि साला स्वच्छंदतावादी मौज कर रहा है और मैं वंचित हूं। अभाव, दुख और पीड़ा में जीने वाला हमलावर हो ही जाता है। स्वच्छंदतावादी अपने को बांधकर नहीं रखते, इसलिए उसके जीवन में अभाव नहीं के बराबर रहता है। जब अभाव नहीं, तो दुख भी नहीं और जब दुख नहीं, तो मर्यादावादी पर हमला करने की जरूरत भी नहीं। इसलिए आप देखेंगे स्वच्छंदतावादी कभी भी मर्यादावादी की आलोचना नहीं करते। उन्हें सुख भोगने से फुर्सत ही नहीं तो कौन, कब किस पर और क्यों हमला करे!

-फेसबुक वॉल से

प्रेम, परिवार और पितृसत्ता

प्रेम करो तो जरुरी नहीं है कि प्रेमिका या प्रेमी का प्रेम में पितृसत्तात्मक व्यवहार न हो। प्रेमी ने बहुत सोच-विचार और वैचारिक मंथन के बाद तय किया कि शादी करेंगे। सोचा नए क़िस्म का परिवार बनाएंगें। लेकिन यह सपना बहुत जल्द टूट गया। प्रेमिका शादी के बाद पुंसवादी तेवर के साथ आचरण करने लगी, उसे लगा कि घर के सारे कामकाज करना तो मर्द का काम है, उसका काम तो सिर्फ़ पढ़ना है। वह खाती और घूमती, प्रेमी जो अब पति बन चुका था वह मातहत की भूमिका निभाने लगा, समानता का नारा अचानक कहीं गुम हो गया। कुछ महीने बाद प्रेमिका के शहर में प्रेमी की नौकरी लगी, प्रेमी ने घर न मिलने तक ससुराल में रहने का फैसला किया, लेकिन उसके बाद वह सास-ससुर की क़ैद से निकल नहीं पाया। उस पर प्रेमिका दवाब बनाने लगी कि घर जमाई होकर रहो। सास-ससुर की सेवा करो, उनके सब खर्चे उठाओ और घर का भाड़ा भी दो। प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि हम दोनों ने स्वतंत्र होकर घर बसाने का निर्णय लेकर ही शादी की थी और तुमने सहमति भी दी थी फिर अचानक तुम पलट क्यों रही हो? उसने कहा मेरे साथ शादी की है तो घर जमाई होकर रहना होगा। इसके बाद प्रेमी के स्वतंत्र परिवार बनाने, गैर-पुंसवादी परिवार बनाने की हत्या हो गई। संक्षेप में यह कहानी है एक शिक्षित महिला की।

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

एक अन्य शिक्षित लड़की की राय जाने गैर शादी तय कर दी गई और सारे परिवार के कामकाज, देखभाल आदि का बोझा उसके ऊपर डाल दिया गया। वह पढ़ी लिखी होने के बावजूद अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पाई। तीसरे क़िस्म की वे लड़कियां हैं जो शिक्षित नहीं है लेकिन परिवार को सौंप दी गई हैं, उनकी शादी ऐसे परिवार में कर दी गई है जो खाते-पीते संपन्न परिवार हैं, इस तरह की लड़कियों के लिए परिवार ही धर्म है। चौथे क़िस्म की वे लड़कियां हैं जो शिक्षित हैं, पति भी शिक्षित है, और परिवार में वे पति की तरह ही कमाई करके लाती हैं, लेकिन मातहत की तरह रहती हैं। नौकरी करती हैं और घर के सभी दायित्व भी निभाती हैं। इन चारों क़िस्म की लड़कियों की धुरी है परिवार और सिर्फ़ परिवार। सवाल यह है क्या परिवार की संरचना में स्वतंत्रता, समानता और संप्रभु व्यक्तित्व के लिए कोई जगह है? क्या परिवार का ढांचा व्यक्ति को स्वतंत्र यूनिट के रुप में देखता है? क्या परिवार में लोकतंत्र, समानता और मित्रता के जीवन मूल्यों के लिए कोई नई जगह भारतीय समाज बना पाया है? हक़ीक़त यह है इन सभी सवालों के उत्तर हमारे पास नहीं हैं। क्योंकि परिवार को हम परम पवित्र मानकर चल रहे हैं। परिवार के बारे में सवाल खड़े करना गुनाह माना जाता है। अविवेकवाद के कारण ही परिवार के अंदर देखने, यथार्थ को देखने, स्त्री को देखने और सरकार को देखने के हमारे नज़रिए में विवेकवाद दाखिल नहीं होता। बिखरा और सड़ा परिवार हमारे राजनीतिक दलों के लिए भी समस्या नहीं है। स्त्री उत्पीड़न भी प्रमुख समस्या नहीं है, लोकतांत्रिक हक़ों पर हो रहे हमले भी समस्या नहीं हैं।

हमारे समाज की दो आंखें हैं पुंसवाद और अविवेकवाद। इन दोनों ने परिवार, समाज, लोकतंत्र और राजनीति को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले लिया है। आज प्रेम के विकास में परिवार सबसे बड़ी बाधा है। जो खुलेआम परिवार के सड़े गले ढांचे को बनाए रखने की वकालत कर रहे हैं, ऐसी स्थिति में आने वाले समय में स्त्रियों पर हमले बढ़ेंगे, प्रेमी-प्रेमिकाओं पर हमले बढ़ेंगे। कुछ राज्यों और पूरे देश में बलात्कार की घटनाएं जिस तरह तरह बढ़ी हैं उससे सबक़ लें, जिस तरह एक दल के नेता खुलेआम बलात्कारियों का समर्थन कर रहे हैं उससे सबक लें वरना वह दिन दूर नहीं जब औरतों को अकल्पनीय कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

औद्योगिक प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग

औद्योगिक प्रदूषण में वृद्धि के कारण हाल के वर्षों ग्लोबल वार्मिंग कि समस्या लगातार बढती जा रही है। रासायनिक अपशिष्टों, कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग, रेडियोधर्मी सामग्रियों के कारण औद्योगिक प्रदूषण पर्यावरण तथा इसके सभी घटकों को हानि पहुंचा रहा है। आज पानी भारी धातुओं, खतरनाक रसायनों, रेडियोंधर्मी कचरे और कार्बनिक कचरे के कारण बुरी तरह प्रदूषित हो रहा है। मृदा प्रदूषण के कारण फसलें प्रभावित हो रही हैं तथा अन्य वनस्पतियों को भी हानि पहुंच रही है। वायु प्रदुषण के कारण हमें श्वांस के लिए भी साफ़ हवा नहीं मिल पा रही है और हम अनेक समस्याओं से ग्रस्त हो रहे हैं। जैव विविधता नष्ट होती जा रही है तथा ग्लोबल वार्मिंग की दर लगातार बढ़ रही है। कुल मिलाकर औद्योगिक प्रदूषण के कारण आज हम एक भयानक खतरे की दिशा में आगे बढ़ते जा रहे हैं। स्पष्ट है कि औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करना अति आवश्यक है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी इस दिशा में प्रयास कर रहा है। हाल ही में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदूषित उद्योगों को बंद करने हेतु दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस संदर्भ में बोर्ड ने 'निरीक्षण, रिपोर्ट तैयार करने और कार्रवाई के लिए एक मानक प्रोटोकॉल' भी तैयार किया है। इस प्रोटोकॉल में निर्धारित दिशा निर्देशों के आधार पर उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। सामान्य तौर पर, मामूली नियम उल्लंघन के लिए, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप इकाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के अंतर्गत बंद करने के निर्देश जारी करने से पहले इकाई को एक अवसर दिया जाता है। वास्तव में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण अति आवश्यक है तभी हम और हमारी भावी पीढियां सुखी जीवन जी सकते हैं।

दिनेश चंद्र शर्मा
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

संभल के दंगल में क्या खिलेगा कमल !

रामपुर, अमरोहा और मुरादाबाद जैसी सीटों से सटे हुए संभल लोकसभा क्षेत्र को सपा का गढ़ माना जाता है। यहां से सपा संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव और उनके भाई प्रोफेसर रामगोपाल यादव चुनाव लड़कर सांसद बने थे।

मनोज त्रिपाठी

करीब 19 लाख मतदाताओं वाली इस सीट पर 48 फीसदी मुस्लिम और 10 फीसदी यादव वोटों के चलते सपा चार बार चुनाव जीत चुकी है। दो बार बसपा का भी हाथी भी कामयाब रहा है। हालांकि 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने यहां सारे जातीय समीकरण ध्वस्त करते हुए भगवा लहरा दिया था। पहले की तरह इस बार भी सपा की सारी उम्मीदें यहां मुस्लिम-यादव समीकरण पर ही टिकी हैं जबकि भाजपा रालोद से गठबंधन की ताकत के बीच मोदी-योगी के नाम और काम के सहारे तथा जातीय सेंधमारी करके कमल खिलाने में लगी है। हालांकि सपा की वोटों की रणनीति में इस बार जानकारों के मुताबिक बसपा का मुस्लिम प्रत्याशी स्पीड ब्रेकर बनता नजर आ रहा है। संभल लोकसभा सीट से सपा ने पहले मौजूदा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन 27 फरवरी को उनका निधन हो जाने के बाद अखिलेश यादव ने उनके पौत्र व कुंदरकी के विधायक जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी घोषित कर दिया था। भाजपा ने इस सीट पर एक बार फिर से परमेश्वर लाल सैनी पर भरोसा जताया है। सैनी 2019 का चुनाव 1.74 लाख मतों से सपा के शफीकुर्रहमान बर्क से हार गए थे। बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी सौलत अली इस सीट पर सपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। बसपा संभल सीट दो बार जीत चुकी है। 1996 में उसके टिकट पर डीपी यादव और 2009 में शफीकुर्रहमान बर्क जीते थे।

2014 का परिणाम

दल	प्रत्याशी	प्राप्त मत	मत%
भाजपा	सत्यपाल सिंह सैनी	3,60,242	34.08%
सपा	शफीकुर रहमान बर्क	3,55,068	33.59%
बसपा	अकील उर रहमान खान	2,52,640	23.90%
आरपीडी	डीपी यादव	36,134	3.42%
कांग्रेस	प्रमोद कृष्णम	16,034	1.52%

2019 का जनादेश

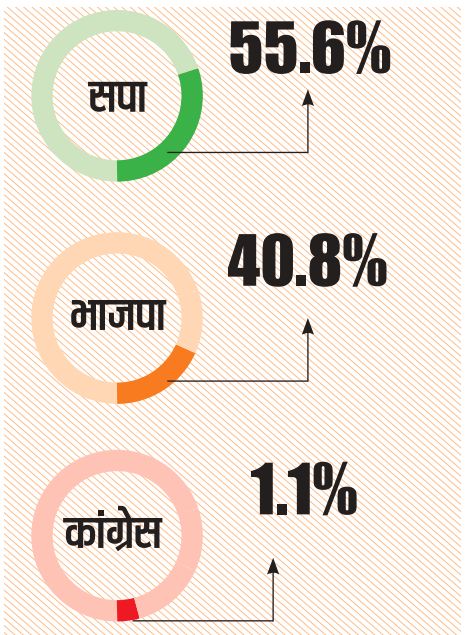

दल	प्रत्याशी	प्राप्त मत
सपा	शफीकुर रहमान बर्क	658,006
भाजपा	परमेश्वर लाल सैनी	4,83,180
कांग्रेस	मेजर जगत पाल सिंह	12,105

सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के निधन के बाद मैदान में उतरे उनके पौत्र विधायक जियाउर्रहमान की राह में बसपा का मुस्लिम प्रत्याशी बन रहा स्पीड ब्रेकर

1989 से 2004 तक हुए छह चुनावों में यहां यादव बिरादरी के नेता ही जीतते रहे

- पिछले चार दशक से इस लोकसभा क्षेत्र में जीत दर्ज करने को तरस रही है कांग्रेस
- बहुजन समाज पार्टी 1996 व 2009 में संभल सीट पर फहरा चुकी विजय पताका

1998 और 99 में मुलायम सिंह यादव और 2004 में भाई रामगोपाल जीत थे चुनाव

आधी आबादी के पास भी किस्मत की चाबी

संभल सीट पर महिला मतदाता महत्वपूर्ण हैं। पांचों विधानसभा क्षेत्रों में महिला वोटरों की संख्या 8,82,282 है। चंदौसी विधानसभा में सबसे ज्यादा 1,83,072 महिला मतदाता किसी एक प्रत्याशी की तरफ झुकने पर परिणाम बदलने की ताकत रखती हैं। भाजपा के लिए राहत की बात है कि इस सीट से उसकी विधायक गुलाब देवी प्रदेश में मंत्री हैं।

चार दशक से कांग्रेस को जीत का इंतजार

- संभल लोकसभा सीट 1977 में अस्तित्व में आई थी। पहला चुनाव जनता पार्टी के टिकट पर लोकदल प्रत्याशी ने जीता। इसके बाद 1980 और 1984 में कांग्रेस को विजय मिली। इसके बाद से संभल सीट पर कांग्रेस को जीत का इंतजार है। यादव परिवार का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर 1989 से 2004 तक लगातार छह चुनावों में यादव बिरादरी के नेता ही जीतते रहे। 1989 और 1991 में जनता दल के टिकट पर श्रीपाल यादव चुनाव जीते। वर्ष 1998 और 1999 में यह सीट हाई प्रोफाइल बन गई जब मुलायम सिंह यादव ने यहां से चुनाव जीता था। 2004 में प्रो. रामगोपाल यादव चुनाव जीते थे।
- साल 2009 में सपा ने यहां से इकबाल महमूद को टिकट दिया था। उस समय डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क सपा में थे और मुरादाबाद सीट से सांसद थे। उनकी और इकबाल महमूद के परिवार में लंबे समय से राजनीतिक अदावत थी। इसी कारण नाराज शफीकुर्रहमान बर्क बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे और इकबाल महमूद को हराकर सांसद बने थे। इससे सबक लेकर 2014 में सपा ने डॉ. बर्क को ही प्रत्याशी बनाया। लेकिन मोदी लहर में भाजपा प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सैनी के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में डॉ. बर्क ने आरोप लगाया था कि इकबाल महमूद के समर्थकों ने उनका विरोध किया। साल 2019 में भी दोनों खेमों में बगावत सामने आई, लेकिन सपा-बसपा का गठबंधन होने के कारण डॉ. बर्क को बड़े अंतर से जीत मिली।

19 लाख के आसपास मतदाता हैं इस सीट पर

48% इस लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता

11% प्रतिशत माने जाते हैं यादव बिरादरी के वोटर

20% आंकड़ा माना जाता है यहां दलित वोटर का

पांच विधानसभा सीटों में चार पर सपा काबिज, एक भाजपा के पास

- संभल लोकसभा सीट में जो पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं, उनमें कुंदरकी, बिलारी, असमोली व संभल सीट पर सपा का कब्जा है जबकि चंदौसी सीट भाजपा के पास है। चंदौसी से माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी विधायक हैं।

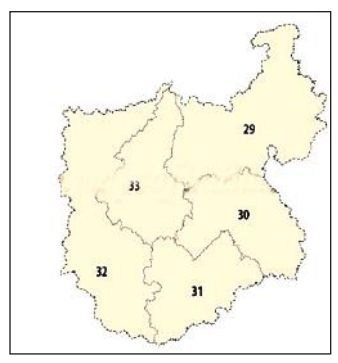

युवा और बुजुर्ग सांसद का रिकार्ड संभल लोकसभा क्षेत्र के ही नाम पर

- वर्ष 1980 में संभल लोकसभा सीट से सबसे युवा सांसद कांग्रेस के टिकट पर विजेंद्र पाल सिंह यादव बने थे। इसके बाद सबसे बुजुर्ग सांसद सपा के टिकट पर वर्ष 2019 में डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क बने और सांसद रहते हुए ही 94 साल की उम्र में उनका बीमारी से निधन हुआ।

भाजपा ने सपा से सीट छीनने के लिए जीत का समीकरण बनाया

- भाजपा प्रत्याशी परमेश्वर सैनी को सैनी बिरादरी के डेढ़ लाख वोट एकमुश्त मिलने की उम्मीद है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी उनके लिए सैनी बिरादरी मतों को गोलबंद कर गए हैं। सैनी मतों के बाद परमेश्वर की कोशिश तीन लाख से अधिक दलित मतदाताओं में सेंधमारी की है। माना जा रहा है, यदि दलित मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में वोट किया और मुस्लिम वोट बंट गए तो भाजपा के लिए अपने परंपरागत मतों के साथ मोदी के नाम और काम के सहारे जीत की राह खुल सकती है।

कम मतदान से चौकन्ना दलों ने किया अब नए सिरे से माइक्रो मैनेजमेंट

दूसरे चरण की तैयारी

चुनाव डेस्क

1977 से अब तक चार चुनावों में मतदान कम होने पर बदल गई सरकार पर एक बार नहीं हुआ सरकार को कोई खतरा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर कम मतदान की घबराहट भाजपा, सपा और बसपा को चैन नहीं लेने दे रही है, तो राजनीतिक विश्लेषक भी किसी सर्वमान्य नतीजे पर पहुंचने में नाकाम नजर आ रहे हैं। फिलहाल दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए प्रमुख दल ज्यादा से ज्यादा वोटिंग कराने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस ने नए सिरे से अपनी चुनावी टीम को जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यकर्ताओं और बूथ प्रभारियों को नए सिरे से ज्यादा वोटिंग के संदेश पहुंचाए जा रहे हैं।

दिग्गजों के बूथों पर भी नहीं पड़े बंपर वोट, अब माइक्रो मैनेजमेंट

राजनीतिक दलों ने पहले चरण के मतदान का हिसाब-किताब लगाने पर पाया है कि ज्यादातर दिग्गजों, मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों और यहां तक कि संगठन के बड़े पदाधिकारी भी अपने अपने बूथों पर बंपर वोटिंग कराने में नाकाम साबित हुए हैं। इसी कारण सभी दलों की चुनाव संचालन समिति और थिंक टैंक ने रणनीति में बदलाव करते हुए माइक्रो मैनेजमेंट पर जोर देना शुरू कर दिया है।

जोश बनाए रखने के लिए बताया जा रहा दूसरे का नुकसान: पहले चरण में मजबूत पकड़ होने का दावा करने वाली भाजपा और सपा का कम मतदान से मायूसी हाथ लगने के साथ संभावित परिणाम को लेकर गणित गड़बड़ा गया है। हालांकि हर दल अपना जोश बरकरार रखने के लिए आरोप-प्रत्यारोप के तहत कम मतदान से दूसरे का नुकसान बता रहा है। विपक्ष जहां इसे भाजपा के लिए खतरे की घंटी बता रहा है तो भाजपा नेता जनता द्वारा विपक्ष की चुनौती नाकारा जाना बता रहे हैं। हालांकि राजनीतिक जानकार कम मतदान को सभी दलों के लिए अच्छा संकेत नहीं बता रहे हैं। एक आंकड़ा यह भी आया है कि 1977 से लेकर अब तक चार चुनाव में वोटिंग कम हुई तो सरकारें बदल गईं। सिर्फ एक बार वोटिंग कम होने पर भी सरकार नहीं बदली थी।

इस बीच चुनाव आयोग ने भी जिला प्रशासनों को मतदान बढ़ाने के उपाय तेज करने को कहा है। भाजपा ने अपने मिशन 80 को देखते हुए बूथ पर सक्रियता बढ़ाने को कहा है। पन्ना प्रमुखों को हर बूथ पर मजबूती से तैनात रहने को कहा गया है। अब हर बूथ से वोटर निकलने का नया लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और विधायकों के साथ संगठन के पदाधिकारियों को हर जिले में नए सिरे से जिम्मा दिया जा रहा है।

बसपा के लिए लालगंज सीट बचाने की चुनौती

विनय जायसवाल, मऊ

अमृत विचार। लालगंज संसदीय सीट इस पर बसपा के लिए नाक का सवाल है। 2019 में इस सीट पर कब्जा जमाने वाली भाजपा ने इस बार नए चेहरे को मैदान में उतारा है। जबकि पार्टी की सांसद सीमा आजाद ने टिकट न मिलने की वजह से ही भाजपा का दामन थाम लिया है। भाजपा ने यहां से 2014 की मोदी लहर में जीतीं नीलम सोनकर पर फिर से विश्वास जताया है। जबकि सपा से पूर्व सांसद दरोगा प्रसाद सरोज तो बसपा से डॉ. इंदू चौधरी मैदान में हैं।

वैसे तो लालगंज सुरक्षित सीट पर कभी बसपा तो कभी सपा का कब्जा रहा, लेकिन 2014 में जब मोदी लहर आई तो भाजपा की नीलम सोनकर ने यहां अच्छे- खासे मतों से जीत दर्ज की। भाजपा ने इसीलिए 2019 के लोकसभा चुनाव में भी उन्हें मैदान में उतारा पर पार्टी की अंतरकलह और सपा- बसपा के गठजोड़ की वजह से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। नीलम को इस सीट पर सीमा आजाद ने हराया। इस बार सीमा आजाद को उम्मीद थी कि बसपा प्रमुख मायावती उन्हें दोबारा मैदान में उतारेंगी पर ऐसा नहीं हो सका। पार्टी ने उनका टिकट काटकर डॉ. इंदू चौधरी को अपना चेहरा बना दिया। सीमा ने पार्टी को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। इसे बसपा के लिए बड़ा झटका माना गया। इस बार सपा और कांग्रेस का गठबंधन है। सीट सपा के खाते में है। पार्टी ने यहां से दो बार सांसद रह चुके दरोगा सरोज पर फिर से विश्वास जताया है।

अगर यहां हुए संसदीय चुनावों में जीत की बात करें तो चार बार बसपा, तीन बार कांग्रेस, जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दो- दो बार, भाजपा और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी को एक- एक बार जीत मिली। जनता दल ने भी दो बार यहां से परचम लहराया।

- बसपा सांसद भाजपा के खेमे में जा चुकी हैं
- पूर्व सांसद पर भाजपा ने लगाया है इस बार दांव

पांचों विधानसभा सीटों पर सपा काबिज

- लालगंज संसदीय सीट के तहत 5 विधानसभा सीटें आती हैं। सभी सीटें आजमगढ़ जिले में ही पड़ती हैं। विधानसभा सीटों में अतरौलिया, निजामाबाद, फूलपुर- पवई, दीदारगंज और लालगंज सीटें शामिल हैं। खास बात यह है कि सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी का ही कब्जा है।

चार सीटों पर कांग्रेस की दांव पर प्रतिष्ठा

चुनाव डेस्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के चुनाव में कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इस चरण में आठ सीटों पर 26 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं। कांग्रेस सबसे ज्यादा चार लोकसभा सीटों पर इसी चरण में मैदान में है। गठबंधन के तहत सपा बाकी चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी मथुरा, गाजियाबाद, अमरोहा और बुलंदशहर सुरक्षित सीटों पर मैदान में हैं। कांग्रेस ने गाजियाबाद में ब्राह्मण महिला डॉली शर्मा, अमरोहा में बसपा से आए सांसद दानिश अली के रूप में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतार रखा है। मथुरा की सामान्य सीट पर

- मथुरा, गाजियाबाद, अमरोहा और बुलंदशहर सुरक्षित सीटों पर सपा के साथ गठबंधन में पार्टी लड़ रही चुनाव

कांग्रेस ने दलित समाज के मुकेश धनगर पर दांव लगाया है, तो बुलंदशहर में शिवलाल वाल्मीकि को उतारा है। अब पार्टी चारों सीटों पर प्रचार के अंतिम चरण में पूरी ताकत झोंक रही है।

इन चारों सीटों में सबसे ज्यादा उम्मीद पार्टी ने गाजियाबाद सीट पर लगा रखी है। वहां भाजपा द्वारा वीके सिंह का टिकट काटकर विधायक अतुल गर्ग को उतारे जाने से कांग्रेस को जीत के लिए उम्मीद की किरण नजर आ रही है। मथुरा सीट कांग्रेस ने आखिरी बार 2004 में जीती थी। यहां 2009 और 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे थे। अमरोहा में कांग्रेस बसपा से आए सांसद दानिश अली पर दांव लगाकर जीत के लिए पूरी तरह उन्हीं पर निर्भर नजर आ रही है, इसकी वजह यह है कि इस सीट पर 1984 के बाद पार्टी का खाता ही नहीं खुला है। बुलंदशहर में कांग्रेस 2019 के चुनाव में तीसरे नंबर पर रही थी। इस बार यहां जातीय समीकरणों के सहारे पार्टी चुनौती देने की कोशिश करती नजर आ रही है।

'सीता' का रोड शो

मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल के समर्थन में टीवी सीरियल रामायण में सीता की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखालिया और लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी ने रोड शो किया।

कन्नौज लोकसभा सीट — सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक की चुनौती दरकिनार कर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का चुनाव नहीं लड़ने का फैसला

सपाइयों को लगा झटका, भाजपा को आसान दिख रहा रास्ता

इरा अवस्थी, कन्नौज

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लेकर सपा कार्यकर्ताओं को जोरदार झटका दिया है। सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक द्वारा निरंतर दी जा रही चुनौती को दरकिनार करते हुए सपा अध्यक्ष ने खुद को देश भर में प्रचार के लिए खाली रखने का फैसला लिया है। अखिलेश यादव के इस फैसले से सपा खेमे में मायूसी है। माना जा रहा है कि इस निर्णय ने भाजपा की राह इस सीट पर आसान कर दी है।

अभी तक प्रत्याशी की घोषणा न होने तथा अखिलेश द्वारा बार-बार

कन्नौज से फिर से चुनाव लड़ने की संकेत देने से सपा कार्यकर्ता इस बार जीत का ताना-बाना बुनने में जुटे थे। माना जा रहा था कि 2019 के चुनाव में हुई पत्नी डिंपल यादव की हार का बदला लेने के लिए अखिलेश यादव इस बार कन्नौज के मैदान में ताल अवश्य ठोंकेंगे। इस भरोसे के दम पर ही सपाई खेमे में नामांकन से लेकर प्रचार तक की रणनीति बनाई जा रही थी। हालांकि विधानसभा चुनाव 2022 में सपा के हाथ से कन्नौज, तिर्वा, छिबरामऊ और रसूलाबाद विधानसभा चली गईं थीं। केवल बिधूना सीट पर ही 'साइकिल' दम दिखा सकी थी। कन्नौज विधान सभा क्षेत्र जिसे सपा के लिए अभेद्य माना जाता था, उसे भी नौकरी से इस्तीफा देकर आए आईपीएस अधिकारी भाजपा प्रत्याशी असीम अरुण ने छीन लिया था। हालांकि जीत का अंतर जिले की तीनों विधानसभाओं में खासा कम रहा था। लंबे समय से कन्नौज सपा का गढ़ रहा है, लेकिन 2019 से यह वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में यह चुनाव कन्नौज में सपा के अस्तित्व की लड़ाई का माना जा रहा है। सपाई भाजपा की चुनौती से मुकाबले के लिए अखिलेश को अजेय प्रत्याशी मान रहे थे। राजनीतिक पंडित भी मान रहे थे कि सांसद व भाजपा प्रत्याशी से नाराज जनता चौंकाने वाला फैसला ले सकती है। लेकिन तेज प्रताप यादव के रूप में नये चेहरे की घोषणा से गणित गड़बड़ाता दिख रहा है। सपा के ही एक वरिष्ठ नेता की माने तो यह निर्णय पार्टी के भविष्य को लेकर आत्मघाती सिद्ध हो सकता है। उनका कहना है कि भाजपा से नाराज लोधी वोट तेजी से सपा की तरफ रुख कर रहा था। इस फैसले से इस वोट को भी झटका लगना तय है। उन्होंने यहां तक कहा कि पार्टी का यह फैसला कहीं न कहीं भाजपा के लिए राह आसान करने वाला है। हालांकि बताया यह जा रहा है कि मौजूदा समय में अखिलेश नेता प्रतिपक्ष हैं तथा पीडीए के प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार के लिए खुद को खाली रखना चाहते हैं। इसलिए पार्टी के व्यापक हित और विधानसभा में अपनी जिम्मेदारी को देखते हुए लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।

- परिवार के प्रतिनिधि के तौर पर बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव के दामाद तेज प्रताप पर सपा ने लगाया दांव
- कभी सपा का गढ़ रहे कन्नौज लोकसभा क्षेत्र की चार विस सीटों पर भाजपा ने जमा रखा है कब्जा

20 साल से परिदृश्य से गायब है कांग्रेस

- इस बार तो कांग्रेस का सपा से गठबंधन है और पीडीए के बैनर पर चुनाव लड़ा जा रहा है। कन्नौज की सीट सपा के खाते में है तो कांग्रेसी साइकिल को ही मजबूती प्रदान करेंगे। लेकिन इस बार भी ईवीएम में 'हाथ' का निशान नहीं दिखने से कांग्रेसी निराश हैं। आखिरी बार कांग्रेस के चुनाव निशान पर 2004 में विनय शुक्ला ने चुनाव लड़ा था। उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से 20 साल से कन्नौज में हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस से प्रत्याशी मैदान में ही नहीं आया।

भाजपा ने 17 में से नौ लोकसभा सीटों पर टीआरएस से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा, कांग्रेस ने भी कई सीटों पर टीआरएस के नेताओं पर दांव लगाया

कांग्रेस- भाजपा की सीधी टक्कर में ठिकाने लगी टीआरएस

चुनाव डेस्क

अलग राज्य की मांग को लेकर चले लंबे आंदोलन के बाद देश के 29वें राज्य के रूप में तेलंगाना का गठन हुआ और यह राज्य दो जून, 2014 को अस्तित्व में आया। इस बार 18वीं लोकसभा के लिए तेलंगाना में चुनाव चौथे चरण में होगा। राज्य की 17 सीटों के लिए 13 मई को वोट डाले जाएंगे।

चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) जिसका नाम अब भारत राष्ट्र समिति हो चुका है, का आधार और प्रभाव विधानसभा चुनाव में हार के एक धक्के से इतनी जल्दी सिमटने लगेगा, किसी ने भी नहीं सोचा था, लेकिन तेलंगाना की हकीकत यही है। पार्टी को सत्ता से बाहर होने के बाद लगातार झटकों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में उसके सांसद, विधायक और नेता भाजपा या कांग्रेस में चले गए हैं। इसके चलते लोकसभा चुनाव में राज्य की अधिकतर सीटों पर मुकाबला कांग्रेस बनाम भाजपा की लड़ाई बदल गया है। इन हालात में टीआरएस प्रमुख केसीआर की कोशिश चुनावी संघर्ष को त्रिकोणात्मक बनाकर अपनी पार्टी के लिए कुछ सीटों पर रास्ता बनाने तक सीमित नजर आ रहा है।

2019 तेलंगाना में दलीय जनादेश

पार्टी	सीट	वोट	वोट %
टीआरएस	09	7696848	41.4
भाजपा	04	3626173	19.6
कांग्रेस	03	5496686	29.7
एआईएमआईएम	01	517471	2.8

दल- बदलुओं के सहारे भाजपा की बैटिंग

- तेलंगाना में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरे आधे से अधिक भाजपा उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि टीआरएस से जुड़ी है। प्रदेश की कुल 17 में से नौ सीटों पर भाजपा ने टीआरएस से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाया है। इनमें से अधिकतर बीते तीन माह के भीतर ही टीआरएस को छोड़कर भाजपा में आए हैं, और भाजपा ने उन्हें टिकट देकर मैदान में उतार दिया है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में आठ सीटें पाने वाली भाजपा को राज्य में अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए टीआरएस के कंधे का इस्तेमाल करना आसान तरीका नजर आ रहा है। यही वजह है कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व दल-बदल के खेल में आगे बढ़कर बैटिंग करने में यकीन कर रहा है। टीआरएस के नेताओं को टिकट देकर भाजपा तेलंगाना में कांग्रेस की चुनौती से निपटने के लिए अपनी नई जमीन तैयार कर रही है। टीआरएस नेताओं को शामिल करने में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी, कांग्रेस भी पीछे नहीं है। टीआरएस के कई सांसदों और विधायकों को कांग्रेस ने हाल ही में अपने पाले में किया है। पार्टी नेताओं ने भागने के वजह से टीआरएस यहां कमजोर सी हो गई है। हालांकि पार्टी नेता लगातार यहां प्रचार कर माहौल बनाने में जुटे हैं।

2014 में प्रमुख दलों का वोट शेयर

टीआरएस	11	34.9 प्रतिशत
भाजपा	01	10.5 प्रतिशत
कांग्रेस	02	24.7 प्रतिशत
टीडीपी	01	12.3 प्रतिशत

2019 में टीआरएस के खाते में आईं थीं नौ लोकसभा सीटें

- टीआरएस ने 2019 के चुनाव में नौ लोकसभा सीटें जीती थीं। लेकिन पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद पार्टी के पांच सांसदों ने हाल ही में पार्टी छोड़ दी थी और भाजपा या कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इसमें टीआरएस के लिए सबसे बड़ा झटका चेवेल्ला से उसके सांसद रंजीत रेड्डी का दलबदल था। वह अब इसी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार बन चुके हैं। इसी तरह हैदराबाद की खैरताबाद विधानसभा सीट से टीआरएस विधायक दानम नागेंद्र भी अब कांग्रेस से टिकट पाकर लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। विधायक दानम नागेंद्र को कांग्रेस ने सिकंदराबाद लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी जी किशन रेड्डी के सामने उतार दिया है। उधर, विकाराबाद जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष और पूर्व बीआरएस नेता सुनीता महेंद्र रेड्डी दलबदल करने के बाद मल्काजगिरी सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। टीआरएस के पेद्दापल्ली से मौजूदा सांसद वेंकटेश भी कांग्रेस में चले गए हैं। वारंगल के सांसद पसुनुरी दयाकर भी लोकसभा के टिकट से इनकार किए जाने के बाद टीआरएस छोड़ चुके हैं।

17 दिन सड़क पर रहेंगे केसीआर, हर सीट पर करेंगे रोड शो

- कांग्रेस और भाजपा द्वारा टीआरएस में की गई तोड़फोड़ से केसीआर के सामने दोतरफा चुनौती खड़ी हो गई है। छह माह पहले तक राज्य में टीआरएस अजेय भूमिका में थी। केसीआर को अपने ऊपर इतना भरोसा था कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से ज्यादा राष्ट्रीय राजनीति पर फोकस कर रखा था। इंडिया गठबंधन से अलग एक नया गठबंधन खड़ा करने की संभावनाओं पर काम करने के साथ राज्य से बाहर राष्ट्रीय स्तर पर अपने लिए नई भूमिका तलाश रहे थे। लेकिन विधानसभा चुनाव में जमीन क्या खिसकी उनके तमाम साथी, सांसद और विधायक ही साथ छोड़ गए। केसीआर को इस सदमे से उबरने और पार्टी को संभालने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन माना जा रहा है कि अब वह लोकसभा चुनाव को अपने और पार्टी के अस्तित्व से जुड़ी चुनौती मानकर नए सिरे से तैयारी करने में जुटे हैं। केसीआर ने सड़क पर निकल कर लोगों के बीच जाने का पैसला किया है। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के तहत केसीआर ने 24 अप्रैल से अगले 17 दिनों तक राज्य की सभी 17 लोकसभा सीटों पर रोड शो करने का फैसला लिया है। केसीआर का रोड शो 24 अप्रैल को मिर्यालगुडा में शुरू होकर 10 मई को सिद्दिपेट जिला मुख्यालय पर समाप्त होगा।

हैदराबाद सीट पर 40 साल से ओवैसी परिवार काबिज

हैदराबाद लोकसभा सीट पर पिछले 40 सालों से ओवैसी परिवार का दबदबा है। इसे उनकी परंपरागत सीट माना जाता है। इसकी एक वजह करीब 20 लाख मतदताओं वाली इस सीट पर मुस्लिम मतदाता 11 लाख से अधिक होना है। हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी पिछले चार बार से सांसद चुने जा रहे हैं। उनके पिता सलाहुद्दीन ओवैसी ने इस सीट पर आधा दर्जन बार जीत हासिल की थी। इस बार एक बार फिर हैदराबाद से असदुद्दीन ओवैसी मैदान में हैं। उनके खिलाफ भाजपा ने तेजतर्रार और हिंदुत्व की प्रबल समर्थक माधवी लता को उम्मीदवार बनाया है, जो ओवैसी को कड़ी टक्कर दे रही हैं। माधवी लता सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि उनके भाई अकबरुद्दीन के साथ कांग्रेस पर भी हमलावर हैं। वह पसमांदा मुस्लिम महिलाओं के बीच काम करती रही हैं। सोशल वर्कर हैं और एक हास्पिटल चलाती हैं। उनका कहना है कि मुस्लिम महिलाएं गरीबी और डर में जी रही हैं। वो 10 बच्चों को जन्म दे रही है। लेकिन ऐसे बच्चों का क्या फायदा। जब उन्हें अच्छे से पढ़ा नहीं पा रहे, ठीक खाना और सेहत नहीं दे पा रहे हो। टीआरएस ने ओवैसी और माधवी लता के मुकाबले में गद्दाम श्रीनिवास यादव को मैदान में उतारा है। 2019 के चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा के उम्मीदवार भगवंत राव को 2 लाख 82 हजार 186 वोटों से हराया था। ओवैसी को 5 लाख 17 हजार 471 वोट मिले थे, जबकि भगवंत राव ने 2 लाख 35 हजार 285 वोट पाए थे। टीआरएस उम्मीदवार पुस्ते श्रीकंड को 63 हजार 239 और कांग्रेस के फिरोज खान को 49 हजार 944 वोट हासिल हुए थे। हैदराबाद लोकसभा सीट के तहत 7 विधानसभा सीटें आती हैं. इसमें से 6 विधानसभा सीटों पर एआईएमआईएम का कब्जा है. जबकि एक सीट गोशमहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टी राजा सिंह विधायक हैं।

5.41 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए मृत्यु, पलायन और फर्जी निकला कारण

- चुनाव आयोग ने हैदराबाद जिले की मतदाता सूची से 5.41 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं। 15 विधानसभा क्षेत्रों के इन मतदाताओं के नाम इसलिए हटाए गए हैं, क्योंकि इनमें से ज्यादातर की मौत हो गई है, या वह दूसरी जगह चले गए हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में फर्जी वोटरों के नाम भी हटाए गए हैं। भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में छह लाख से अधिक फर्जी वोट होने का दावा करते हुए शिकायत की थी। उनका आरोप था कि असदुद्दीन ओवैसी फर्जी वोटों से चुनाव जीतते हैं।

हाथ से तीर के इशारे पर रिपोर्ट दर्ज, ओवैसी ने इबादतगाहों की सुरक्षा को बनाया मुद्दा

- हैदराबाद में इस बार ओवैसी और भाजपा के बीच तीखा वार-पलटवार चल रहा है। माधवी लता के एक वीडियो पर खूब सियासत तेज हो रही है। इसमें माधवी लता एक जुलूस के दौरान हाथ से काल्पनिक तीर छोड़ने का इशारा कर रही हैं। आरोप है कि उनका इशारा एक धर्म स्थल की तरफ है। इस मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। माधवी लता की कड़ी चुनौती में फंसे असुदद्दीन ओवैसी ने ध्रुवीकरणके लिए इस मुद्दे को लपक कर धर्म और वोट से जोड़ दिया है। अभी तक वह अपने भाषणों में जहां मुख्तार अंसारी की मौत से लेकर सीएए और एनआरसी के मुद्दे उठा रहे थे, अब इबादतगाहों की सुरक्षा को मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है।

दिल्ली में दो प्रत्याशियों को लेकर कांग्रेस में रार

नई दिल्ली

अमृत विचार: दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच हुए सीटों के बंटवारे के बाद कांग्रेस के दो उम्मीदवारों को लेकर पार्टी में अंतर्कलह अब चरम पर पहुंच गई है। कन्हैया कुमार और उदित राज की उम्मीदवारी के विरोध में पार्टी कार्यालय के बाहर उस समय जमकर नारेबाजी हुई जब अंदर प्रेस वार्ता चल रही थी।

कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित का टिकट काटकर जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह उत्तर पश्चिम सीट पर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए पूर्व सांसद उदित राज को मैदान में उतारा है।

इन दोनों उम्मीदवारों के विरोध को सुलझाने के लिए दिल्ली के प्रभारी दीपक बाबरिया के घर में बैठक बुलाई गई थी। वहां पर भी पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक जय किशन व सुरेंद्र कुमार आदि ने जमकर हंगामा किया था।दिल्ली के नेताओं का आरोप है कि उदित राज एवं कन्हैया कुमार दिल्ली के नहीं है। जबकि स्थानीय नेताओं की मांग यहां पर ज्यादा है। इसलिए यह दोनों उम्मीदवार बदले जाएं। दोनों उम्मीदवारों को लेकर चल रहे बवाल पर प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली ने कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता बुलाई थी। जैसे ही इसकी जानकारी विरोध कर रहे दावेदारों एवं कार्यकर्ताओं को लगी, उन्होंने नारेबाजी की। पार्टी नेताओं का कहना है कि जिस तरह से चांदनी चौक में पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल को टिकट दिया गया है। ठीक उसी प्रकार उत्तर पूर्वी दिल्ली से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और उत्तर पश्चिम दिल्ली से स्थानीय नेताओं को टिकट दिया जाए।

मांगा समर्थन

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को जम्मू में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के बारे में लोगों को बताया और कहा कि इस बार चार सौ पार का जो नारा है वह मतदाताओं के दम पर पूरा होगा। केंद्रीय मंत्री ने पार्टी उम्मीदवार की जीत के लिए अबकी बार चार सौ पार का नारा भी लगाया। अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद घाटी में आए परिवर्तन और विकास पर भी चर्चा की। जम्मू- कश्मीर में हो रहे विकास कार्यों को भी गिनाया। विरोधी दलों की नीतियों को देश विरोधी बताया।

'अब मथुरा की बारी' से साध रहे यादव बिरादरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्य प्रदेश में भाजपा के क्लीन स्वीप की कमान तो संभाल ही रखी है, इसके साथ ही यूपी और बिहार में यादव बाहुल्य लोकसभा सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों के प्रचार में जा रहे हैं।

लेकिन इस प्रचार में एक बात हर जगह देखी जा रही है, मुख्यमंत्री मोहन यादव लगभग हर जगह यादव बिरादरी की अस्मिता का सवाल उठाने के साथ 'अब मथुरा की बारी है' का नारा जरुर दे रहे हैं। यादव बहुल सीटों पर रणनीतिक रूप से भाजपा की तरफ से मोहन यादव को यादव मतदाताओं को कमल निशान की तरफ मोड़ने के लिए उतारा गया है।

इसके लिए मोहन यादव के यादव बहुल क्षेत्रों में दौरे और सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने यूपी में आकर मथुरा, आगरा, अलीगढ़ और ब्रज क्षेत्र के साथ-साथ देश-विदेश के कृष्ण भक्तों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए कृष्ण जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण की मांग की थी और इसे यादव समाज के सम्मान के साथ जोड़ा था। मध्य प्रदेश के छतरपुर में तो मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि पार्टी अब मथुरा की तैयारी कर रही है। इसके लिए भाजपा को वोट देना पड़ेगा।

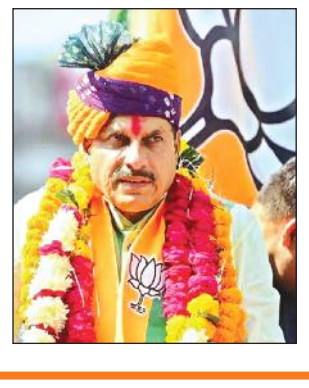

मजदूरों के घोषणापत्र में मोदी को हटाने की भरी गई हुंकार

शिमला। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुए अधिवेशन में लोकसभा चुनाव में 'मोदी हटाओ देश बचाओ' अभियान मजबूत करने के लिए मजदूरों का घोषणा पत्र जारी किया गया।

अधिवेशन में मजदूरों से मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने व भाजपा को हराने का आह्वान किया गया। नेताओं ने कहा कि पिछले दस साल से मोदी सरकार लगातार मजदूरों के अधिकारों पर हमले कर रही है। मोदी सरकार ने मजदूरों के लंबे संघर्ष और कुर्बानियों के बाद हासिल किए गए 44 श्रम कानूनों को समाप्त करके इन्हें मजदूर विरोधी व पूंजीपति परस्त चार लेबर कोडों में बदल दिया है। ये लेबर कोड कॉरपोरेट जगत व उद्योगपतियों को ही फायदा पहुंचाते हैं। इन्हें मजदूरों की जिंदगी को बंधुआ मजदूरी की तरफ ले जाने के लिए तैयार किया गया है। मोदी सरकार की कारगुजारियों के चलते देश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है और मंहगाई आसमान छू रही है। अग्निवीर योजना लाकर देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। देश के प्राकृतिक व सार्वजनिक संसाधनों को मोदी सरकार अपने चंद कॉरपोरेट मित्रों के हवाले करने में लगी है। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए धार्मिक मुद्दों पर देश का विभाजन करने की नापाक कोशिश की जा रही है।

- सीटू ने सोलन के अधिवेशन में दस साल के कामकाज को कोसा
- अग्निवीर योजना और महंगाई पर सरकार को घेरने की कोशिश

कांग्रेस खाता खोलने तो भाजपा जीत का अंतर बढ़ाने में जुटी

भोपाल। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में पहले चरण की छह सीटों पर मतदान के बाद अब भाजपा और कांग्रेस के बीच घमासान दूसरे चरण की छह सीटों पर बढ़ गया है। दूसरे चरण में खजुराहो, दमोह, टीकमगढ़, होशंगाबाद, रीवा और सतना में 26 अप्रैल को वोट पड़ेंगे। इन सीटों पर 75 पुरुष, चार महिलाएं और एक थर्ड जेंडर समेत 80 प्रत्याशी मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 19 प्रत्याशी सतना में हैं। दमोह, खजुराहो और रीवा में 14-14 और होशंगाबाद में 12 तथा टीकमगढ़ में सात प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है।

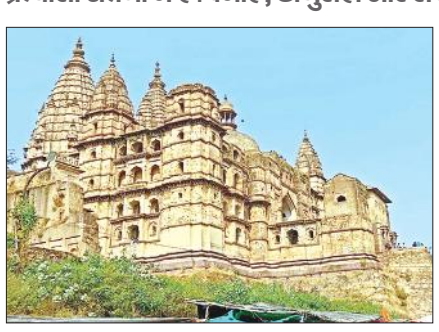

टीकमगढ़ : जातीय गोलबंदी व बाहरी के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री को घेरने की कोशिश

- भाजपा से सात बार के सांसद केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक के सामने कांग्रेस ने नए चेहरे के रूप में पंकज अहिरवार को उतारा है। उनकी इलाके में ज्यादा पहचान नहीं है। इसे देखते हुए कांग्रेस यहां स्थानीय बनाम बाहरी को मुद्दा बना रही है। भाजपा सांसद के खिलाफ थोड़ी नाराजगी की बात कही जा रही है, लेकिन मोदी के नाम पर लोग भाजपा के समर्थन में हैं। इस सीट पर अहिरवार मतदाताओं की संख्या करीब पांच लाख है। कांग्रेस की कोशिश इन्हें लामबंद करने की है।

होशंगाबाद: भाजपा के मजबूत गढ़ में कांग्रेस कर रही सेंध लगाने का प्रयास

- इस लोकसभा सीट पर भाजपा के दर्शन सिंह का सामना कांग्रेस के दो बार के विधायक संजय शर्मा कर रहे हैं। वह पहले भाजपा में रहे हैं। लोकसभा क्षेत्र की सभी आठ विधानसभा सीटों पर भाजपा काबिज है। कांग्रेस प्रत्याशी अपने प्रभाव से चुनाव अभियान चला रहे हैं, लेकिन यह क्षेत्र भाजपा का गढ़ है। मोदी के चेहरे का लाभ भाजपा प्रत्याशी को मिल रहा है। इस क्षेत्र से प्रहलाद पटेल, राव उदय प्रताप सिंह और नरेंद्र शिवाजी पटेल तीन मंत्री आते हैं। भाजपा ने पूरा जोर लगा रखा है।

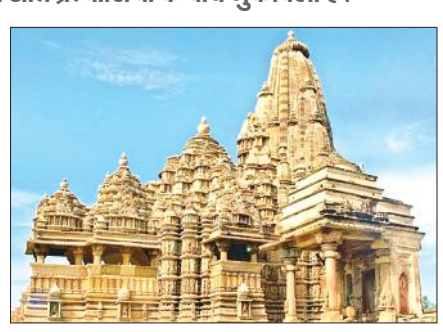

खजुराहो में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को वॉक ओवर, गठबंधन से प्रत्याशी नहीं

- इस सीट पर 1989 से भाजपा का दबदबा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा एक बार फिर मैदान में हैं। कांग्रेस ने यादव वोटों की बहुलता देखते हुए यह सीट गठबंधन के सहयोगी दल सपा को दी थी, लेकिन उसकी प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन रद हो जाने से अब इंडी गठबंधन को फॉरवर्ड ब्लॉक के प्रत्याशी आरबी प्रजापति को समर्थन देना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा प्रत्याशी वीडी शर्मा को वॉक ओवर मिल गया है। जानकार यहां चुनाव एकतरफा मान रहे हैं।

सतना : रोचक त्रिकोणीय मुकाबला बढ़ा रहा भाजपा सांसद की मुश्किल

- यहां मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। भाजपा सांसद गणेश सिंह के सामने कांग्रेस ने विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को उतारा है। बसपा से पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव में सिद्धार्थ कुशवाहा ने गणेश सिंह को हराया था। अब फिर दोनों आमने-सामने हैं। बसपा प्रत्याशी कैडर और ब्राह्मण वोटों के सहारे हैं। कुर्मी वोट गणेश सिंह और कुशवाहा वोट सिद्धार्थ में बंट सकते हैं, जिनकी हिस्सेदारी लगभग बराबर है। ऐसे में 22 फीसदी ब्राह्मण वोट निर्णायक होंगे।

दमोह: लोधी बनाम लोधी की रोचक लड़ाई

यहां दो पूर्व विधायकों के बीच जंग है। भाजपा ने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर आए पूर्व विधायक राहुल लोधी पर दांव लगाया है, तो कांग्रेस ने पूर्व विधायक तरवर सिंह लोधी को मुकाबले में उतारा है। इस सीट पर लोधी वोटर निर्णायक माना जाता है। ऐसे में लोधी बनाम लोधी की टक्कर दिलचस्प हो गई है।

विधानसभा चुनाव मंन भाजपा ने जिले में बढ़िया प्रदर्शन किया था। भाजपा मोदी का चेहरे और गारंटी पर वोट मांग रही है। पार्टी के जयंत मलैया और प्रहलाद पटेल गुट एकजुट होकर बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा उछाल रहे हैं, जवाब में कांग्रेस बिकाऊ के मुकाबले टिकाऊ का नारा देकर चुनाव लड़ रही है।

रीवा: कांटे की टक्कर में ब्राह्मण वोटों को लेकर भाजपा और कांग्रेस में मचा है घमासान

यहां जनार्दन मिश्रा भाजपा के टिकट पर तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने विधायक अभय मिश्रा की पत्नी नीलम मिश्रा को मुकाबले में उतारा है। जानकार दोनों के बीच कांटे की टक्कर मान रहे हैं। इस सीट पर जीत के लिए भाजपा ने पूरा अभियान मोदी के चेहरे पर केंद्रित कर रखा है, जबकि कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को उठा रही है। यहां ब्राह्मण वोटों पर घमासान मचा है।

निर्माणाधीन तीन मंजिला मकान में आग लगने से दंपति की मौत

गाजियाबाद, एजेंसी : जिले में एक निर्माणाधीन तीन मंजिला मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से सोमवार दोपहर एक दंपति की जलकर मौत हो गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग भूतल से शुरू हुई, जिससे घर में रखे पटाखों में विस्फोट हो गया। पुलिस ने बताया कि पटाखों में विस्फोट के कारण घर के मालिक इरफान (57) और उनकी पत्नी समर जहां (55) गंभीर रूप से झुलस गए। परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़कर झुलसे दंपति को बाहर निकाला। स्थानीय पुलिस की मदद से रिश्तेदारों ने उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनो की मौत हो गयी। अपर पुलिस आयुक्त (शालीमार गार्डन) सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पटाखे परिवार के सदस्यों ने एक शादी के लिए खरीदे थे, जो आने वाले सप्ताह में होने वाली थी। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने पटाखों की रसीद और शादी का कार्ड दिखाया है।

झूठे आरोप न्यायिक प्रणाली की छवि को बिगाड़ रहे हैं

इसे सख्ती से खत्म किए जाना चाहिए: इलाहाबाद हाईकोर्ट

विधि सवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में न्यायिक प्रक्रिया को मजाक समझने वाले लोगों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि नतीजों से जरा भी डरे बिना अदालतों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति को न्याय प्रशासन के व्यापक हित में नहीं देखा जा सकता है। इसे सख्ती से खत्म किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि जिन आरोपों के आधार पर मामले के स्थानांतरण की मांग की जाती है, वे नागरिकों के बीच न्यायालय के अधिकार और नैतिक ईमानदारी को खराब दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति को प्रतिबिंबित करते हैं, जिससे न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकलपीठ ने अलियारी नामक महिला की पुनरीक्षण याचिका को 20 हजार रुपए के जुर्माने के साथ खारिज करते हुए पारित किया, साथ ही पुनरीक्षणकर्ता को आदेश की तिथि से 15 दिनों के भीतर महानिबंधक के पक्ष में बैंक दस्तावेज के माध्यम से धनराशि जमा करने का निर्देश दिया। दरअसल महिला पुनरीक्षणकर्ता ने वर्तमान याचिका जिला न्यायाधीश, चंदौली के एक आदेश को चुनौती देते हुए दाखिल की थी जिसमें उसकी चुनाव याचिका को खारिज कर दिया गया था। याची ने अपनी चुनाव याचिका को सक्षम क्षेत्राधिकार वाले किसी अन्य न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग भी की थी। स्थानांतरण की मांग इस आरोप के साथ की गई थी कि विपक्षी/ निर्वाचित प्रधान के पति जिला न्यायालय, चंदौली में वकालत करते हैं। सुनवाई की तय तारीख पर जिला न्यायाधीश के समक्ष पुनरीक्षणकर्ता ने विपक्षी के पति को पीठासीन अधिकारी के कक्ष में प्रवेश करते देखा। कमरे से बाहर निकालने के बाद उन्होंने कथित तौर पर अपने सहयोगियों के सामने याचिका का फैसला अपने पक्ष में आने का दावा किया। हालांकि विपक्षी ने उक्त आरोपों से इनकार किया। अंत में कोर्ट ने आरोपों को निंदनीय और गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए याची पर जुर्माना लगा दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद की सुनवाई अब 30 को

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में हुई सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने अपने तर्क प्रस्तुत किया। सोमवार को सुबह 11:30 बजे से न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की एकलपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। बहस पूरी होने के बाद पीठ ने मामले को आगामी 30 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध कर दिया। मालूम हो कि श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव सहित 18 सिविल वादों पर हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई चल रही है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि कटरा केशव देव की जमीन से शाही ईदगाह मस्जिद का अवैध कब्जा हटाने सहित अन्य मांगों को लेकर दाखिल सिविल वादों की पोषणीयता पर बहस हो रही है, जिस पर मुस्लिम पक्ष ने आदेश 7 नियम 11 के तहत अपनी आपत्ति दर्ज की है। इसपर अगली सुनवाई में बात रखी जाएगी।

मंत्री डॉ. संजय निषाद पर हमला

- शादी समारोह में हमलावरों ने मंत्री के चेहरे और नाक पर किया प्रहार
- नौ नामजद और दर्जनों अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार : बीती रात कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर कठार में आयोजित वैवाहिक समारोह में शामिल होने पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद पर इसी गांव के ग्राम प्रधान के नेतृत्व में दर्जनों दबंगों ने हमला बोल दिया।

हमलावरों ने कैबिनेट मंत्री के चेहरे और नाक पर प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया। सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां कैबिनेट मंत्री कुछ देर के लिए बेहोश भी हो गए थे। उन्होंने अस्पताल परिसर में ही मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ थोड़ी देर धरना भी दिया। मंत्री के पीएसओ विनोद कुमार यादव की तहरीर पर कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने ग्राम प्रधान मोहम्मदपुर कठार राधेश्याम यादव, जय प्रकाश यादव उर्फ कवि, दुर्विजय यादव, पीएसी में कार्यरत सिपाही अभिषेक यादव, सुरेंद्र यादव, गजेन्द्र यादव, सुभाष यादव, दुर्ग विजय यादव निवासी गण ग्राम मोहम्मदपुर कठार समेत तमाम अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा कायम कर चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

सुनियोजित तरीके से सपाई गुंडों ने किया हमला: डॉ. निषाद

संतकबीरनगर। हमले के बाद सोमवार की दोपहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने घटना के पीछे समाजवादी पार्टी का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी का जन्म आंदोलन की कोख से हुआ है। जिले के मगहर स्थित रेलवे लाइन के किनारे जब निषाद पार्टी आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रही थी तो समाजवादी पार्टी के गुंडों ने लाठी डंडों और बंदूकों से हमला किया था। कार्यकर्ताओं ने लगातार पांच घंटों तक सपाई गुंडों को झेला था। निषाद पार्टी की बढ़ती ताकत और लोकप्रियता सपा मुखिया से बर्दाश्त नहीं हो रही है। निषाद ने बताया कि रविवार की रात वे मगहर के पास स्थित ग्राम मोहम्मदपुर कठार निवासी एक कार्यकर्ता के घर लड़की की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। लोगों के अनुरोध पर जयमाल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए थोड़ी देर बैठकर प्रतीक्षा करने लगा। इसी दौरान सुनियोजित तरीके से सपा से जुड़े ग्राम प्रधान राधेश्याम यादव अपने दो दर्जन साथियों के साथ पहुंचे और सांसद प्रवीण निषाद की कार्यशैली को लेकर नाराजगी करने लगे। मैंने उन्हें रोकते हुए कहा कि एक दो दिनों में सांसद आप के बीच जरुर आएंगे। उनकी शिकायत उन्हीं से करना। इसी बात को लेकर उक्त लोग बेहद उग्र हो गए और समाजवादी पार्टी का नारा लगाते हुए मेरे ऊपर हमला बोल दिया। अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने कहा कि कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद के ऊपर हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मंत्री जी के पीएसओ की तहरीर पर आठ नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा कायम कर चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही सभी नामजद और घटना में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त मेरठ पर लगाया 10 हजार रुपये का जुर्माना

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद वेतन वृद्धि से वंचित करने के मामले में कहा कि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के अगले दिन वेतन वृद्धि देने के संबंध में कानून संवैधानिक न्यायालय द्वारा तय कर दिये गए हैं तो संबंधित अधिकारी द्वारा किसी अन्य सरकारी आदेश के आधार पर वेतन वृद्धि से इनकार करना संभव नहीं है। अगर कोई अधिकारी ऐसा करता है तो निश्चित रूप से इसे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनदेखी माना जाएगा।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति जे जे मुनीर की एकलपीठ ने श्रीपाल की याचिका को स्वीकार कर नगर आयुक्त, नगर निगम, मेरठ पर 10 हजार का जुर्माना लगाते हुए की, साथ ही याची को 1जुलाई 2018 से 30 जून 2019 की अवधि के लिए ब्याज सहित वेतन वृद्धि का भुगतान करने का निर्देश भी दिया। दरअसल नगर आयुक्त ने वेतन वृद्धि के एक दिन पहले सेवानिवृत हुए याची के काल्पनिक वेतन वृद्धि के दावे को खारिज कर दिया था। इस पर न्यायालय ने उनकी ओर से दाखिल व्यक्तिगत हलफनामे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब नगर आयुक्त याची को वेतन वृद्धि देने के लिए सक्षम प्राधिकारी थे तो उन्हें इस संबंध में किसी अन्य अधिकारी से राय लेने की क्या आवश्यकता थी। कोर्ट ने नगर आयुक्त के मनमाने क्रियाकलाप पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि नगर आयुक्त बच्चा या वार्ड नहीं है जो निदेशक, स्थानीय निकाय की गोद में बैठकर अपने अभिभावक या माता-पिता से निर्देश मांग रहा हैं कि मामले में क्या करना है।

राजा रत्नाकर सिंह के अंतिम दर्शन को पहुंचे दिग्गज नेता

बाराबंकी, अमृत विचार : जिले की रामनगर (धमेड़ी) स्टेट के राजा रत्नाकर सिंह का सोमवार को निधन हो गया। अपने बड़े दामाद के निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह चुनाव प्रचार छोड़कर यहां आ गए। राजा रत्नाकर सिंह के पार्थिव शरीर का दाह संस्कार रामनगर में ही किया गया। उनके अंतिम दर्शन करने के लिए विभिन्न दलों के दिग्गज नेता व क्षेत्रीय लोग पहुंचे। सभी ने उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।उनके अंतिम दर्शन के लिए रामनगर निवास पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार राजरानी रावत, गठबंधन उम्मीदवार तनुज पुनिया, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, एमएलसी अंगद सिंह और रामनगर चेयरमैन राम शरण पाठक पहुंचे।

तीसरे चरण के लिए 100 प्रत्याशी मैदान में

सात मई को होगा मतदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : तीसरे चरण की 10 सीटों के लिए 100 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बरेली की पूर्व महापौर निर्दलीय प्रत्याशी सुप्रिया ऐरन समेत चार ने नामांकन वापस ले लिया। इन सीटों पर सात मई को मतदान होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र संभल में एक, फतेहपुर सीकरी में एक, बदायूं में एक व बरेली में एक प्रत्याशी ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। उन्होंने बताया कि सम्भल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 13 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गये थे। इसमें एक प्रत्याशी तूबा ने अपना नामांकन वापस लिया। हाथरस (अजा) क्षेत्र के लिए 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। आगरा (अजा) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। फतेहपुर सीकरी निर्वाचन क्षेत्र के लिए 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गये थे, जिसमें एक प्रत्याशी राकेश कुमार ने अपना नामांकन वापस लिया। इस प्रकार कुल नौ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

मैनपुरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। एटा क्षेत्र के लिए 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बदायूं क्षेत्र के लिए 12 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गये। इसमें एक प्रत्याशी किशोर कुमार पाल ने अपना नामांकन वापस लिया। ऑवला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 09 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बरेली क्षेत्र के लिए 14 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गये।

मेरठ व अलीगढ़ में मायावती आज करेंगी सभाएं

लखनऊ, अमृत विचार : बसपा सुप्रीमो मायावती मंगलवार को मेरठ व अलीगढ़ में चुनावी जनसभाएं संबोधित करेंगी। पहली सभा मेरठ में अल्लीपुर में होगी और दूसरी अलीगढ़ में महेश्वर इंटर कॉलेज में होगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल ने सोमवार को बताया कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार जारी है। विभिन्न सीटों पर प्रचार के लिए पार्टी प्रमुख की चुनावी सभाएं पूर्व निर्धारित हैं। मेरठ में प्रत्याशी देववृत्त त्यागी व अलीगढ़ में हितेंद्र कुमार उर्फ बंटी उपाध्याय के समर्थन में सभाएं प्रस्तावित हैं।

छात्रवृत्ति का मामला: बेनतीजा रही बैठक, पोर्टल दोबारा खोलने पर नहीं हो सका निर्णय

लखनऊ, अमृत विचार : छात्रवृत्ति से वंचित रहे गए प्रदेश के 77,352 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा या नहीं इस पर फैसला नहीं हो सका है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक बेनतीजा रही है। इस संबंध में दोबार बैठक होगी। बता दें कि साइबर कैफे और कॉलेज के स्तर से फार्म भरने में हुई गलितयों का खामियाजा 77,352 छात्रों को भुगतना पड़ा। वंचित रह गए छात्र-छात्राएं जिला समाज कल्याण अधिकारी, कॉलेज और समाज कल्याण निदेशालय के चक्कर काटते रहे। अधिकारियों से मिलकर फार्म में हुई गड़बड़ी के बारे में बताया। अधिकतर फार्मों में अनुक्रमांक, पाठ्यक्रम और प्राप्तांक/पूर्णांक भरने में गलतियां हुईं।

अवैध कर वसूली को लेकर हाईकोर्ट गंभीर

विधि संवाददाता,प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध कर वसूली के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि राज्य के पास उस धन को रखने की कोई शक्ति नहीं है जो उसने कानून के किसी अधिकार के बिना लिया है। संविधान के अनुच्छेद 265 के प्रावधान के अनुसार कानून के अधिकार के बिना कोई भी कर एकत्र नहीं किया जा सकता है और जो राशि अवैध रूप से एकत्र की गई है, उसे संबंधित व्यक्ति को वापस करना आवश्यक है। अवैध राशि का भुगतान ब्याज के साथ सरकार द्वारा मुआवजे के रूप में होना चाहिए। ऐसी परिस्थितियों में ब्याज के भुगतान के लिए किसी विशेष प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

बरेली, पीलीभीत व लखनऊ से 28 सदस्यीय शिष्टमंडल ने किए भव्य रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय

रामलला के दर्शन कर अभिभूत 28 सदस्यीय वरिष्ठ नागरिकों का शिष्टमंडल।

- हनुमानगढ़ी और कनकभवन में भी पूजा-अर्चना
- काम के साथ- साथ देशाटन भी : रविन्द्र अग्रवाल

अमृत विचार : बरेली, पीलीभीत और लखनऊ से 28 सदस्यीय वरिष्ठ नागरिकों का एक शिष्टमंडल रविवार को अयोध्या धाम पहुंचा। यहां रामलला, हनुमानगढ़ी और कनकभवन में दर्शन-पूजन के बाद नगर भ्रमण किया। दर्शन से अभिभूत शिष्टमंडल के सदस्यों ने जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए कहा कि अयोध्या धाम सबसे सुंदरम धार्मिक नगरी है। कहा कि यहां आकर जो शांति और सुख मिल रहा है उसे शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता है।

28 सदस्यीय दल ने भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन के कर श्रद्धा निवेदित की। हनुमानगढ़ी में भी दर्शन-पूजन कर मुख्य संतों का आशीर्वाद लिया। शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे चार्टर्ड अकाउंटेंट रविन्द्र अग्रवाल ने कहा कि यहां के वातावरण और भव्य मंदिर मन को सुकून देने वाला है। अयोध्या आकर हम लोग धन्य हो गए हैं। अपने दल के बारे में बताया कि एक तीर्थ यात्रा ग्रुप है। हम सभी सीनियर सिटीजन हैं। जिसमें प्रतिष्ठित डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और बड़े व्यवसायी हैं। उन्होंने बताया कि माह में एक बार हिंदुस्तान के किसी न किसी धार्मिक स्थान पर जाते हैं। इस बार अयोध्या धाम में आए हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का महत्व काम के साथ देशाटन है। जिससे काम का बोझ कम होता है और मन को शांति मिलती है। तीर्थ यात्रा दल में डॉ. एस के अग्रवाल, डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. के एन तिवारी, डॉ. हरिश्चंद्र प्रसाद, डॉ. योगेंद्र , डॉ. मधु प्रसाद,अशोक अग्रवाल समेत कई महिलाएं भी शामिल थीं।

सपा विधायक अभय सिंह के पिता व पत्नी भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाजपा को लेकर राजपूतों में पसरी नाराजगी के बीच सोमवार को कई बड़े क्षत्रिय नेताओं ने पार्टी का दामन थामा। इसमें सबसे खास गोसाईगंज से सपा के बागी विधायक अभय सिंह के पिता भगवान बख्श और पत्नी सरिता सिंह का भाजपा में शामिल होना रहा। बीते दिनों ही सपा विधायक अभय सिंह ने पार्टी लाइन से अलग जाकर राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान किया था।

कई पूर्व सांसद और पूर्व विधायक के अलावा अन्य दलों के कई नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ली है। सभी को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पार्टी में सदस्यता दिलवायी। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित और प्रदेश मीडिया सहप्रभारी हिमांशु भी मौजूद रहे।

कमलापति त्रिपाठी के पौत्र भी भाजपा में

सोमवार को भाजपा की सदस्यता लेने वाले सभी नेताओं में पूर्व मंत्री चौधरी सरदार सिंह (मथुरा), कांग्रेस के नेता व आजमगढ़ से पूर्व सांसद संतोष कुमार सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कमलापति त्रिपाठी के पौत्र सोमेशपति त्रिपाठी (वाराणसी), सपा से पूर्व विधायक पहलवान सिंह (गोरखपुर), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व पूर्व विधायक कुं. कुशलपाल सिंह (मथुरा), बार एसोसिएशन एटा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा, बसपा से लखनऊ जोन को-आर्डिनेटर, पूर्व जिला अध्यक्ष तथा बसपा के वरिष्ठ नेता रामजी गौतम के छोटे भाई प्रमोद चौधरी (लखीमपुर), बसपा के मंडल कोर्डिनेटर व पूर्व कार्यवाहक जिला पंचायत अध्यक्ष रहे करूणाकर पाण्डेय (अयोध्या), नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा (उन्नाव) शामिल रहे।

वर्ग पहेली-48

बाएं से दाएं

2. एक प्रकार की बहुवर्षीय पहचाना हुआ।
4. 1. देहयष्टि, मानव शरीर 2. संख्या
5. 1. सेना, फ़ौज 2. युद्ध का मोर्चा, युद्ध का क्षेत्र
7. 1. इंद्र का हाथी, ऐरावत 2. उच्चै:श्रवा।
8. अयोध्या का प्राचीन नाम, उत्तर प्रदेश में सरयू नदी के किनारे स्थित एक हिंदू तीर्थ स्थान, अयोध्या।
9. 1. मनहूस होने की अवस्था या भाव, मनहूसी, मनहूसियत 2. उदासीनता।

ऊपर से नीचे

1. 1. जिससे पुराना परिचय हो, बहुत गहरी जान-पहचानवाला 2. जाना-पहचाना हुआ।
3. 1. चलन, रीति, रस्म, प्रथा 2. द्विरागमन, गौना।
6. 1. गांव का मुखिया 2. सरदार, महतो।
7. 1. यहूदियों का बादशाह 2. यहूदियों के राजा दाऊद का बेटा 3. यहूदियों का तीसरा बादशाह जिसने यरूशलम नगर का निर्माण कराया और वह पैगंबर माना जाता है 4. पश्चिमी पाकिस्तान में अवस्थित एक पर्वत।

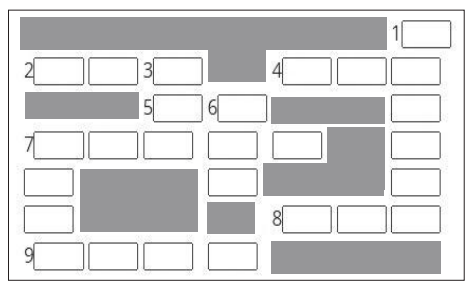

वर्ग पहेली -47 का हल

1 पी	2 प	■	3 कु	■	4 खी	■
■	र	■	5 सु	म	र	नी
6 रो	क	था	म	■	■	■
■	ना	■	7 चा	8 ल	बा	ज़ी
9 न	■	10 चौ	प	दा	■	■
जू	■	■	■	ई	■	■
11 म	ख़	लू	क	■	12 खो	या

सुडोकू -127

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		4		5		
	5			6	1			
		9			3			
	6	3		7		2		
	8		3		9		4	
		2			6	8	9	
			8			3		
4			2	3				
		5		9		1		

सुडोकू -126 का हल

2	8	1	9	3	7	6	5	4
4	6	7	1	8	5	2	3	9
5	3	9	6	4	2	1	8	7
1	4	3	5	6	8	7	9	2
7	2	5	3	9	1	4	6	8
6	9	8	2	7	4	5	1	3
8	5	2	4	1	3	9	7	6
9	7	4	8	5	6	3	2	1
3	1	6	7	2	9	8	4	5

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 अप्रैल मंगलवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-पूर्णिमा 05.18 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

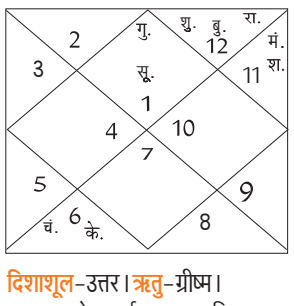

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 22.32 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आपकी कार्यशैली में काफी बदलाव आयेगा। घर और कार्यक्षेत्र में खुशियों का माहौल रहने वाला है। आपकी दिनचर्या काफी सन्तुलित रहेगी। संतान को लेकर परेशानी दूर होगी। बड़े-बुजुर्ग आपका उत्साहवर्धन करेंगे।

वृष — आज मनमौजी स्वभाव के लोगों से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। लोगों की आर्थिक मदद के लिए आपको अपनी जेब ढीली करनी पड़ सकती है। यदि आपने किसी से उधार लिया है तो उसे आज चुका दें। व्यस्तता के बावजूद घर को पर्याप्त समय देंगे।

मिथुन — आज प्रेमी जन के साथ मतभेद दूर होंगे। विशिष्ट और रचनात्मक प्रकृति की विधाओं में आप रुचि लेंगे। बौद्धिक चर्चाओं में आपका मान बढ़ेगा। आज संतान को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने की चेष्टा कर सकते हैं।

कर्क — आज आप अपने काम के बजाय दूसरों पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, इससे आपकी कार्यक्षमता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। अपनी जिम्मेदारियों को समझें और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। माता की सलाह लेना हितकर होगा।

सिंह — आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। भाग्य पूरी तरह से आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी आपकी मदद करेंगे। नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन बहुत ही खुशहाल रहने वाला है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

कन्या — आज महिलाओं को स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। धन की कमी दूर होगी। कुटुम्ब जनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। घर में बच्चों के साथ मनोरञ्जन का आनन्द लेंगे। सरकारी कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी के प्रति व्यवहार अच्छा रखें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र की बाधा दूर होगी। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। विरोधी आपके सामने काफी कमजोर होते प्रतीत हो रहे हैं। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक — आज आपका पूरा दिन कल्पनाओं में बर्बाद हो सकता है। काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। परिवार में थोड़ी खींचतान हो सकती है। अपने जल्दबाजी वाले स्वभाव पर नियंत्रण लाएं। वरना व्यवसाय में बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु — आज आपके द्वारा लिए गए निर्णय सटीक सिद्ध होंगे। किसी महत्वपूर्ण योजना को बनाने के लिए आज का दिन बेहद शुभ है। गृह कलह से छुटकारा मिलेगा। जीवनसाथी के साथ सुकून भरा समय बितायेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशन्सा होगी।

मकर — आज प्रेमी जन की भावनाओं की कद्र करें। आपको अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस होगी। परिवार में सब आपकी प्रशन्सा करेंगे। व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। यदि किसी इन्टरव्यू में सम्मिलित होना चाह रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है।

कुंभ — आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कई दिनों से काम का तनाव आज दूर होगा। आप लोगों को अपने अनुकूल करने में सफल रहेंगे। लेकिन किसी भी स्थिति में अपने सिद्धान्तों से समझौता न करें। आज आपको नई जानकारियां मिलेंगी।

मीन — आज का दिन बिल्कुल भी सही नहीं है। लोग आपको सही सलाह भी नहीं दे रहे हैं। इसीलिए इस समय शान्त होकर परिस्थितियों का स्वत: मूल्याङ्कन करना चाहिए। परिवार के विवाह योग्य सदस्यों को लेकर थोड़ी चिन्ता होगी।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
गंगा तेरे देश में — सुबह : 08.15
शादी में जरूर आना — शाम : 06.16

&pictures
हाथी मेरा साथी — सुबह : 08.17
बंगाल टाइगर — शाम : 05.23

SONY PIX
पैसिफ़िक रिम — सुबह : 08.20
द डार्क नाईट राइसेस — रात : 06.41

ZEE CINEMA
ये तो कमाल हो गया — सुबह : 09.00
मणिकर्णिका : द क्वीन ऑफ झांसी — रात : 08.40

colors CINEPLEX
टार्जन — सुबह : 10.34
और प्यार हो गया — रात : 08.49

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात :08.40 बजे

जोक्स ऑफ द डे

शादी की 10वीं सालगिरह पर पत्नी पति के सीने से लग के बोली
सुनिए जी, अगर मुझे कोई भगा के ले जाए तो आप क्या करेंगे?
पति- हट पगली, कैसे सवाल पूछती है?
पत्नी- बताओ ना जानू...
पति- मैं बोलूंगा भाई भगा के क्यों ले जा रहे हो, आराम से ले जाओ,
मैं रोक थोड़ी रहा हूं! फिर पति देव की हुई जोरदार कुटाई...

कोयल ने कौवे से पूछा - तुमने अभी तक शादी क्यों नहीं की?
कौवा बोला - बिना शादी के ही जिंदगी में इतनी कांव-कांव है,
शादी कर लूंगा तो पता नहीं क्या होगा?

मैंथा बाजार भाव

चन्दौसी : शिवालिक- 990 फ्लैग- 1100 बोल्ड- 1140 डीएमओ- 860
रामपुर : शिवालिक--985 फ्लैग- 1100 डीएमओ-880 बोल्ड-1160

सर्राफा

कानपुर

चांदी 999 (प्रति किलो)	84300
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	75000
सोना गिन्नी (प्रति नग)	55900-56100

लखनऊ

सोना स्टैंडर्ड	75,550
सोना रवा	75,400
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	83,700
चांदी (999)	83,600
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000

बरेली

गोल्ड (पक्के जेवर)	75300
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	74300
सिल्वर (पक्की)	825 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	75,400
चांदी आभूषण	83,300

मुरादाबाद मंडी

दाल चना : 75 से 76 रुपये मसूर : 88 से 90 रुपये मलका : 82 से 85 रुपये अरहर : 118 से 125 रुपये उड़द : 95 से 101 रुपये धोआ उड़द : 110 से 120 रुपये मूंग धोआ : 104 -106 रुपये मूंग छिलका : 102 रुपये मूंग साबुत : 100 रुपये चना देसी : 80 रुपये चना कावली : 145 से 160 रुपये राजमा लाल : 155 रुपये राजमा चित्ता : 145 रुपये लोबिया लाल 94 रुपये लोबिया सफेद 98 रुपये।

आईएफसीआई में सरकार ने 500 करोड़ की पूंजी डाली

नई दिल्ली। आईएफसीआई लि. ने कहा कि सरकार को तरजीही आधार पर इक्विटी शेयर जारी करने से उसे 500 करोड़ की पूंजी मिली है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा, सरकार को 12,39,77,188 शेयरों का आवंटन 18 अप्रैल को किया गया है।

सेंसेक्स ने 560 अंकों की लगाई छलांग निफ्टी भी 22,300 के हुआ पार

एशियाई-यूरोपीय बाजारों में तेजी और विदेशी निवेशकों की खरीदारी से घरेलू सूचकांक में आई तेजी

मुंबई, एजेंसी

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी निवेशकों की खरीदारी आने से सोमवार को घरेलू मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक उछलकर बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 560.29 अंक यानी 0.77 प्रतिशत चढ़कर 73,648.62 पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र में यह 679.47 अंक बढ़कर 73,767.80 पर पहुंचा था। एनएसई का निफ्टी भी 189.40 अंक यानी 0.86 प्रतिशत बढ़कर 22,336.40 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स समूह में शामिल लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एशियन पेंट्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई स्मालकैप सूचकांक 1.26 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि मिडकैप सूचकांक में 0.93 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में टिकाऊ उपभोक्ता खंड में सर्वाधिक 2.53 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पाद खंड में 1.93 प्रतिशत और पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.65 प्रतिशत की बढ़त रही।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बदला बाजार का रुख

एचडीएफसी सिक्योरिज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के नरम पड़ने से सोमवार को अधिकांश वैश्विक बाजारों में तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट निचले स्तर पर बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को मिश्रित रुख के साथ बंद हुए थे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया के तनाव में कुछ राहत मिलने से भारतीय बाजार ने पिछले शुक्रवार के सुधारात्मक रुख को जारी रखा। मझोली और छोटी कंपनियों के प्रति नए सिरे से रुझान बढ़ने से पुनरुद्धार सभी क्षेत्रों में देखा गया। कच्चे तेल की कीमतों में कुछ राहत दिखी है लेकिन अभी भी यह ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत गिरकर 86.59 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

जोमैटो ने मंच शुल्क बढ़ाकर प्रति ऑर्डर पांच रुपये किया

नई दिल्ली। होटल से खाना ऑर्डर की सुविधा देने वाला ऑनलाइन मंच जोमैटो ने चुनिंदा बाजारों में अपने शुल्क को 25 प्रतिशत बढ़ाकर चार से पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। कंपनी के ऐप के मुताबिक उसने अपनी अंतर-शहरी फूड डिलिवरी सर्विस इंटरसिटी लीजेंड्स को भी रोक दिया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने कहा कि यह कारोबारी कदम है जिन्हें हम समय-समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर लेते हैं। सूत्रों के मुताबिक मंच शुल्क में बढ़ोतरी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में लागू होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में प्रति ऑर्डर मंच शुल्क पिछले अगस्त से लेना शुरू किया था। उस समय यह दो रुपये प्रति ऑर्डर था। इससे धीरे-धीरे बढ़ाकर अब पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया गया है।

सौर क्षेत्र में वित्तपोषण 4% घटकर 8.1 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में आए 5.5 अरब डॉलर के निवेश की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक रहा**

ऊंची लागत और आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े मसले के कारण जनवरी-मार्च अवधि में वैश्विक स्तर पर सौर क्षेत्र में कंपनियों का वित्तपोषण चार प्रतिशत घटकर 8.1 अरब डॉलर रह गया।

अमेरिकी शोध कंपनी मेरकॉम कैपिटल ने सोमवार को रिपोर्ट में कहा कि सौर क्षेत्र में पिछले साल की समान तिमाही में 8.4 अरब डॉलर का निवेश आया था। अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में आए 5.5 अरब डॉलर के निवेश की तुलना में मार्च तिमाही में वित्तपोषण 47 प्रतिशत अधिक रहा। मेरकॉम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राज प्रभु ने कहा कि सौर क्षेत्र अनिश्चितता और चुनौतीपूर्ण निवेश का सामना कर रहा है। यह क्षेत्र कई बाधाओं से जूझ रहा है, जिसमें लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की आशंका, मुद्रास्फीति से निर्माण एवं श्रम की लागत बढ़ने और व्यापार विवादों एवं सीमा शुल्क के साथ आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दे भी शामिल हैं। भारत में इकोफी ने 1.08 करोड़ डॉलर का निवेश पाया, इनसोलार ने 80 लाख डॉलर जुटाए, और मेटाफिन ने उद्यम पूंजी (वीसी) वित्तपोषण से 50 लाख डॉलर की इक्विटी वित्त जुटाया। घरेलू ऋण वित्तपोषण खंड में रिन्यू ने 28.83 करोड़ डॉलर मूल्य के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर का पुनर्वित्तपोषण किया। एम्पइन एनर्जी ट्रांजिशन ने 2.69 करोड़ डॉलर का निवेश जुटाया जबकि हस्क पावर सिस्टम्स को दो करोड़ डॉलर मिले।

आवासीय परियोजनाओं में 1500 करोड़ निवेश करेगी एक्सपीरियन

नई दिल्ली, एजेंसी

आवासीय संपत्तियों की मांग में तेज वृद्धि के बीच रियल एस्टेट कंपनी एक्सपीरियन डेवलपर्स अपनी विस्तार योजनाओं के तहत नोएडा में लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

गुरुग्राम स्थित एक्सपीरियन डेवलपर्स ने अपनी नई परियोजना 'एक्सपीरियन एलिमेंट्स' को रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण रेरा के साथ पंजीकृत किया है। यह एक्सपीरियन होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। एक्सपीरियन डेवलपर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नागराजू राउथू ने कहा कि कंपनी नोएडा में प्रवेश

कर रही है, जो दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में महत्वपूर्ण रियल एस्टेट बाजार है। कंपनी ने आवासीय परियोजना को विकसित करने के लिए नीलामी प्रक्रिया के जरिए राज्य सरकार से जमीन खरीदी है। निवेश के बारे में पूछे जाने पर राउथू ने कहा कि यह करीब 1500 करोड़ है। इस परियोजना में 3बीएचके अपार्टमेंट की शुरुआती कीमत करीब पांच करोड़ रुपये है।

टाटा पावर-डीडीएल ने गजानन एस. काले को सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली। टाटा पावर-डीडीएल ने गजानन एस. काले को कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि काले ने 19 अप्रैल को सीईओ का पद संभाल लिया था। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा कि मैं गजानन का टाटा पावर-डीडीएल के नए सीईओ के तौर पर स्वागत करता हूं। बिजली वितरण के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले काले निश्चित तौर पर टाटा पावर-डीडीएल को कामयाबी की नई बुलंदियों पर ले जाएंगे।

टाटा पावर के अध्यक्ष (टी एंड डी) संजय बांगा ने कहा कि गजानन वितरण क्षेत्र के अनुभवी पेशेवर हैं मुझे पूरा यकीन है कि उनके नेतृत्व में टाटा पावर-डीडीएल उद्योग जगत में नई उपलब्धियां हासिल करेगी। बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का संयुक्त उद्यम है।

भारत के लिए 7% की वृद्धि दर को बनाए रख पाना संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विनिर्माण व बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन से आर्थिक वृद्धि दर 8% रहने की संभावना**

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य शशांक भिडे ने सोमवार को कहा कि अनुकूल मानसून, उच्च कृषि उत्पादकता और बेहतर वैश्विक व्यापार के दम पर चालू वित्त वर्ष और उसके बाद भी भारत के लिए सात प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रख पाना मुमकिन है। हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विनिर्माण और बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन की वजह से आर्थिक वृद्धि दर आठ प्रतिशत रहने की संभावना है।

भिडे ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि को अनुकूल मानसून और बेहतर वैश्विक व्यापार के साथ कृषि क्षेत्र से भी समर्थन मिलने की संभावना है। सात प्रतिशत की वृद्धि दर को बनाए रखना संभव लगता है। लंबी अवधि में खाद्य मूल्य स्थिरता हासिल करने के लिए उत्पादकता में सुधार की जरूरत प्रमुख कारक बनी रहेगी। सजग करने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के बारे में पूछे जाने पर एमपीसी सदस्य ने कहा कि चिंता का एक क्षेत्र वैश्विक परिवेश है। वैश्विक मांग में सुधार की गति धीमी है और आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यवधान है। यदि मौजूदा भू-राजनीतिक संघर्षों को जल्द खत्म नहीं किया गया तो यह मांग के साथ लागत कीमतों के मामले में भी बड़ी चुनौती पैदा करेगा।

राष्ट्रीय

एक नजर

उत्तरी दिल्ली में गोगी गिरोह के सदस्य की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में चार हमलावरों ने सोमवार को गोगी गिरोह के सदस्य की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि नरेन्द्र मलिक को छह से सात गोलियां लगीं और एसआरएचसी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने कहा कि यह गैंग वार का मामला है क्योंकि नरेन्द्र गोगी गिरोह का था। दोपहर दो बजे मलिक तरुण और अमित के साथ दयाल मार्केट में टाटा एस वाहन में बैठा था, तभी चार लोग बाइक से आए और उन्होंने मलिक पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अमित वहां से भाग निकला जबकि तरुण के पैर में चोट लगी है और उसकी हालत गंभीर बताई गई है। डीसीपी ने कहा कि मलिक 2017 में हुई लूट और 2019 में शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले में शामिल था। हमने जांच के लिए छह टीम गठित की हैं। तरुण के पुलिस रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। हमें महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। हम घटना की सीसीटीवी फुटेज हासिल कर रहे हैं और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एनआईए ने आतंकवाद से जुड़े मामले में श्रीनगर में नौ स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर। एनआईए ने आतंकवाद से जुड़े मामले में सोमवार को श्रीनगर में नौ स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए अधिकारियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर कार्रवाई की। एजेंसी 2022 में दर्ज किए गए मामले के तहत आतंकवाद से जुड़े व्यक्तियों से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, मामले में संदिग्ध लोग द रेसिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की शाखा है। लश्कर और टीआरएफ दो प्रतिबंधित संगठन हैं और ये संगठन कश्मीरी युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए लगातार उकसाने में शामिल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों संगठन युवाओं को बहला-फुसला कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए तैयार करते हैं और ये संगठन ट्विटर, टेलीग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय हैं।

छत्तीसगढ़ में आईईडी की चपेट में आने से युवक की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र में आईईडी की चपेट में आने से गड़िया (18) की मौत हो गई। पटेलपारा मुतवेंडी गांव का रहने वाला गड़िया 20 अप्रैल को मुतवेंडी गांव से तीन किमी दूर किसी काम से गया था कि तभी वह नक्सलियों द्वारा लगाए आईईडी के संपर्क में आ गया, जिससे विस्फोट हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पिछले दिनों नैमेड थाना क्षेत्र में आईईडी की चपेट में आने से एक अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया था। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सली जंगल के रास्तों में आईईडी लगा देते हैं, जिसमें ग्रामीण भी हताहत होते हैं।

पंजाब पुलिस ने तस्कर को किया गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने गमदूर सिंह उर्फ विक्की के साथ अंतर्राज्यीय हथियार कार्टेल चलाने वाले मलकीत सिंह उर्फ नवाब को गिरफ्तार किया और उनके पास से छह पिस्तौल, 10 कारतूस और 10 मैगजीन बरामद कीं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को कहा कि आरोपी मलकीत सिंह उर्फ नवाब गोपी घनशामपुरिया और हैरी चट्ठा गिरोह का सहयोगी और सदस्य है। नवाब के खिलाफ पहले से ही लगभग 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं, और गिरोह से अब तक लगभग 100 अवैध हथियार बरामद किये गये हैं।

बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 2016 की भर्ती परीक्षा रद

कलकत्ता हाईकोर्ट ने चयन प्रक्रिया से हुई नियुक्तियों को अमान्य करार दिया

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की चयन प्रक्रिया के जरिए हुई नियुक्तियों को रद करते हुए सोमवार को इसे अमान्य करार दे दिया। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने सीबीआई को नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में और जांच करने तथा तीन महीनों में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। पीठ ने पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) को नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया।

24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 2016 एसएलएसटी परीक्षा दी थी। कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील फिरदौस शमीम ने कहा कि 25,753 नियुक्ति पत्र जारी हुए थे। खंडपीठ ने आदेश पर रोक के कुछ अपीलकर्ताओं के अनुरोध को रद कर दिया। एसएससी अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने कहा कि आयोग पूरा आदेश पढ़ने के बाद उच्चतम न्यायालय में अपील करेगा और उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देगा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद

- **24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने दी थी परीक्षा और 25,753 नियुक्ति पत्र किए गए थे जारी**

उसके परिसर के बाहर इंतजार कर रहे सैकड़ों आकांक्षी खुशी में रो पड़े। उनमें से एक ने कहा कि हम इस दिन का इंतजार कर रहे थे। सड़कों पर किए संघर्ष के बाद आखिरकार न्याय मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा गठित खंडपीठ ने एसएलएसटी-2016 के जरिए नौवीं, दसवीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं के शिक्षकों तथा ग्रुप-सी और डी पदों पर एसएससी द्वारा नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के चयन से संबंधित कई याचिकाओं तथा अपीलों पर सुनवाई की। सुनवाई 20 मार्च को पूरी हुई थी और पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने एसएलएसटी-2016 में बैठे लेकिन नौकरी न पाने वाले अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने का आदेश दिया था।

पूर्व न्यायाधीश गंगोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता के इस्तीफे की मांग की

तामलुक। हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने अदालत के फैसले को उचित करार देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तत्काल इस्तीफे की मांग की। गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने पूर्व में भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। गंगोपाध्याय ने कहा कि राज्य प्रशासन में घोटाला करने वाले पूरे समूह को फांसी दे देनी चाहिए।

उच्च न्यायालय का आदेश अवैध, इसे चुनौती देंगे: ममता बनर्जी

रायगंज। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गईं नियुक्तियों को रद करने के हाईकोर्ट के आदेश को अवैध करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार फैसले को चुनौती देगी। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के रायगंज में चुनावी रैली में भाजपा पर न्यायपालिका के एक वर्ग और निर्णयों को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया।

धुएं से लोगों को सांस लेने में हो रही है दिक्कत

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के गाजीपुर 'लैंडफिल' (कचरा एकत्र करने की जगह) में लगी आग से निकलने वाले जहरीले धुएं से लोगों ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की। भीषण आग लगने के कुछ घंटों बाद भी सोमवार को धुएं का गुबार उठ रहा है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, कचरे के पहाड़ से उत्पन्न गैस से रविवार शाम 'लैंडफिल' में आग लग गई। दमकल सेवा के महानिदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। कूड़े के ढेर का एक हिस्सा टूटने से टिन पैनल से बनी दीवार भी गिर गई। पोल्ट्री मार्केट की तरफ कई मीटर लंबी दीवार खड़ी की गई थी। घड़ोली के ग्रामीणों ने बताया कि 15 घंटे हो गए हैं। यह धुआं बहुत जहरीला है। हम जलन से आंखें खुली नहीं रख पा रहे हैं और सांस लेने में कठिनाई हो रही है। धुएं से वे बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं।

लैंडफिल में आग

पर्यावरण विभाग से रिपोर्ट मांगी

दिल्ली सरकार ने आग की वजहों और गर्मियों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए कार्य योजना पर पर्यावरण विभाग से रिपोर्ट देने का सोमवार को निर्देश दिया। राय द्वारा जारी आदेश में पर्यावरण और वन विभाग के प्रधान सचिव को 48 घंटे में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

घटना की जांच होगी: आतिशी

आतिशी ने कहा कि लैंडफिल साइट में लगी आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी। कल उप महापौर आले मोहम्मद इकबाल ने साइट का दौरा किया था। आज महापौर शैली ओबेरॉय स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा करेंगी। दमकल की गाड़ियां रात भर घटनास्थल रहीं और आग पर काबू पा लिया है।

पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, गाजीपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मणिपुर के 11 केंद्रों पर पुनर्मतदान में हुए 81.76 प्रतिशत मतदान

इंफाल, एजेंसी

- **शुक्रवार को दंगे जैसी स्थिति के कारण इन केंद्रों पर मतदान हुआ था प्रभावित**
- **आयोग ने 19 अप्रैल को अमान्य घोषित कर पुन: मतदान कराने का दिया था निर्देश**

इनर मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 केंद्रों पर सोमवार को हुए पुनर्मतदान में कुल 81.6 प्रतिशत मत पड़े। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किसी भी केंद्र से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि कि कांग्रेस से शिकायत मिली है जिसमें दावा किया गया है कि एक अज्ञात ने फोन पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट को मोइरंगकम्पु साजेब में मतदान केंद्र खाली करने की धमकी दी है।

निर्वाचन आयोग ने 19 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग को अमान्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद सोमवार को पुनर्मतदान कराया गया। संघर्ष प्रभावित मणिपुर में शुक्रवार को इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर लोकसभा सीट पर 72 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस दौरान गोलीबारी, धमकी दिए जाने, कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम को नष्ट करने और बूथ कैप्चरिंग होने के आरोप सामने आए थे। सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे पुनर्मतदान शुरू हुआ, जो शाम पांच बजे संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को दंगे जैसी स्थिति से प्रभावित रहे सभी 11 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदाता सुबह से ही कतार में खड़े थे। सोमवार को किसी गड़बड़ी या हिंसक घटना की सूचना नहीं मिली है।

अरुणाचल प्रदेश में आठ केंद्रों पर पुनर्मतदान का आदेश

ईटानगर। निर्वाचन आयोग ने अरुणाचल प्रदेश में आठ केंद्रों पर पुन: मतदान कराने का आदेश दिया है जहां 19 अप्रैल को एकसाथ कराये लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी और हिंसा होने की जानकारी सामने आयी थी। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी लिकेन कोयु ने कहा कि आयोग के रविवार के आदेश में इन आठ केंद्रों पर मतदान को अमान्य घोषित किया और 24 अप्रैल को सुबह 6 बजे से दोपहर दो बजे तक नए सिरे से मतदान कराने का आदेश दिया।

झारखंड के प. सिंहभूम में 3.24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव से पहले प. सिंहभूम जिले में प्रशासन ने 3.24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया है। माओवाद प्रभावित सिंहभूम जिले में 13 मई को मतदान होगा। जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि चुनाव से पहले सघन अभियान शुरू कर 2162 किग्रा चूरापोस्त (मादक पदार्थ) जब्त किया है। एसपी आशुतोष शेखर के साथ चौधरी ने मादक पदार्थ एवं अवैध धन के प्रसार पर रोक लगाने के लिए अभियान की अगुवाई की। वाम चरमपंथ से प्रभावित जिलों में पिछले साल 46 माओवादी घटनाओं में 22 लोगों की जान गयी थी।

हुबली हत्याकांड: सीएम ने मामला सीआईडी को सौंपा, विशेष अदालत का होगा गठन

शिवमोगा (कर्नाटक), एजेंसी

कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने सोमवार को कहा कि हुबली में हुई छात्रा की हत्या के मामले को सीआईडी को सौंपा गया है। साथ ही एक विशेष अदालत का गठन होगा। हुबली-धारवाड़ नगर निगम पार्षद और कांग्रेस नेता निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ की 18 अप्रैल को धारवाड़ के बीवीबी कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी फयाज खोंडुनाइक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

मुस्लिमों का फैयाज के खिलाफ प्रदर्शन

धारवाड़। नेहा हिरेमथ की हत्या के मामले में सोमवार को मुस्लिम पुरुष और महिलाएं सामने आईं और हिंदू छात्रा के परिवार का समर्थन करते हुए फैयाज खोंडुनाईक के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस कृत्य की निंदा करने के लिए मुस्लिमों ने दुकानें आधे दिन के लिए बंद रहीं। दुकानदारों ने पोस्टर लगाया जिस पर लिखा था, नेहा को न्याय दो। अंजुमन-ए-इस्लाम की धारवाड़ इकाई के नेतृत्व में छात्रों ने मार्च निकाला। वहीं भाजपा भी शहर में प्रदर्शन कर रही है इसलिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

महिला पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव के आरोप में 7 पर केस

बेलगावी, एजेंसी

- **कर्नाटक में मुख्य आरोपी रफीक ने अपनी पत्नी के सामने पीड़िता से किया दुष्कर्म, लीं तस्वीरें**

कर्नाटक में मुस्लिम दंपति सहित सात लोगों पर विवाहित महिला को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। आरोपियों ने महिला को धमकी दी कि यदि उसने उनकी बात नहीं मानीं, तो वे उसकी तस्वीरें वायरल कर देंगे। पीड़िता की शिकायत पर सौंदत्ती में सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

पीड़िता के अनुसार जो हिन्दू और विवाहित है, मुख्य आरोपी रफीक ने अपनी पत्नी के सामने उनसे दुष्कर्म किया। आरोपी ने महिला से यौन संबंध बनाए और तस्वीरें लीं, जिनका इस्तेमाल कर उसे धर्म परिवर्तन के लिए ब्लैकमेल किया गया। रफीक ने उस पर अपने पति से तलाक लेने, धर्म बदलने के लिए राजी नहीं होने पर तस्वीरों को वायरल करने, मारने की धमकी दी। बेलगावी के एसपी भीमाशंकर गुलेदा ने कहा कि दंपति ने बुर्का पहनाया और नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया। संदिग्धों ने महिला को बेलगावी में रहने और आदेशों का पालन करने के लिए मजबूर किया था।

कर्नाटक पुलिस को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कर्नाटक में महिला से दुष्कर्म और धर्मांतरण पर राज्य पुलिस को नोटिस भेजकर तीन दिन में जवाब देने को कहा है। आयोग ने बताया कि कर्नाटक में 28 वर्षीया महिला से दुष्कर्म और बलपूर्वक धर्मांतरण की खबरें मीडिया में हैं जो चिंताजनक और निंदनीय हैं। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने मामले को लेकर राज्य के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है और तीन दिन में कार्रवाई की रिपोर्ट भेजने को कहा है। आयोग ने कहा है कि कर्नाटक में महिलाओं के बलपूर्वक धर्मांतरण के मामले बढ़ रहे है।

आज का मुकाबला

चेन्नई बनाम लखनऊ

समय : शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	08	379
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	06	324
रियान पराग (राजस्थान)	07	318

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	07	13
हर्षल पटेल	08	13
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	08	13

हार से ऊर्जा और खिताब पाने की मिली प्रेरणा : गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी

अधिकांश खिलाड़ियों के लिये जीत सबसे बड़ी प्रेरणा होती है लेकिन इतिहास रचने वाले भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश उनमें से नहीं हैं। उनका कहना है कि सातवें दौर में फिरोजा अलीरजा से हारने के बाद उन्हें सबसे युवा कैंडिडेट्स शतरंज चैंपियन बनने की प्रेरणा मिली।

चेन्नई के 17 वर्ष के गुकेश के पिता ईएनटी सर्जन और मां माइक्रो बायोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने चौदहवें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेलकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता और विश्व चैंपियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बने। वह इस साल के आखिर में चीन के डिंग लिरेन से खेलेंगे। गुकेश ने टोरंटो से कहा कि मैं शुरू ही से अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन सातवें दौर में अलीरजा से हारने के बाद मैं निराश था। अगले दिन विश्राम का था और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। इस तरह की हार से मुझे ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है।

गुकेश पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स खिताब जीतने वाले दूसरे ही भारतीय हैं। उन्होंने गैरी कास्पोरोव का 40 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जो 1984 में 22 वर्ष की उम्र में सबसे युवा चैलेंजर बने थे। दुनिया के तीसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर ने कहा शुरू ही से फोकस प्रक्रिया पर भरोसा करने पर, सही मानसिकता के साथ अच्छी शतरंज खेलने पर था। पूरे टूर्नामेंट में मैने अच्छा खेला और मैं खुशकिस्मत था कि नतीजे पक्ष में रहे।

- कैंडिडेट्स शतरंज प्रतियोगिता के सातवें दौर में अलीरजा से हारने के बाद चेन्नई के 17 वर्षीय युवा ने रचा इतिहास

खुश हूं, इत्मीनान है कि आखिरकार जीत गया

यह पूछने पर कि खिताब जीतकर कैसा लग रहा है, गुकेश ने कहा यह खूबसूरत पल था। मैं बहुत खुश था और इत्मीनान है कि आखिर जीत गया। गुकेश को जीत के लिये ड्रॉ की ही जरूरत थी और उन्होंने नकामूरा के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरती। दोनों का मुकाबला 71 चालों के बाद ड्रॉ पर छूटा। दूसरी ओर फेबियानो कारूआना और इयान नेपाम्नियाश्चि की बाजी भी ड्रॉ रही। अगर दोनों में से कोई जीतता तो टाइब्रेक होता। गुकेश ने कहा मैं टाइब्रेकर की तैयारी कर रहा था। मैं अपने ट्रेनर से बात कर रहा था लेकिन जैसे ही बातचीत शुरू की, हमें पता चला कि अब इसकी जरूरत नहीं है।

अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी : नकवी

कराची, एजेंसी

- भारत के साथ द्विपक्षीय शृंखला खेलने को लेकर बोले पीसीबी अध्यक्ष

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उसके साथ द्विपक्षीय शृंखला खेलने के तैयार है।

लाहौर में नकवी से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया साक्षात्कार के बारे में पूछा गया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की और कहा कि दोनों पड़ोसी देशों का विदेश में टेस्ट शृंखला खेलना शानदार होगा। नकवी ने कहा देखिए, अगर इस संबंध में कोई विकल्प आता है तो हम उस पर विचार करेंगे लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना है और पहले भारत को टूर्नामेंट के लिए आने देना है। फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी तक कोई समय उपलब्ध नहीं है क्योंकि हमारी टीम का यात्रा कार्यक्रम तय हो चुका है।

खेल डायरी

सिटसिपास को हराकर रूड ने जीता बार्सीलोना ओपन

बार्सीलोना। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्टेफानोस सिटसिपास से मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए बार्सीलोना ओपन टेनिस फाइनल में सीधे सेटों में हरा दिया। रूड ने 7-5, 6-3 से जीत दर्ज करके सत्र का पहला खिताब अपने नाम किया। वह इस साल तीन अन्य फाइनल हार चुके हैं। यह उनके कैरियर का 11वां खिताब और क्लेकोर्ट पर दसवां खिताब है। पिछली बार उन्होंने अप्रैल 2023 में एस्टोरिल में खिताब जीता था। पिछले साल फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहे रूड की नजरें अब रोलां गैरो पर खिताबी जीत दर्ज करने पर लगी है।

भारत को अमेरिकी पिकलबॉल प्रतियोगिता में 10 पदक

मुंबई। स्ताव्य भसीन, धीरेन पटेल और हेमल जैन ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत अमेरिकी ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में 10 पदक जीतने में सफल रहा। भारत ने फ्लोरिडा में 14 से 20 अप्रैल तक हुई इस प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक जीते। भसीन ने जूनियर एकल में स्वर्ण पदक जीता जबकि पटेल पुरुष एकल 5 .0 में शीर्ष पर रहे। हेमल ने पुरुष एकल 3 .5 में शीर्ष स्थान हासिल किया। भसीन ने पुरुष युगल 5 .0 में रजत और जूनियर पुरुष युगल तथा जूनियर मिश्रित युगल में कांस्य पदक सहित कुल चार पदक जीते। रोनव मोटवानी ने पुरुष युगल 5 .0 और जूनियर एकल में दो रजत पदक जीतने के अलावा जूनियर पुरुष युगल में कांस्य पदक जीता। पुरुष एकल 5 .0 में हिमांशु देवास्कर ने कांस्य पदक के साथ भारत के पदकों की संख्या को दोहरे अंक तक पहुंचाया।

ओलंपिक फाइनल में जगह बनाने वाली धावक पर लगा प्रतिबंध

मोनाको। तोक्यो ओलंपिक की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वाली इथोपिया की धावक जेरफे वोंडेमेगेन को दो प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। वोंडेमेगेन पिछले साल मामूली अंतर से विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से चूक गईं थी। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने कहा कि वोंडेमेगेन के नमूनों में टेस्टोस्टोरोन और ईपीओ के अंश मिले हैं जो रक्त को अधिक ऑक्सीजन ले जाने में मदद करते हैं। वोंडेमेगेन ने डोपिंग रोधी नियमों को तोड़ने की बात स्वीकार कर ली है। वोंडेमेगेन 2021 तोक्यो ओलंपिक में आठवें स्थान पर रहीं थी।

भावेश, सिमरनप्रीत ने 25 मीटर पिस्टल ओलंपिक ट्रायल जीता

नई दिल्ली। भावेश शेखावत और सिमरनप्रीत कौर बरार ने पहले ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में ओएसटी 2 जीत लिया। कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज पर चल रहे ट्रायल में भावेश ने फाइनल में 34 स्कोर किया और ओएसटी 1 के विजेता अनीश भानवाला (29) से आगे रहे। विजयवीर सिद्धू 22 हिट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, महिला वर्ग में सिमरनप्रीत ने पांच पांच शॉट की पहली दस सीरिज में 37 स्कोर किया। उन्होंने ओएसटी 1 विजेता और ओलंपियन मनु को पछाड़ा जिन्होंने 35 स्कोर किया।

मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव, आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। मार्श ने इस सत्र में अब तक दिल्ली के आठ मैचों में से केवल चार में भाग लिया है। इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में इस 32 वर्षीय खिलाड़ी के ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने की उम्मीद है। ऐसे में उनके आईपीएल के मौजूदा सत्र में वापसी करने की संभावना लगभग नहीं है। पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स की कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएगा। वैकल्पिक खिलाड़ियों के लिए एक निश्चित समय सीमा होती है।

मुंबई को भारी पड़ा यशस्वी का शतक

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हराया, संदीप ने झटके पांच विकेट

जयपुर, एजेंसी

संदीप शर्मा की 18 रन देकर पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के बाद यशस्वी जायसवाल नाबाद (104) और संजू सैमसन नाबाद (38) की शानदार पारियों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट हरा दिया है। यह राजस्थान की आठ मैचों में सातवीं जीत हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और जॉस बटलर की जोडनी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सातवें ओवर में पीयुष चावला ने जॉस बटलर को आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलाई। बटलर ने 25 गेंदों में 35 रन बनाए। कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में नाबाद 38 रन बनाए। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 59 गेंदों में आठ चौके और सात छक्के लगाते हुए नाबाद 104 रनों की पारी खेली। राजस्थान ने 18.4 ओवर में एक विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। मुम्बई की ओर से पीयुष चावला को एक विकेट मिला। हालांकि मैच के दौरान हुई बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा। लेकिन मुम्बई के गेंदबाज उसका फायदा नहीं उठा सके।

इससे पहले तिलक वर्मा (49) और नेहाल वढेरा (49) की शानदार पारियों के दम पर मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 180 रनों का लक्ष्य दिया था। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने रोहित शर्मा (6) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में इशान किशन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद तिलक वर्मा और वढेरा ने तिलक के साथ पांचवें विकेट लिए 99 रनों की साझेदारी कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। नेहाल वढ़ेरा ने 24 गेंदों में 49 रनों की अहम पारी खेली लेकिन वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए।

अंपायरों से बातचीत करते कप्तान हार्दिक पंड्या और रोहित शर्मा। ● एजेंसी

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	8	7	1	14	+0.698
कोलकाता	7	5	2	10	+1.206
हैदराबाद	7	5	2	10	+0.941
चेन्नई	7	4	3	8	+0.529
लखनऊ	7	4	3	8	+0.123
गुजरात	8	4	4	8	-1.055
मुंबई	8	3	5	6	-0.227
दिल्ली	8	3	5	6	-0.477
पंजाब	8	2	6	4	-0.292
बेंगलुरु	8	1	7	2	-1.046

मुंबई 179/9 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 10

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा का सैमसन बो बोल्ट	6	5	1/0
इशान किशन का सैमसन बो संदीप	0	3	0/0
सूर्यकुमार यादव का पावेल बो संदीप	10	8	2/0
तिलक वर्मा का पावेल बो संदीप	65	45	5/3
मोहम्मद नबी का एवं बो चहल	23	17	2/1
निहाल वढेरा का संदीप बो बोल्ट	49	24	3/4
हार्दिक पंड्या पगबाधा बो आवेश	10	10	1/0
टिम डेविड का पराग बो संदीप	3	5	0/0
गेराल्ड कोएट्जी का हेटमायर बो संदीप	0	1	0/0
पीयूष चावला नाबाद	1	1	0/0
जसप्रीत बुमराह नाबाद	2	1	0/0

गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-32-2, संदीप 4-0-18-5, आवेश 4-0-49-1, अश्विन 4-0-31-0, चहल 4-0-48-1

राजस्थान 183/1 — 18 .4 ओवर, अतिरिक्त : 6

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
यशस्वी जायसवाल नाबाद	104	60	9/7
जोस बटलर बो चावला	35	25	6/0
संजू सैमसन नाबाद	38	28	2/2

गेंदबाजी : पंड्या 2-0-21-0, बुमराह 4-0-37-0, तुषारा 3-0-28-0, कोएट्जी 2-0-25-0, नबी 3-0-30-0, चावला 4-0-33-1, वर्मा 0 .4-0-8-0

बर्लिन में आखिरी बार लीवर कप में खेलेंगे नडाल

बर्लिन। महान टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को कहा कि वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप में खेलेंगे जो 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक हो सकता है। नडाल ने संकेत दिया है कि 2024 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल हो सकता है। उन्होंने पिछले हफ्ते बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका आखिरी मैच था।

नडाल ने कहा अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिकतम लाभ उठाना चाहता हूं। नडाल लंबे समय से चोटों से जूझ रहे है और इस साल सिर्फ पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, तीन जनवरी में ब्रिसबेन में और दो पिछले हफ्ते बार्सीलोना में। 20-22 सितंबर तक आयोजित होने वाला लीवर कप इनडोर पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप के बीच खेली जाती है।

चेपॉक में मिलेगी लखनऊ को चुनौती

चेन्नई, एजेंसी

गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स अपने गढ चेपॉक स्टेडियम पर मंगलवार को लखनऊ सुपर किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा पिछली हार का बदला चुकता करने के साथ अंकतालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने का भी होगा। पिछली बार दोनों टीमों का सामना पिछले सप्ताह लखनऊ में हुआ था।

केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक ने पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की थी जिसके दम पर लखनऊ ने जीत दर्ज की। दोनों टीमों के सात मैचों में आठ अंक हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का अभेद्य किला रहा है चेपॉक और अब उसे यहां लगातार तीन मैच खेलने हैं। दूसरे मैदान पर हारने के बाद अब उनकी नजरें अपने घर पर तीनों मैच जीतकर प्लेआफ का दावा पुख्ता करने पर लगी होंगी। चेन्नई के लिए कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे ने अधिकांश रन बनाये हैं। लखनऊ के खिलाफ उनके नाकाम रहने से चेन्नई को अच्छी शुरूआत नहीं मिल सकी और बीच के ओवरों में टीम जूझती नजर आई।

- पिछले सप्ताह लखनऊ में चेन्नई सुपर किंग्स को करना पड़ा था हार का सामना

भाग्यशाली थे कोहली का विकेट मिल गया : सॉल्ट

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर फिल सॉल्ट ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उनकी टीम खुशकिस्मत थी कि विराट कोहली के विकेट का फैसला उनके पक्ष में रहा। केकेआर ने इस रोमांचक मुकाबले में आरसीबी को एक रन से हराया।

कोहली लक्ष्य का पीछा करते हुए सात गेंद में 18 रन बनाकर हर्षित की फुलटॉस गेंद पर गेंदबाज को कैच देकर आउट हुए। उनकी टीम जीत के लिए 223 रन का पीछा करते हुए एक रन से मैच हार गई। इंडियन प्रीमियर लीग में नो-बॉल को ऊंचाई से मापने वाली 'हॉक-आई प्रणाली' लागू है। इसके तहत क्रीज में बल्लेबाज के कमर की ऊंचाई से गेंद की ऊंचाई का आकलन कर नो बॉल का फैसला होता है। सॉल्ट ने कहा कि इस फैसले पर अलग-अलग मत हो सकता है। हमारे नजरिए से हम खुशकिस्मत थे कि यह फैसला हमारे पक्ष में रहा।

- इंग्लैंड के बल्लेबाज ने समझाया कैसे काम करती है हॉक-आई प्रणाली

कोहली पर लगा मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने के लिए उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। कोहली लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे ओवर में हर्षित राणा की फुलटॉस गेंद पर आउट करार दिए गए थे। इस गेंदबाज ने ही कोहली का कैच लपका। इंडियन प्रीमियर लीग में नो-बॉल को ऊंचाई से मापने वाली 'हॉक-आई प्रणाली' लागू है।

बॉलीवुड हलचल

फिल्म गुलाबी के लिए कड़ी मेहनत कर रही हुमा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी आने वाली फिल्म गुलाबी के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। हुमा कुरैशी इन दिनों विपुल मेहता के निर्देशन में बन रही फिल्म गुलाबी की शूटिंग गुजरात में कर रही है। इस फिल्म का निर्माण जिसे जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे और इकोलोन प्रोडक्शंस के विशाल राणा कर रहे हैं ।यह फिल्म अहमदाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें हुमा ऑटो रिक्शा ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं। वह ऑटो रिक्शा चलाने के साथ-साथ पढ़ना चाहती है और दूसरे लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। हुमा कुरैशी फिल्म गुलाबी के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। विशाल राणा ने बताया, हम तपती गर्मी की चुनौतियों बीच वहां के क्षेत्रीय लोगों के साथ शूट कर रहे हैं। हुमा बहुत सशक्त अभिनेत्री हैं। वह बिना किसी शिकायत के दिन के बारह-बारह घंटे शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने काफी लंबा और सशक्त सीन सिर्फ एक टेक में शूट किया। कैमरे के सामने वह जितने शानदार तरीके से विविध भावनाएं प्रस्तुत करती हैं, उससे हम सब बहुत प्रभावित हैं।

अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे अमिताभ

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी आने वाली फिल्म ' 'कल्कि 2898 एडी' ' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म ' 'कल्कि 2898 एडी' ' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। ' 'कल्कि 2898 एडी' ' के निर्माताओं ने इस फिल्म में अमिताभ के किरदार से पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म का एक छोटा सा टीजर वीडियो शेयर किया गया, जिसमें देखने को मिला कि सफेद कपड़े से ढका हुआ एक शख्स गुफा में बैठकर शिव लिंग की पूजा कर रहा है। फिर एक बच्चे की आवाज सुनाई देती है, जो उससे पूछ रहा है कि क्या तुम मर नहीं सकते, तुम भगवान हो। कौन हो तुम। इसके बाद अमिताभ बच्चन कहते हैं मैं द्वापर युग से दशावतार की प्रतीक्षा कर रहा हूं। द्रोणाचार्य का पुत्र हूं अश्वत्थामा। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित ' 'कल्कि 2898 एडी' ' बहुभाषी फिल्म है।

युकी ने बीएमडब्ल्यू ओपन टेनिस में जीता युगल खिताब

म्यूनिख। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी जोड़ी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में युगल खिताब जीत लिया है। जर्मनी के म्यूनिख में गैरवरीयता प्राप्त भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने जर्मन एंड्रियास मिज और जान-लेनार्ड स्ट्रफ की जोड़ी को एक घंटे 51 मिनट में तक चले फाइनल मुकाबले में 7-6(6), 7-6(5) से हराया। इंडो-फ्रेंच जोड़ी का पहला खिताब है।

इससे पहले सेमीफाइनल में भांबरी-ओलिवेट्टी ने ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एर्लर और लुकास मीडलर को 6-1, 6-7(5), 10-7 से हराया और क्वार्टरफाइनल में उन्होंने अमेरिकी जोड़ी रॉबर्ट गैलोवे और इवान किंग को 6-3, 6-3 से पराजित किया था। शुरुआती दौर में, भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने बेल्जियम की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी सैंडर गिल और जोरान व्लिगेन की जोड़ी को 95 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 7-6(5),10-6 से हराया था।

मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था : मरीना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाने वाली मिजोरम की युवा और ऊर्जावान मिडफील्डर मरीना लालरामनघाकी ने कहा कि मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था। अपने चयन को लेकर मरीना ने कहा कि जब मुझे कोर ग्रुप में मेरे चयन की खबर मिली तो मैं खुशी से अभिभूत हो गई। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण था और मेरी आँखे भर आई। मुझे हमेशा आत्मविश्वास था मेरी क्षमताओं और सफल परीक्षणों ने मेरे विश्वास की पुष्टि की।

उन्होंने कहा मेरा अंतिम लक्ष्य 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की सफलता में योगदान देना है। हालांकि, वर्तमान में मेरा ध्यान भारतीय टीम की टीम में जगह बनाना है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। हॉकी में मरीना का सफर 10 साल की उम्र में स्कूल के दिनों से शुरू हुआ। उनकी प्रतिभा को जल्द ही पहचाना गया, जिससे उनका चयन मिजोरम के थेनजॉल में साई महिला हॉकी अकादमी में हो गया।

- 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाने पर मिजोरम की युवा मिडफील्डर मरीना ने जताई खुशी
- 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप व 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जाना है लक्ष्य

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राज सागर द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी**, 0591-3551286 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar.moradabad@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

अमेरिकी सेना में शामिल होंगे भारतीय सेना के प्रतिनिधि

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना में जल्द ही भारतीय सैन्य प्रतिनिधियों की तैनाती होने जा रही है। कर्नल रैंक के ये प्रतिनिधि 3 अमेरिकी सैन्य कमांड में रहेंगे। इसका फैसला पिछले साल जून में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाशिंगटन यात्रा के दौरान हुआ था।

अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ऐसा पहली बार हो रहा है जब अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने किसी देश के सैन्य प्रतिनिधि को अपनी तीनों प्रमुख कमांड में रहने का मौका दिया है। कमांड में भारतीय प्रतिनिधि की लायजनिंग ऑफिसर के तौर पर मौजूदगी का मकसद दोनों देशों के बीच अहम सूचनाओं का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। इससे अमेरिका और भारत के रक्षा बलों के बीच संचालन क्षमता भी बढ़ेगी। फैसले के मुताबिक भारत की कमांड में भी अमेरिकी रक्षा अधिकारी तैनात होंगे। दोनों देशों का मानना है कि एक-दूसरे की सेना में इस तरह की नियुक्ति से आपसी सैन्य सहयोग बढ़ेगा। बता दें कि इस समय भारत दुनिया के विभिन्न देशों में अपने रक्षा प्रतिनिधि तैनात कर रहा है। अभी 62 देशों में भारत के रक्षा सलाहकार मौजूद हैं। इनकी संख्या 2030 तक बढ़ाकर 75 की जाएगी।

भारतीयों की यूरोप यात्रा को आसान बनाएगा शेंगेन वीजा

लंदन। भारत से यूरोपीय संघ के देशों की यात्रा करने वाले लोगों के लिए अब पांच साल के लिए मल्टीपल एंट्री वाले शेंगेन वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। दरअसल इस संबंध में भारतीयों के लिए यूरोपीय संघ द्वारा कुछ नियमों में बदलाव किया गया है। यूरोपीय संघ के भारतीय राजदूत हर्वे डेल्फिन ने कहा कि यह नई व्यवस्था से दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने बताया कि भारत के लोगों के लिए इस वीजा के लिए 18 अप्रैल को कुछ नियमों में परिवर्तन किया गया। ये नियम वर्तमान वीजा के मानकों से कुछ अलग हैं। तीन वर्षों के भीतर दो वीजा प्राप्त करने और उनका वैध रूप से उपयोग करने वाले भारतीय नागरिकों को अब दो साल के लिए बहु-प्रवेश (मल्टीपल एंट्री) शेंगेन वीजा जारी किया जाएगा।

पिछले साल सांसदों-विधायकों पर दर्ज 2 हजार मामलों का हुआ निपटारा

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया गया कि पिछले साल देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज कुल मामलों में से दो हजार से ज्यादा मामलों में फैसला हुआ। वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने एक हलफनामा दायर कर यह जानकारी दी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें मांग की गई है कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जानी चाहिए। इस मामले में कोर्ट ने वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया को न्याय मित्र नियुक्त किया है।

- 2019 के लोकसभा चुनाव में भी 7928 उम्मीदवारों में से 1500 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 1070 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। 17वीं लोकसभा (2019-2024) के लिए चुने गए 514 उम्मीदवारों में से 225 सदस्यों यानी कि 44 फीसदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे। मामले में सुप्रीम कोर्ट की मदद कर रहे वकील हंसारिया ने हलफनामे में बताया कि 1 जनवरी 2023 तक 4,697 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 2,018 मामलों में बीते साल फैसला हो गया। हलफनामे में बताया गया कि साल 2023 में नेताओं के खिलाफ 1746 नए मामले दर्ज हुए। ऐसे में 1 जनवरी 2024 तक नेताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की कुल संख्या 4,474 हो गई है।
- उच्च न्यायालयों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक सूची भी दाखिल की, जिसमें एक जनवरी, 2023 तक सांसदों के खिलाफ 4,697 आपराधिक मुकदमे दर्ज हुए थे और पिछले वर्ष 2,018 मामलों पर फैसला सुनाया गया। हलफनामे के मुताबिक, 2023 में सांसदों और विधायकों के खिलाफ 1,746 नये आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए और एक जनवरी, 2024 तक कुल 4,474 मुकदमे लंबित हैं।

जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सुनवाई में आई तेजी

विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद एमपी/एमएलए कोर्ट में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई में तेजी आई है। हालांकि कोर्ट द्वारा और दिशा निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि लंबित मामलों की भी जल्द सुनवाई हो सके। हलफनामे में कहा गया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की समीक्षा के लिए उच्च न्यायालयों द्वारा सख्ती से समीक्षा की जानी चाहिए। वकील विजय हंसारिया ने कोर्ट में एनजीओ एडीआर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में कुल 2,810 उम्मीदवारों में से 501 उम्मीदवार यानी कि 18 प्रतिशत उम्मीदवार दागी हैं। इनमें से भी 327 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें जनप्रतिनिधि अगर दोषी पाए गए तो उन्हें पांच साल या ज्यादा की सजा हो सकती है।

इन राज्यों में निपटाए गए मामले

हलफनामे के अनुसार, उत्तर प्रदेश की एमपी-एमएलए कोर्ट में दर्ज 1300 मामलों में से 766 बीते साल निपटाए गए। दिल्ली में दर्ज 105 मामलों में से 103 का निपटारा बीते साल कर दिया गया। इसी तरह महाराष्ट्र में 476 मामलों में से 232 में फैसला हो गया। बंगाल के 26 में से 13 में, कर्नाटक में 226 में से 150 मामलों, केरल में 370 में से 132, बिहार में 525 मामलों में से 171 में फैसला हो चुका है। हलफनामे के अनुसार, लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं। जिनके अनुसार, तीन साल से ज्यादा समय से लंबित मामलों में राज्यों के संबंधित हाईकोर्ट्स समीक्षा रिपोर्ट तलब करें। साथ ही मांग की गई कि नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड की तरह एक वेबसाइट बनाई जाए, जिससे लंबित मामलों की रियल टाइम जानकारी इस पर अपलोड की जाए। सुप्रीम कोर्ट के जज की अध्यक्षता में एक समिति बनाने की मांग की गई है, जो लंबित मामलों की समीक्षा करे।

एक नजर

मंगलुरु ताड़ के जलते पत्तों को एक-दूसरे पर फेंकते श्रद्धालु

मंगलुरु। कर्नाटक के कतील में दुर्गा परमेश्वरी मंदिर में हर साल अप्रैल में अग्नि केली उत्सव मनाया जाता है। इस उत्सव में भाग लेने वाले श्रद्धालु 8 दिन का उपवास करते हैं। उत्सव के आखिरी दिन वे ताड़ के जलते पत्तों को एक-दूसरे पर फेंकते है, मान्यता है कि इससे देवी-देवता खुश हो जाते हैं।

श्रीलंका में भी होगी रामायण यात्रा विकसित करने में मदद करेगा भारत

कोलंबो। श्रीलंका में रामायण से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को विकसित करने के लिए रामायण ट्रेल की का उद्घाटन किया गया है। इसे लेकर श्रीलंका में भारतीय राजदूत संतोष झा ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अधिकारियों से अपने आवास में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान इस बात पर चर्चा की गई कि श्रीलंका में रामायण से जुड़ी ऐतिहासिक जगहों को जोड़ने के लिए भारत द्वारा क्या मदद की जा सकती है। इस दौरान भारतीय राजदूत ने ट्रस्ट के ट्रेजरी गोविंद देव गिरी महाराज से भी मुलाकात की। बता दें कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या राम मंदिर के निर्माण को तैयार करने वाली संस्थाओं में से एक है।

पाकिस्तानः भारतीय सिख तीर्थयात्री की दिल का दौरा पड़ने से मौत

लाहौर। पाकिस्तान गए एक सिख तीर्थयात्री की सोमवार को दिल का दौरा पड़ने के कारण मौत हो गई। इवैकुई ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि पटियाला निवासी सरदार जांगीर सिंह (67) की सोमवार को दिल का दौर पड़ने के बाद मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को वाघा सीमा पर भारतीय सुरक्षा कर्मियों को सौंप दिया गया। बता दें, बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए 13 अप्रैल को वाघा सीमा के जरिए पाकिस्तान पहुंचे लगभग 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री सोमवार को स्वदेश रवाना हो गए।

उपचुनाव में नवाज शरीफ की पार्टी का दबदबा, 10 सीटें जीती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हुए उपचुनाव में सत्ताधारी पीएमएलएन पार्टी का दबदबा रहा। नवाज के नेतृत्व वाली पीएमएलएन ने उपचुनाव में नेशनल असेंबली की दो सीटों और प्रांतीय असेंबली की 10 सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि अभी तक आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है और मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह दावा किया गया है। पाकिस्तान में कुल पांच नेशनल असेंबली सीटों, जिनमें पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा की दो-दो नेशनल असेंबली सीट और सिंध की एक नेशनल असेंबली सीट पर उपचुनाव हुए।

सियाचिन साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प की राजधानीः राजनाथ

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र पहुंचे रक्षा मंत्री, बोले- यह सामान्य भूमि नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और इसे भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी बताया। उन्होंने लद्दाख में सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात सशस्त्र बल के जवानों से भी बातचीत की। उन्होंने उनके साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया।

राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर आप जिस तरह से देश की रक्षा करते हैं, उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। सियाचिन की भूमि कोई सामान्य भूमि नहीं है। यह देश की संप्रभुता और दृढ़ता का प्रतीक है।

राजनाथ सिंह ने सियाचिन बेस कैंप में युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की और बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 'सियाचिन हमारे राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, मुंबई हमारी आर्थिक राजधानी है और हमारी तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है। सियाचिन भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी है।' इस अवसर पर सेना प्रमुख मनोज पांडे भी रक्षा मंत्री के साथ रहे। इस अवसर पर, लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में कुमार की पोस्ट पर 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के बाद जवानों ने नारे लगाए। राजनाथ सिंह 24 मार्च को सैनिकों के साथ होली मनाने के लिए सियाचिन जाने वाले थे, लेकिन 'खराब मौसम' के कारण कार्यक्रम को बदलकर लेह कर दिया गया, जहां रक्षा मंत्री ने लेह सैन्य स्टेशन पर सशस्त्र बलों के साथ इस अवसर का जश्न मनाया।

सोमवार को सियाचिन के बेस कैंप में मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और सैनिक।

माइनस 40 डिग्री में रह रहे सैनिक

13 अप्रैल को बैसाखी के दिन पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए ऑपरेश शुरू हुआ। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती पाक सेना नहीं, बल्कि वहां का माइनस 40 डिग्री तापमान था। यहां ऑक्सीजन की कमी और बर्फीली हवाएं जान लेने पर उतारू थीं, लेकिन सेना के जवानों की हिम्मत के आगे वो भी नहीं टिक सकीं।

ऐसे सियाचिन को किया गया सुरक्षित

इसके बाद भारतीय वायुसेना के हंटर विमान ने लेह के ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्र से लड़ाकू अभियान शुरू किया। लेह से जैसे-जैसे ग्लेशियर के ऊपर बड़ी संख्या में हमले किए जाने लगे, इसने ग्लेशियर पर तैनात भारतीय सैनिकों का मनोबल बढ़ाने का काम किया। इसके बाद चीता और एमआई 8 हेलीकॉप्टर्स ने उड़ान भरी और बिलाफोंड ला और सिया ला चोटियों को सुरक्षित कर लिया। बाद में पूरे ग्लेशियर को ही सुरक्षित कर लिया गया।

सैन्य खुफिया प्रमुख ने विफलताओं की जिम्मेदारी ले पद से दिया इस्तीफा

तेल अवीव। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसके खुफिया कोर के प्रमुख ने हमास के सात अक्टूबर के हमले को लेकर इस्तीफा दे दिया है। इजराइल के सैन्य खुफिया प्रमुख अहरोन हलीवा, हमास के हमले संबंधी विफलता को लेकर पद छोड़ने वाले पहले वरिष्ठ इजराइली अधिकारी हैं। हलीवा ने अक्टूबर में कहा था कि उस हमले को नहीं रोक पाने की वह जिम्मेदारी लेते हैं, जिसने इजरायल की सुरक्षा में सेंध लगायी थी। युद्ध के कुछ ही समय बाद, हलीवा ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि सरकार और सेना को खुफिया चेतावनियां और दैनिक अलर्ट प्रदान करने के लिए जिम्मेदार सैन्य विभाग के प्रमुख के रूप में हमले को न रोक पाने का दोष उन पर है और वह इस आरोप को स्वीकार करते हैं। आपको बता दें कि सात अक्टूबर को हमास के आतंकियों की तरफ से किए गए हमले में करीब 1200 लोगों की मौत हो गई थी 200 से ज्यादा नागरिकों को बंधक बना लिया गया था।

आतंकवाद को खत्म करने के लिए ईरान-पाक सहमत

पाकिस्तान में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के साथ मौजूद पीएम शहबाज शरीफ।

इस्लामाबाद, एजेंसी

- इजराइल से तनाव के बीच ईरान आपसी व्यापार बढ़ाएगा

पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद किसी देश के पहले राष्ट्र प्रमुख के रूप में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंचे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरानी राष्ट्रपति ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त प्रयासों पर सहमति व्यक्त की है। दोनों पड़ोसियों ने कथित आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ जैसे को तैसा हवाई हमले किए जाने के महीनों बाद आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

राज्य संचालित रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को पीएम शहबाज और ईरानी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच व्यापार और संचार बढ़ाने पर चर्चा की।

संयुक्त प्रेसवार्ता के दौरान ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने कहा कि ईरान-पाकिस्तान के बीच वर्तमान व्यापार संतोषजनक नहीं है, पहले कदम के रूप में हमने इसे बढ़ाकर 10 अरब डॉलर करने का निश्चय किया है। शहबाज ने कहा कि विवाद की चुनौतियों के बीच पाकिस्तान और ईरान के बीच संधि को मजबूत करना होगा। शहबाज ने रायसी को राजनीतिक बुद्धिमत्ता और विवेक का महासागर बताया और कहा कि उनके नेतृत्व में ईरान आगे बढ़ेगा।

रथ खींचने की मची होड़

मदुरै : तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में चिथिराई उत्सव के मौके पर बड़ी संख्या में भक्तों ने श्री थायुमानवर मंदिर के रथ खींचे। यह रथ शहर की सड़कों से होकर गुजरा। इसी के साथ मट्टुवरकुझालम्मी के देवता का भी रथ खींचा गया। उत्सव के 11वें दिन चिथिराई के मौके पर सैकड़ों श्रद्धालु मीनाक्षी अम्मन मंदिर में एकत्रित हुए। यह उत्सव 12 अप्रैल से शुरू हुआ था। इस दौरान भक्तों ने मीनाक्षी सुंदर महादेव, सोम सुंदर महादेव, हर हर शंकर महादेव, संबो शंकर-महादेव, कदंबवन सुंदर-महादेव और आल्लाला सुंदर महादेव का जाप करते हुए रथ खींचा। ● एजेंसी

स्वदेश लौटने के बाद पहली विदेश यात्रा पर चीन जाएंगे नवाज

इस्लामाबाद। तीन बार पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सोमवार को चीन की पांच दिवसीय निजी यात्रा पर जाएंगे। यहां वह अपना मेडिकल चेकअप कराएंगे। ब्रिटेन में चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान लौटने के बाद 74 वर्षीय शरीफ की यह पहली अंतर्राष्ट्रीय यात्रा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो के साथ उनकी 'निजी यात्रा' पर विदेश मंत्री इशाक डार भी होंगे। पार्टी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि शरीफ की यात्रा निजी है और यात्रा के दौरान उनका मेडिकल चेकअप होगा। चीनी कंपनियों के मालिकों के साथ विकास कार्यों बैठकें भी करेंगे।

मिथुन, उषा समेत 67 हस्तियां सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को 67 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। 25 जनवरी को ये सम्मान घोषित किए गए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सबसे पहले पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, बिंदेश्वर पाठक (मरणोपरांत) और पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। बिंदेश्वर पाठक की पत्नी अमोला पाठक ने पुरस्कार ग्रहण किया। इसके बाद अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, सिंगर उषा उथुप और सीताराम जिंदल समेत कुछ लोगों को पद्म भूषण दिया। इसके अलावा मनोहर कृष्ण डोले और रामचेत चौधरी समेत कुछ हस्तियों को पद्मश्री दिया गया। इस बार 2024 के लिए 5 लोगों को पद्म विभूषण, 17 को पद्म भूषण, 110 को पद्मश्री से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है।

आज के समारोह में इनमें से कुछ हस्तियों को सम्मान नहीं मिल सका, इन्हें अगले हफ्ते सम्मानित किया जाएगा। पद्मश्री पुरस्कार ऐसे लोगों को दिया जा रहा है, जो अब तक गुमनाम थे। इनमें असम की रहने वाली देश की पहली महिला महावत पार्वती बरुआ और जागेश्वर यादव का नाम शामिल है। इसके अलावा चार्मी मुर्मू, सोमन्ना, सर्वेश्वर, सांगथाम समेत कई बड़े नाम भी हैं। पद्म पुरस्कार विजेताओं में 30 महिलाएं हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को पद्म भूषण से सम्मानित करतीं राष्ट्रपति।

अमेरिकी नागरिकता पाने में दूसरे नंबर पर भारतीय

वाशिंगटन, एजेंसी

- रिपोर्ट में खुलासा, 2022 में 66 हजार भारतीय बने अमेरिकी नागरिक, पहले पर रहा मैक्सिको

अमेरिका की नवीनतम संसदीय रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 65,960 भारतीय आधिकारिक तौर पर अमेरिका के नागरिक बन चुके हैं। इसी के साथ मैक्सिको के बाद भारत अब अमेरिका के लिए नए नागरिकों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है। 2022 तक चार करोड़ 60 लाख विदेशी मूल के नागरिक अमेरिका में निवास कर रहे थे, जो कि 33 करोड़ 30 लाख जनसंख्या वाले देश का 14 प्रतिशत है।

15 अप्रैल की नवीनतम यूएस नेचुरलाइजेशन पॉलिसी रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022 में 969,380 लोग नियमानुसार अमेरिकी नागरिक बने। अमेरिका में नियमानुसार नागरिकता मिलने के मामले में मैक्सिको पहले स्थान पर है, इसके बाद भारत, फिलीपींस, क्यूबा और डोमिनिकन गणराज्य के लोग शामिल हैं।

नवीनतम सीआरएस रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में मैक्सिको के 1,28,878 लोगों को अमेरिकी नागरिकता दी गई थी। उनके अलावा भारत के 65,960,फिलीपींस के 53,413, क्यूबा के 46,913, डोमिनिकन गणराज्य के 34,525, वियतनाम के 33,246 और चीन के 27,038 नागरिकों को अमेरिकी नागरिकता दी गई थी। सीआरएस की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 तक अमेरिका में विदेशी मूल के नागरिकों में 28,31,330 लोग भारत से थे। बता दें कि मैक्सिको (1,06,38,429) के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा 22,25,447 लोग चीन से हैं।

विज्ञान हर वर्ष की तरह 23 अप्रैल रात तक चरम पर रहेगी उल्कावृष्टि

लिरिड रोमांचक आसमानी आतिशबाजी शुरू

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : लिरिड उल्कापात यानी रोमांचक आसमानी आतिशबाजी सोमवार रात से शुरू हो गई है। जिसके मंगलवार रात तक चरम पर रहने की संभावना है। यह उल्कावृष्टि हर वर्ष इसी दौरान होती है। जो 23 अप्रैल रात तक चरम पर रहेगी।

आकाशीय घटनाओं में उल्कावृष्टि सर्वाधिक रोमांचक मानी जाती है। साल में कई मौके आते हैं, जब इस खगोलीय घटना का लुत्फ उठाया जा सकता है। लिरिड उल्का बौछार हर साल जनवरी की शुरुआत और अप्रैल के अंत के बीच होती है। इस वर्ष 22 अप्रैल से शुरू हो गई है। जिसके 23 अप्रैल की रात तक जारी रहने की संभावना है। हालाकि चांदनी रात के कारण इस घटना मे उल्काओं की संख्या कम ही देखी जा सकती है, लेकिन बड़े आकार के रंगबिरंगी उल्काओं को देखने का मौका अवश्य मिलेगा।

बुधवार से उल्काओं की संख्या मे कमी आ जाएगी। मगर 29 अप्रैल तक इस घटना को देखा जा सकेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रति घंटे 10 से 15 लिरिड्स उल्कापात देखे जा सकते हैं।

चांदनी रात के कारण इस वर्ष भले ही इनकी संख्या कम नजर आएगी, लेकिन पूर्व में इनकी संख्या 100 प्रति घंटे की दर से भी देखी गई हैं। अधिकांश उल्कापात किसी गुजरते धूमकेतु के मलबे के कारण होते हैं। लिरिड्स उल्कापात धूमकेतु थैचर के छोड़े गए मलवे के कारण होती है।

नैनीताल से लिया गया उल्कावृष्टि का नजारा (फाइल फोटो)

एस्ट्रोटूरिज्म का रोमांचक हिस्सा है उल्कावृष्टि

उल्कावृष्टि एस्ट्रोटूरिज्म का सर्वाधिक लोकप्रिय हिस्सा माना जाता है। हालांकि भारत में इस पर्यटन को लेकर अधिक लोग नही जानते हैं, लेकिन यूरोपीय देशों में यह पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी भागीदारी निभाता है। भारत में इस पर्यटन की शुरुआत करीब एक दशक पहले हुई। पर्वतीय क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता है। नगरीय क्षेत्रों में प्रकाश प्रदूषण के कारण एस्ट्रोटूरिज्म की संभावना बहुत कम हो जाती है।

जो ट्रेलर में हो वो फिल्म में भी हो ये जरूरी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश को निरस्त करते हुए पलटा फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के एक आदेश को रद करते यशराज के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (22 अप्रैल) को कहा कि ट्रेलर में एक गीत, संवाद या एक संक्षिप्त दृश्य का उपयोग फिल्म की रिलीज के बारे में चर्चा पैदा करने के लिए किया जाता है। यह कतई जरूरी नहीं की जो ट्रेलर में हो वो फिल्म में देखने को मिले।

बता दें कि यह इस मामले में पहले एनसीडीआरसी ने यशराज फिल्म्स को 'फैन' के एक गाने को फिल्म से बाहर करने से नाराज उपभोक्ता को मुकदमे की लागत के अलावा 10 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया था। फिल्म निर्माण फर्म की ओर से दाखिल की गई अपील को स्वीकार करते हुए जस्टिस पीएस नरसिम्हा और अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता का मानना कि जो प्रमोशनल ट्रेलर में है वो ही फिल्म में भी होगा यह गलत है।

जबकि, सुप्रीम कोर्ट का फैसला यश राज फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एनसीडीआरसी के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई करते हुए आया है। एनसीडीआरसी ने आफरीन फातिमा जैदी नाम की महिला को 10 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि प्रोमो में गाना 'जबरा फैन' शामिल था, लेकिन जब उन्होंने फिल्म देखी तो गाना गायब था, इसके बाद शिकायत दर्ज कराई।